PRESS
राष्ट्रीय मुख्यधारा
PRINT | WEB | VIDEO
बोकारो, गुरुवार
12.11.2026
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 13, अंक : 20

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

PRGI/RNI No. JHAHIN/2014/54374



राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

कैबिनेट : उर्वरक सब्सिडी, ऋण गारंटी और स्टैंडअप योजना को जारी रखने को मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने किसान, सूक्ष्म उद्योगों और उद्यमिता के लिए बनी उर्वरक सब्सिडी, ऋण गारंटी और स्टैंडअप योजना को जारी रखने को मंजूरी दी है। सब्सिडी योजना को रबी सीजन और बाकी दोनों योजनाओं को 31 मार्च तक जारी रखने को मंजूरी दी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने आज उक्त योजनाओं के विस्तार के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की। केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। मंत्रिमंडल ने रबी 2026-27 के लिए फॉस्फेटिक और पोटैशिक उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी दरों को मंजूरी दी है। इसके अलावा सूक्ष्म इकाइयों के लिए ऋण गारंटी कोष (सीजीएफएमयू) और स्टैंड-अप इंडिया योजना को अगले पांच साल के लिए 31 मार्च 2031 तक जारी रखने की



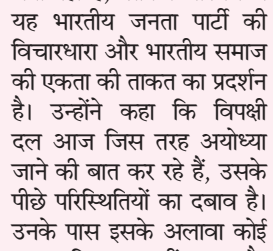
मंजूरी दी। पोषक तत्व आधारित सब्सिडी दरें 1 अक्टूबर 2026 से 31 मार्च 2027 तक डीएपी और एनपीकेएस ग्रेड के उर्वरकों पर लागू होगी, जिससे किसानों को ये उर्वरक किफायती दामों पर उपलब्ध हो सकेंगे। इसपर अनुमानित बजटीय आवश्यकता 62,370.02 करोड़ (लगभग) है। वहीं, ऋण गारंटी कोष (सीजीएफएमयू) के विस्तार से अगले पांच वर्षों में 12.6 लाख करोड़ रुपये के ऋण दिए जा सकेंगे। यह कोष प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत दिए गए ऋणों के लिए ऋण गारंटी प्रदान करता है। आज 5,000 करोड़ रुपये के कोष को मंजूरी दी गई है। इससे 12.6 लाख करोड़ रुपये के पीएमएमवाई ऋणों को सुगम बनाया जा सकेगा। इस कोष का उद्देश्य ऋण देने वाली संस्थाओं (एलआईएस) को पात्र सूक्ष्म उद्यमों को 20 लाख रुपये तक के ऋण, प्रधानमंत्री जन धन योजना खातों के तहत बैंकों द्वारा प्रदान किए गए 10,000 रुपये तक के ओवरड्राफ्ट और स्वयं सहायता समूहों को दिए गए ऋण (जिनका पोर्टफोलियो 10 लाख से 20 लाख के बीच है) की सुविधा देता है। स्टैंड-अप इंडिया योजना का उद्देश्य अगले पांच वर्षों में अतिरिक्त 2.5 लाख उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। योजना महिलाओं, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देगी। इसका उद्देश्य अतिरिक्त 2.5 लाख उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। ऋण मिश्रित (कार्यशील पूंजी और सावधि ऋण) या सावधि ऋण के रूप में 10.00 लाख रुपये से अधिक और 1.00 करोड़ रुपये तक (परियोजना लागत के 85% तक) की राशि के लिए उपलब्ध होगा।

नोएडा से ग्रेटर नोएडा तक एक्वा लाइन मेट्रो के विस्तार को मंजूरी, 2,390 करोड़ रुपये होंगे खर्च

एजेंसी, नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को नोएडा सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा सेक्टर-4 तक एक्वा लाइन मेट्रो के विस्तार को मंजूरी दे दी। इस परियोजना के तहत 8.449 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड मेट्रो कॉरिडोर बनाया जाएगा, जिस पर 2,390 करोड़ रुपये खर्च होंगे। मार्ग में पांच नए स्टेशन बनाए जाएंगे। इसके चालू होने से नोएडा और ग्रेटर नोएडा में सक्रिय मेट्रो नेटवर्क की कुल लंबाई बढ़कर 71.878 किलोमीटर हो जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि इस मेट्रो कॉरिडोर से क्षेत्र में स्थापित सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) उद्योगों और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) को बेहतर संपर्क सुविधा मिलेगी। इससे आसपास के वाणिज्यिक केंद्रों, शैक्षणिक संस्थानों और आवासीय क्षेत्रों तक पहुंच भी आसान होगी। प्रस्तावित कॉरिडोर में पार्थला चौक, गौर चौक, एक मूर्ति चौक सहित पांच प्रमुख स्थानों पर स्टेशन बनाए जाएंगे। इससे इन चौराहों पर लगने वाले यातायात जाम से राहत मिलने की उम्मीद है। क्षेत्र में कई बड़ी कंपनियों और कार्यालयों के साथ मीडिया संस्थान भी स्थित हैं। मेट्रो विस्तार से यहां काम करने वाले कर्मचारियों और रोजाना आवागमन करने वाले यात्रियों को लाभ होगा। परियोजना के तहत नोएडा सेक्टर-61 पर ब्लू लाइन मेट्रो के साथ इंटरचेंज की सुविधा मिलेगी। इससे यात्रियों को दिल्ली और एनसीआर के अन्य हिस्सों तक पहुंचने में सहूलियत होगी। इस कॉरिडोर से गौर सिटी मॉल, एचएंडएस मॉल, ब्लू सफायर मॉल, ग्रेटर नोएडा सेक्टर-4 के व्यावसायिक केंद्रों और नोएडा सेक्टर-51 स्थित आईकेईए सहित प्रमुख वाणिज्यिक स्थलों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इसके अलावा टेक महिंद्रा, टीसीएल टेक और ऑयल इंडस्ट्री डेवलपमेंट बोर्ड जैसे प्रमुख संस्थानों, दिल्ली पब्लिक स्कूल जैसे शैक्षणिक संस्थानों तथा कैलाश अस्पताल, क्लाउडनाइन अस्पताल और रामा अस्पताल जैसे स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंच आसान होगी।

भारत विकास की नई ऊंचाइयों पर, विपक्ष की राजनीति गिर रही नए निम्न स्तर पर : भाजपा

एजेंसी, नई दिल्ली



भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की टिप्पणी पर तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि एक तरफ भारत विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ विपक्ष की राजनीति लगातार नए निम्न स्तर पर जाती दिखाई दे रही है।

बुधवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि राहुल गांधी ने भारतीय अर्थव्यवस्था को 'शो कॉल्ड डेड इकोनॉमी' (कथित मृत अर्थव्यवस्था) कहा था, लेकिन इसी अर्थव्यवस्था ने धनतेरस के दिन सोने-चांदी की खरीदारी के मामले में अपनी ताकत दिखाई। उन्होंने दावा किया कि धनतेरस पर भारत में एक दिन में जितनी सोने-चांदी की खरीदारी हुई, उतनी खरीदारी पूरा यूरोप तीन महीने में करता है।

उन्होंने कहा कि यह भारत की आर्थिक क्षमता का प्रमाण है। साथ ही यह भी दर्शाता है कि विपक्ष के नेताओं के मन में भारत की परंपराओं, धर्म और संस्कृति के प्रति कितनी अवमानना और नकारात्मकता भरी हुई है। भारत लगातार प्रगति कर रहा है, लेकिन विपक्ष देश की उपलब्धियों को स्वीकार करने के बजाय निराधार टिप्पणियां करने में लगा है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के दिवाली को 'खुशियों की ईद' बताने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह काफी आश्चर्यजनक है, क्योंकि खरगे जिस कर्नाटक राज्य से आते हैं, वहां कन्नड़ भाषा में त्योहार के लिए 'उत्सव' या 'हब्बा' शब्द का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में 'ईद' शब्द कहां से आ गया? उन्होंने कहा कि यह घटना दर्शाती है कि भारतीय धर्म और संस्कृति का अपमान किस हद तक किया जा सकता है। विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस का आचरण इसी मानसिकता को प्रतिबिंबित करता है। डॉ. त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेता भारतीय परंपराओं और सांस्कृतिक पहचान के प्रति सम्मान दिखाने के बजाय ऐसी टिप्पणियां कर रहे हैं, जिनसे विवाद पैदा हो रहा है। समाजवादी पार्टी की ओर से 12 दिसंबर को अयोध्या में शक्ति प्रदर्शन करने की घोषणा पर भी प्रतिक्रिया देते हुए डॉ सुधांशु ने कहा कि समाजवादी पार्टी इसे अपना शक्ति प्रदर्शन बता रही है, लेकिन वास्तव में यह भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा और भारतीय समाज की एकता की ताकत का प्रदर्शन है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल आज जिस तरह अयोध्या जाने की बात कर रहे हैं, उसके पीछे परिस्थितियों का दबाव है। उनके पास इसके अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने दावा किया कि भारतीय समाज की एकता की ताकत अब दिखाई देने लगी है। डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि यदि आगामी चुनाव में भारतीय समाज इसी तरह और अधिक एकजुटता दिखाता है, तो जो लोग आज श्रीरामलला विराजमान का आशीर्वाद लेने पहुंचे हैं और जिन्हें उन्होंने 'चुनावी हिंदू' करार दिया, वे अगले चुनाव तक स्वयं 'जय श्रीराम' का उद्घोष करते नजर आएंगे।

मुनक नहर पर 11 किलोमीटर लंबे छठ घाट का 12 को उद्घाटन करेंगे नितिन नबीन

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन गुरुवार (12 नवंबर) को मुनक नहर के किनारे 11 किलोमीटर लंबे छठ घाट उद्घाटन करेंगे। इस घाट का निर्माण दिल्ली सरकार ने कराया है। यह न केवल राजधानी का सबसे लंबा छठ घाट होगा, बल्कि देश में किसी नहर के किनारे विकसित होने वाला अपनी तरह का पहला और अनूठा आयोजन स्थल भी होगा। सिंगलपुर गांव के निकट लेबर चौक, मुनक नहर, शालीमार बाग में दोपहर आयोजित कार्यक्रम



में मुख्यमंत्री सहित केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली सरकार के मंत्री व अन्य उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री ने बुधवार को विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि मुनक नहर का यह कायाकल्प केवल निर्माण परियोजना नहीं, बल्कि वर्षों से उपेक्षित पड़े क्षेत्र को आस्था, स्वच्छता, हरियाली और जनसुविधाओं के बड़े केंद्र में बदलने का प्रयास है। कभी गंदगी, मलबे और झाड़ियों से घिरी रहने वाली नहर को नया जीवन देने के लिए सरकार ने व्यापक सफाई अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से अनुपयोगी पड़े नहर के इस हिस्से से करीब 1,400 ट्रक मलबा, कचरा और अन्य गंदगी निकाली गई। इसके दोनों किनारों से अतिक्रमण हटाकर एक सुंदर और व्यवस्थित छठ घाट विकसित करने का निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री ने स्वयं इस परियोजना की लगातार निगरानी की और कई बार मौके पर पहुंचकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस भव्य घाट की सबसे बड़ी विशेषता इसकी लंबाई और सुव्यवस्थित निर्माण है। नहर के दोनों किनारों पर पक्की सीढ़ियां और सीमेंट की सड़कें बनाई जा रही हैं ताकि छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को सूर्योपासना के लिए घाट तक पहुंचने तथा पूजा-अर्चना करने में किसी तरह की परेशानी न हो। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए चेंजिंग रूम, शौचालय, टेंट व्यवस्था और पर्याप्त प्रकाश का प्रबंध किया जा रहा है। सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। इसके अलावा लोगों के बैठने के लिए बेंच, हरियाली और सौंदर्यीकरण की व्यवस्था भी परियोजना का हिस्सा है।

पश्चिम बंगाल में गुंडाराज समाप्त: मिथुन चक्रवर्ती का दावा

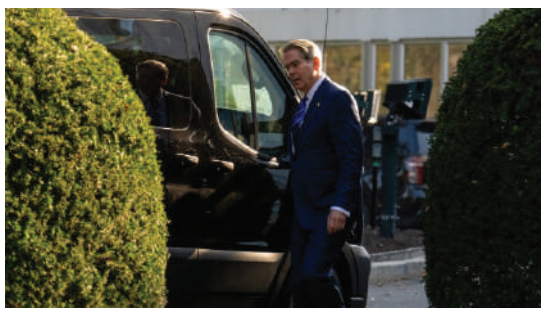
एजेंसी, कोलकाता

अनुभवी अभिनेता और राजनेता मिथुन चक्रवर्ती ने दावा किया है कि पश्चिम बंगाल में गुंडाराज यानी भीड़ का शासन हमेशा के लिए समाप्त हुआ है। दिवाली समारोह के दौरान मीडिया से बात कर उन्होंने राज्य में विपक्ष द्वारा भीड़ के शासन के बढ़ने के दावों का स्पष्ट रूप से खंडन किया। अभिनेता और राजनेता चक्रवर्ती ने कहा कि विपक्ष के पास अब कोई ठोस मुद्दा नहीं है, इसलिए वे भीड़ के शासन का मुद्दा उठा रहे हैं। उन्होंने सवाल किया, हम लोगों ने 15 साल तक क्या सहा है? मैं इसके बारे में क्या कह सकता हूं? वे कह रहे हैं कि गुंडे राज कर रहे हैं। क्या आपने कभी ऐसी आजादी देखी है? आप सवाल क्यों उठा रहे हैं? यह होना ही है। यह दिखाता है कि वह मौजूदा स्थिति को पहले से बेहतर मानते हैं। राजनेता चक्रवर्ती ने विपक्ष पर हमला कर कहा कि उनके लिए अब कुछ नहीं बचा है, और कालीघाट तृणमूल जैसी चीजें खत्म हो गई हैं। उन्होंने कहा, सब खत्म हो गया है, महोदय। हालांकि, उनका यह बयान राज्य में बढ़ती भीड़ हिंसा के दावों के बीच आया है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने पश्चिम मेदिनीपुर और दक्षिण 24 परगना जैसे ग्रामीण इलाकों में भीड़ द्वारा धमकाने, चर्चों में तोड़फोड़ और अंतिम संस्कार के अधिकारों से वंचित करने जैसे उत्पीड़न के कई मुद्दे उठाए हैं।

ईरान की धमकी के बीच अमेरिकी वित्त सचिव बेसेंट को घर से मिलिट्री बेस ले जाया गया

एजेंसी, वाशिंगटन (अमेरिका)

ईरान से मिली जान से मारने की धमकी के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका के वित्त सचिव स्कॉट बेसेंट हाल ही में अपना घर छोड़कर एक मिलिट्री बेस पर चले गए हैं। यह जानकारी रखने वाले तीन लोगों ने अपनी पहचान न उजागर करने की शर्त पर यह संवेदनशील जानकारी दी। बताया गया है कि हाल के हफ्तों में अमेरिकी अधिकारियों ने यह निष्कर्ष निकाला है कि मौजूदा और पूर्व अमेरिकी अधिकारियों के खिलाफ ईरान की साजिशें अब और गंभीर चरण में पहुंच गई हैं। इसमें बेसेंट को मिली धमकी से जुड़ी खुफिया जानकारी भी शामिल है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में यह रहस्योद्घाटन करते हुए बताया गया है कि अगस्त से बेसेंट एक ऐसे आर्थिक दबाव अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं, जिसका मकसद ईरान को कड़े प्रतिबंधों और व्यापार मार्गों पर रोक लगाकर आर्थिक रूप से अलग-थलग करना है। इन लोगों के अनुसार, इस भूमिका की वजह से वह प्रशासन के उन अधिकारियों में शामिल हो गए हैं, जिन्हें ईरान सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाना चाहता है। उन्हें मिली धमकियां कितनी गंभीर हैं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि अमेरिका और विदेश में बड़े पैमाने पर हमले करने की ईरान की क्षमता सीमित है। लेकिन, ईरान की ओर से कुछ खास लोगों को निशाना बनाने की ऐसी धमकी भी मिली हैं जिन्हें अमेरिकी अधिकारी गंभीर मानते हैं। उदाहरण के लिए, 2024 के चुनाव प्रचार के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या की साजिश रची गई थी। वित्त विभाग के एक प्रवक्ता ने अपने बयान में कहा कि बेसेंट ईरानी शासन की धमकियों से डरने वाले नहीं हैं। वह ईरान की अर्थव्यवस्था पर दबाव डालने वाले अभियान को जारी रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स का मानना है कि बेसेंट ट्रंप प्रशासन के ऐसे नवीनतम वरिष्ठ अधिकारी हैं, जिन्होंने वाशिंगटन क्षेत्र स्थित अपना घर छोड़कर किसी सैन्य अड्डे या अन्य सुरक्षित आवास में जाना चुना है। पिछले साल कम से कम आधा दर्जन अधिकारियों ने ऐसा ही किया था।



प्रधानमंत्री मोदी समेत कई नेताओं ने दी भाई दूज की शुभकामनाएं

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भाई दूज के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और सभी के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को एक्स पर पोस्ट कर देशभर के लोगों को भाई दूज की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पावन पर्व भाई-बहन के स्नेहपूर्ण एवं प्रगाढ़ रिश्ते की मिठास और आत्मीयता का प्रतीक है। उन्होंने इस शुभ अवसर पर सभी के जीवन में प्रसन्नता और संपन्नता की कामना की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भाई दूज को भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और अनमोल रिश्ते को समर्पित पर्व बताते हुए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह त्योहार पारिवारिक रिश्तों की आत्मीयता और एक-दूसरे के प्रति स्नेह, सम्मान एवं जिम्मेदारी के भाव का स्मरण कराता है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि हर भाई-बहन का रिश्ता प्रेम और विश्वास से सदैव मजबूत बना रहे तथा उनके जीवन में सुख, स्वास्थ्य, खुशहाली और समृद्धि बनी रहे। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भी समस्त देशवासियों को भाई दूज की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भाई-बहन के पवित्र स्नेह का यह पर्व सभी के जीवन में खुशियां और उमंग लेकर आए।

नौसेना के युद्धपोत बेतवा की मरम्मत 500 करोड़ रुपये से होगी, युद्धक क्षमता बढ़ेगी

एजेंसी, नई दिल्ली

पिछले एक दशक में कई दुर्घटनाओं का शिकार हुए भारतीय नौसेना के पोत आईएनएस बेतवा की मरम्मत कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में कराई जाएगी। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में 498.58 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। ब्रह्मपुत्र श्रेणी के इस युद्धपोत की प्रणोदन प्रणाली में व्यापक बदलाव किया जाएगा।

मरम्मत के बाद आधुनिक हथियार प्रणाली के माध्यम से पोत की युद्धक क्षमता बढ़ेगी। इस परियोजना से जहाजों की मरम्मत एवं रखरखाव से जुड़े स्वदेशी औद्योगिक तंत्र की क्षमताएं और सुदृढ़ होंगी। विशेष रूप



से इससे जटिल प्रणोदन प्रणाली में बदलाव तथा नौसैनिक प्लेटफॉर्म के आधुनिकीकरण के क्षेत्र में देश की तकनीकी और औद्योगिक क्षमताओं को बढ़ावा मिलेगा। इस परियोजना में 50 से अधिक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की भागीदारी होने की उम्मीद है। साथ ही भारतीय जहाज निर्माण उद्योग और उससे जुड़े सहायक क्षेत्रों में रोजगार के पर्याप्त अवसर सृजित होंगे। यह परियोजना सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' के विजन को नई गति प्रदान करेगी तथा देश की स्वदेशी नौसैनिक पोत मरम्मत एवं रखरखाव क्षमताओं को और मजबूत करेगी।

इजराइल-लेबनान संघर्ष शुरू होने के समय 2006 में बेतवा युद्धपोत टास्क फोर्स 54 का हिस्सा था, जो भूमध्य सागर से लौट रहा था। ऑपरेशन सुकून के एक हिस्से के रूप में बेतवा ने लेबनान से साइप्रस तक भारतीय नागरिकों को निकालने में भाग लिया। उसके बाद यह जहाज कई बार दुर्घटनाओं का शिकार हुआ। ब्रह्मपुत्र श्रेणी का यह युद्धपोत 4 जनवरी, 2014 को पानी के नीचे एक अज्ञात वस्तु से टकरा गया और सोनार गुंबद में दरार आ गई, जिससे संवेदनशील उपकरणों में समुद्र का खारा पानी प्रवेश कर गया था। इसके बाद 5 दिसंबर, 2016 को बेतवा मुंबई में नौसेना डॉकयार्ड में क्रूजर ग्रेविंग डॉक के अंदर रिफिट मरम्मत के दौरान रिफ्लोटिंग और अनडॉकिंग करते समय सपोर्ट ब्लॉक से फिसल गया और अपने बंदरगाह की तरफ गिर गया, जिससे 2 नाविकों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। जहाज का मुख्य मस्तूल भी क्षतिग्रस्त हो गया था।

आइसेनकोट ने नेतन्याहू के भाषण को नफरत भरा बताया, अरब पार्टियों ने उन्हें नस्लवादी ठहराया

एजेंसी, यरुशलम (इजराइल)

कार्यवाहक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार रात नई नेसेट (संसद) में तीखा भाषण दिया। उनके भाषण को नई सरकार बनाने जा रहे 'यशार' पार्टी के नेता गादी आइसेनकोट ने "नफरत से भरा" करार दिया। अरब पार्टियों ने तंज कसते हुए उन्हें नस्लवादी ठहराया। बेंजामिन नेतन्याहू ने 'राष्ट्रीय एकता सरकार' बनाने का आह्वान किया। साथ ही अरब पार्टियों पर इजराइल को नष्ट करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। अपने राजनीतिक विरोधियों को चेतावनी दी कि वे सरकार बनाने के लिए अरब पार्टियों के समर्थन पर निर्भर न रहें। द टाइम्स ऑफ इजराइल



और द यरुशलम पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, गादी आइसेनकोट ने कहा कि नेतन्याहू का भाषण यह साबित करता है कि वे इस पद पर बने रहने के लायक नहीं हैं। अरब सांसदों ने कहा कि उनके भाषण ने उन्हें नेतन्याहू को सत्ता से हटाने के लिए और भी अधिक दृढ़ बना दिया है। पिछले महीने हुए चुनाव में संसदीय बहुमत खोने के बाद और राष्ट्रपति इसाक हर्जोग के आइसेनकोट को सरकार बनाने का जनादेश सौंपे जाने के बाद नेतन्याहू ने अपने भाषण में वही पुराना अभियान जारी रखा जो उन्होंने चुनाव के दौरान चलाया था। उन्होंने अरब पार्टियों को अवैध ठहराने और उन्हें आतंकवाद का समर्थक बताने की कोशिश की। भाषण के दौरान विपक्षी सांसदों ने बार-बार नेतन्याहू को टोका। उन्होंने नेतन्याहू के सहयोगियों के कतर के साथ कथित संबंधों पर जवाब मांगा और 7 अक्टूबर, 2023 को हमास के नरसंहार की जांच के लिए एक सरकारी आयोग गठित करने से इनकार करने पर सवाल उठाए। नई नेसेट के शपथ ग्रहण के बाद नेतन्याहू ने अपना भाषण शुरू किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ईरान के साथ दो युद्ध लड़ने के बावजूद इजराइल को अभी भी खतरा बना हुआ है। नेतन्याहू ने कहा, "ईरान के परमाणु कार्यक्रम से पैदा हुए तत्काल अस्तित्व के खतरे को टालने के बाद वह अब इस कार्यक्रम को फिर से शुरू करने की कोशिश कर रहा है।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवात बनने की आशंका, मछुआरों को 12 नवंबर तक तट पर लौटने का निर्देश

एजेंसी, चेन्नई

दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में 13 नवंबर को कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके अगले 24 घंटे में उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए और मजबूत होकर गहरे कम दबाव के क्षेत्र में बदलने का अनुमान है। इसके चक्रवात में तब्दील होने की आशंका को देखते हुए तमिलनाडु के मत्स्य पालन एवं मछुआरा कल्याण विभाग ने मछुआरों को 12 नवंबर की रात तक समुद्र से लौटकर तट पर पहुंचने का निर्देश दिया है। चेन्नई क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्वानुमान के आधार पर विभाग ने मछुआरों के लिए चेतावनी जारी की है। इसमें समुद्र में मछली पकड़ने जाने से बचने और गहरे समुद्र में मौजूद नौकाओं को निर्धारित समय तक वापस लौटने की सलाह दी गई है। सभी मछली पकड़ने वाली नौकाओं को अपने संबंधित मछली पकड़ने के बंदरगाहों पर सुरक्षित स्थानों पर खड़ा करने का निर्देश दिया गया है। विभाग के अनुसार, 13 नवंबर से अगले आदेश तक मछली पकड़ने वाली नौकाओं को अनुमति टोकन जारी नहीं किए जाएंगे।

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

संक्षिप्त समाचार

अवैध कोयला लदे वाहन मामले में मधुपुर थाना प्रभारी निलंबित



देवघर। मधुपुर थाना क्षेत्र में अवैध कोयला लदा वाहन पकड़े जाने के मामले में पुलिस प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी इंस्पेक्टर राजीव कुमार को निलंबित कर दिया है। पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई की पुष्टि देवघर के पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर ने की है। एसपी के अनुसार, कर्तव्य निर्वहन में लापरवाही और थाना क्षेत्र की कानून-व्यवस्था को प्रभावी ढंग से संभालने में चूक के कारण राजीव कुमार के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। निलंबन तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। इस कार्रवाई के बाद मधुपुर क्षेत्र में अवैध कोयला कारोबार पर नियंत्रण को लेकर पुलिस की जवाबदेही और आगे की कार्रवाई पर नजर रहेगी।

छठ घाट की सफाई में जुटे कोवाली थाना के पुलिस जवान



पूर्वी सिंहभूम। छठ महापर्व को लेकर हल्दीपोखर स्थित प्रसिद्ध छठ घाट की तैयारियों के बीच बुधवार को कोवाली थाना के पुलिस जवानों ने श्रमदान कर सफाई की। वर्दी में ड्यूटी निभाने के साथ जवानों ने झाड़ू और कटारी लेकर घाट परिसर तथा आसपास उगी झाड़ियों को हटाया। रास्तों और स्नान स्थल के आसपास बिखरे कचरे व प्लास्टिक को भी एकत्र कर साफ किया, ताकि व्रतियों और श्रद्धालुओं को पूजा के दौरान परेशानी न हो। पुलिस जवानों की इस पहल से घाट परिसर अधिक स्वच्छ और व्यवस्थित नजर आया। स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं ने पुलिसकर्मियों के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि सुरक्षा व्यवस्था के साथ सामाजिक जिम्मेदारी निभाने की यह पहल सराहनीय है। जवानों ने श्रमदान के जरिए स्वच्छता और सामूहिक सहभागिता का संदेश दिया।

पूर्व डीएसपी अंजनी कुमार तिवारी का निधन, पुलिस महकमे में शोक



जमशेदपुर। पूर्व डीएसपी अंजनी कुमार तिवारी का बुधवार सुबह टीएमएच में इलाज के दौरान निधन हो गया। वे किडनी संबंधी बीमारी से पीड़ित थे और 28 सितंबर से अस्पताल में भर्ती थे। बुधवार सुबह 8:20 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से पुलिस महकमे और शहर में शोक है। अंजनी कुमार तिवारी 31 दिसंबर 2025 को जमशेदपुर पीसीआर डीएसपी के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। अपने लंबे पुलिस करियर में उन्होंने साकची थाना सहित जमशेदपुर के कई थानों में थाना प्रभारी की जिम्मेदारी संभाली। इसके अलावा सीआईडी और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) में भी सेवाएं दीं। पुलिस विभाग में उन्हें अनुशासित और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी के रूप में जाना जाता था। वे पत्नी रजनी पांडे और तीन पुत्रियों श्वेता, अंकित व निधि को छोड़ गए हैं। पारिवारिक जानकारी के अनुसार, 12 नवंबर को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक मानगो के डिमना रोड स्थित संजय पथ, सुंदर गार्डन के डुप्लेक्स संख्या 1ए आवास पर उनका पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। दोपहर एक बजे पार्वती घाट पर अंतिम संस्कार किया जाएगा। उनके निधन पर पुलिस अधिकारियों, सहकर्मियों और शहर के लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त की है।

राजू तिर्की को पुलिस ने उठाया, हथियार और बॉडीगार्ड का कर रही सत्यापन

पलामू। जिले के पांकी-मेदिनीनगर मुख्य पथ पर बसौरा इंजीनियरिंग कॉलेज के पास बुधवार को अश्विनी अमृततुल्य चाय दुकान के ग्रैंड ओपनिंग समारोह में उस समय अचानक अफरा-तफरी मच गई, जब कई थानों की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बड़ी कार्रवाई की। पुलिस की कार्रवाई से उद्घाटन समारोह का माहौल अचानक बदल गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे राजू तिर्की को पुलिस अपने साथ थाने ले गई। इतना ही नहीं, दोनों अतिथियों के काफिले में शामिल गाड़ियों, हथियारों और हथियारबंद सुरक्षा गार्ड को भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया। पुलिस की इस संयुक्त कार्रवाई को देखकर वहां मौजूद लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। कार्यक्रम में वरुण जायसवाल, मनोज सिंह चेरो, पूर्णाडीह पंचायत की मुखिया गुड़ी देवी पप्पू यादव विशाल गिरी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे। शहर थाना प्रभारी ज्योति लाल रजवार ने बताया कि राजू तिर्की को थाना लाया गया है। उसके पास से मिले लाइसेंसी हथियार का वेरिफिकेशन किया जा रहा है। बॉडीगार्ड की भी जांच की जा रही है। शुरूआती जांच में बॉडीगार्ड उत्तर प्रदेश के निवासी पाए गए हैं। किनके आदेश पर उन्हें बॉडीगार्ड रखा गया है। उनकी गतिविधि क्या है। चरित्र कैसा है इसका सत्यापन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में राजू तिर्की की गतिविधि की भी जांच की जा रही है।

जमानत पर छूटे आदतन अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखेगी रांची पुलिस

राष्ट्रीय मुख्यधारा



रांची। राजधानी में आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए रांची पुलिस ने जमानत पर जेल से बाहर आए आदतन अपराधियों की निगरानी तेज करने का निर्णय लिया है। इसके तहत थाना स्तर पर विशेष सत्यापन अभियान चलाया जाएगा। लगातार अपराध में संलिप्त रहे लोगों को चिह्नित कर उनका बैड कैरेक्टर रजिस्टर अपडेट किया जाएगा और आपराधिक इतिहास के आधार पर निगरानी प्रस्ताव तैयार किए जाएंगे। बुधवार को सिटी एसपी पारस राणा और ग्रामीण एसपी ने जिले के सभी डीएसपी और थाना प्रभारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इसमें सक्रिय और आदतन अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखने तथा उनका रिकॉर्ड व्यवस्थित और अद्यतन रखने का निर्देश दिया गया। खास तौर पर चोरी, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस, अवैध शराब और जुआ से जुड़े मामलों में जेल जा चुके और फिलहाल जमानत पर बाहर रह रहे अपराधियों का सत्यापन किया जाएगा। पुलिस इन अपराधियों के वर्तमान ठिकाने, आजीविका के साधन और गतिविधियों की जानकारी जुटाएगी। उनके और करीबी संपर्कों के फोन नंबर भी रिकॉर्ड में दर्ज किए जाएंगे। आपराधिक इतिहास और मौजूदा गतिविधियों के आधार पर विधिसम्मत निगरानी प्रस्ताव तैयार करने को कहा गया है। जमानत पर बाहर आने के बाद दोबारा संदिग्ध या आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाए जाने वालों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में सभी थाना क्षेत्रों में नियमित गश्ती बढ़ाने, वारंटियों और लंबे समय से फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाने तथा लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन करने का भी निर्देश दिया गया। अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस का सूचना तंत्र मजबूत करने पर भी जोर दिया गया।

शराब के नशे में विवाद के बाद पति की हत्या, पत्नी और बेटा गिरफ्तार



राष्ट्रीय मुख्यधारा

पलामू। पांकी थाना क्षेत्र के ढूब गांव में गुनी भूइयां हत्याकांड का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्या के आरोप में मृतक की पत्नी मनतोरवा देवी और बेटे कैलू भूइयां को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल धारदार हथियार भी बरामद किया गया है। लेस्लीगंज एसडीपीओ प्रशांत कुमार और पांकी थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह के अनुसार, गुनी भूइयां शराब पीने का आदी था। घटना के दिन वह पत्नी मनतोरवा देवी के साथ बाजार गया था। इसी दौरान दोनों के बीच विवाद हुआ। सोमवार की रात घर लौटने के बाद भी कहासुनी जारी रही। पुलिस के मुताबिक, गुनी ने रसोई में खाना बनाने की जगह पर शौच कर दिया, जिससे विवाद बढ़ गया। आरोप है कि गुस्से में मनतोरवा देवी ने धारदार हथियार से उस पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस वारदात में बेटे कैलू की भी संलिप्तता बताई गई है। घटना के बाद मां-बेटे फरार हो गए थे। पुलिस ने छानबीन और गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर दोनों को गिरफ्तार किया। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सड़क निर्माण में रंगदारी मांगने का आरोपित तीन साल बाद गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा



बोकारो। एनएच-32 से चिकसिया गांव तक सड़क निर्माण कार्य में रंगदारी मांगने के मामले में चास मुफस्सिल पुलिस ने प्राथमिकी के आरोपित हरे कृष्ण शर्मा को गिरफ्तार किया है। चिकसिया निवासी हरे कृष्ण शर्मा को 10 नवंबर की शाम उसके घर से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बुधवार को उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस के अनुसार, एक अगस्त 2023 को इस संबंध में शिकायत मिलने पर चास मुफस्सिल थाना कांड संख्या 132/2023 दर्ज किया गया था। प्राथमिकी में हरे कृष्ण शर्मा पर सड़क निर्माण कार्य से जुड़े लोगों से रंगदारी मांगने का आरोप लगाया गया था। उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 386, 504 और 506 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तारी के लिए कई बार छापेमारी की गई, लेकिन वह फरार था। इसके बाद न्यायालय से उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी हुआ था। छापेमारी दल में चास मुफस्सिल थाना प्रभारी प्रकाश मंडल, पुलिस अवर निरीक्षक मो. मोजम्मील, मो. मकसूद अहमद, सहायक अवर निरीक्षक महेश कुमार, श्रवण कुमार रवि और आरक्षी पुनित कुमार पासवान शामिल थे।

करगली वाशरी में चोरी की कोशिश नाकाम, एक गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा



बोकारो। बेरमो थाना क्षेत्र स्थित करगली वाशरी में मोटर और लोहे के स्क्रैप की चोरी की कोशिश को सीआईएसएफ ने नाकाम कर दिया। इस दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया, जबकि उसके तीन साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। मौके से चोरी के लिए जुटाई गई स्क्रैप सामग्री और मोटर भी बरामद की गई है। सीआईएसएफ सीसीएल करगली के कमांडेंट राज प्रताप सिंह को मंगलवार रात वाशरी क्षेत्र में चोरी की योजना की सूचना मिली थी। उनके निर्देश पर क्राइम शाखा, क्विक रिएक्शन टीम (क्यूआरटी) और स्ट्राइकिंग रिजर्व के जवानों ने संदिग्ध इलाके में एम्बुश लगाया। 11 नवंबर की रात करीब 11 बजे वाशरी स्टोर की पिछली दीवार की ओर से तोड़फोड़ की आवाज सुनाई दी। जवानों ने तलाशी शुरू की तो चार लोग दीवार में सेंधमारी कर अंदर घुसने की कोशिश करते मिले। सीआईएसएफ की कार्रवाई के दौरान तीन लोग अंधेरे और झाड़ियों का फायदा उठाकर भाग निकले, जबकि लोहे का शॉवल लेकर भाग रहा एक व्यक्ति गिर पड़ा और जवानों ने उसे पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कल्याणी, बेरमो निवासी करण तिवारी के रूप में हुई है। पूछताछ में उसने अपने साथियों के नाम पिछरी निवासी दिलीप मिश्रा और ऋषि मिश्रा तथा करगली निवासी धनंजय मंडल बताए। सीआईएसएफ ने गिरफ्तार आरोपी और बरामद सामान को आगे की कार्रवाई के लिए बेरमो थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

10 लाख का इनामी माओवादी संजय यादव न्यायिक हिरासत में भेजा गया

राष्ट्रीय मुख्यधारा





पलामू। प्रतिबंधित भाकपा माओवादी संगठन के 10 लाख रुपये के इनामी जोनल कमांडर संजय यादव उर्फ संजय गोदराम उर्फ बुधराम को दो दिनों की पुलिस रिमांड के बाद बुधवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पूछताछ के दौरान उसकी निशानदेही पर हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के केमो-दुधिया जंगल में जमीन के नीचे छिपाकर रखे गए हथियार और भारी मात्रा में कारतूस बरामद किए गए। बरामदगी में एक एसएलआर राइफल, 7.62 एमएम के 140 और थ्री नॉट थ्री के 150 जिंदा कारतूस, तीन खाली मैगजीन, राइफल का बट और मैगजीन पाउच शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, महाराष्ट्र एटीएस ने छह नवंबर को ठाणे के एक खटाल से संजय यादव को हिरासत में लिया था। सूचना मिलने पर पलामू पुलिस की टीम उसे ट्रांजिट रिमांड पर लेकर आई। नौ नवंबर को न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद पिपरा थाना पुलिस ने 10 नवंबर को उसे दो दिनों की रिमांड पर लिया था। रिमांड अवधि पूरी होने पर बुधवार को फिर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। एसपी कपिल चौधरी ने बताया कि छतरपुर के देवगन निवासी 45 वर्षीय संजय यादव के खिलाफ झारखंड और बिहार में कुल 63 आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें पलामू के 32, औरंगाबाद के 20, गया के 10 और गढ़वा का एक मामला शामिल है। झारखंड सरकार ने उस पर 10 लाख और बिहार सरकार ने तीन लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। पुलिस के मुताबिक, वह करीब 15 वर्षों तक माओवादी संगठन से जुड़ा रहा और जोनल कमांडर नितेश यादव के दस्ते में शामिल था। लगभग एक महीने पहले संगठन छोड़कर काम की तलाश में मुंबई चला गया था। वहां कपड़ा फैक्ट्री में काम मिलने के बाद तकनीकी जानकारी के अभाव में नौकरी छूट गई। इसके बाद वह ठाणे के खटाल में रह रहा था। पुलिस ने संजय यादव का नाम हत्या, पुलिस बल पर हमले, लेवी वसूली, वाहनों और प्रतिष्ठानों में आगजनी समेत कई गंभीर घटनाओं में बताया है। इनमें वर्ष 2016 में छतरपुर के कालापहाड़ में विस्फोट के बाद पुलिस बल पर हुई फायरिंग की घटना भी शामिल है, जिसमें सात पुलिसकर्मी शहीद हुए थे। वर्ष 2014 में विश्रामपुर के छोटकी कौड़िया में टीपीसी के 15 सदस्यों की हत्या, 2019 में हरिहरगंज में भाजपा कार्यालय विस्फोट और पिपरा बाजार में झामुमो प्रखंड अध्यक्ष मोहन गुप्ता की हत्या सहित कई मामलों में भी उसकी संलिप्तता का आरोप है। पुलिस के अनुसार, 2020 में चपरवार गांव के क्रेशर प्लांट में कर्मियों को बंधक बनाकर मारपीट करने और 11 वाहनों में आग लगाने की घटना में भी उसका नाम आया था। इसके अलावा 2023 से 2025 के बीच लेवी मांगने, निर्माण कार्य में बाधा डालने, वाहनों और मशीनों में आग लगाने तथा पुलिस के साथ मुठभेड़ की घटनाओं में भी उसकी संलिप्तता बताई गई है। पुलिस इन मामलों में उसकी भूमिका की जांच कर रही है।

नाबालिग को शादी का झांसा देकर ले जाने और शोषण का आरोपी गिरफ्तार



राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़। नाबालिग लड़की को शादी का झांसा देकर घर से ले जाने और उसका शारीरिक शोषण करने के आरोप में मुफस्सिल थाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के शमशेरगंज थाना क्षेत्र का निवासी है। पुलिस के अनुसार, मामले में मुफस्सिल थाना कांड संख्या 173/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। आरोप है कि युवक नाबालिग को शादी का झांसा देकर अपने साथ ले गया और बाद में उसका शारीरिक शोषण किया। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश में छापेमारी की और उसे गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

कमलपुर में अवैध शराब के खिलाफ पुलिस की छापेमारी, 286 बोतल विदेशी शराब बरामद; दुकानदार गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा || बृजराज सिंह



जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले के कमलपुर थाना क्षेत्र में अवैध शराब की खरीद-बिक्री के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 286 बोतल विदेशी शराब बरामद की है। पुलिस ने मौके से दुकानदार गणेश महतो को गिरफ्तार किया है। बरामद शराब की अनुमानित बाजार कीमत करीब 70 हजार रुपये बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, वरीय पुलिस अधीक्षक डॉ. एहतेशाम वकारिब को गुप्त सूचना मिली थी कि बंकुचिया गांव स्थित बंकुचिया मोड़ पर गणेश महतो की गुमटी में अवैध रूप से विदेशी शराब की बिक्री की जा रही है और लोगों को बैठाकर शराब पिलाई जाती है। सूचना के आधार पर कमलपुर थाना प्रभारी धनंजय कुमार पासवान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 10 नवंबर 2026 की शाम करीब 7:30 बजे गुमटी में छापेमारी की। इस दौरान गुमटी के पीछे बने कमरे से विभिन्न ब्रांड की कुल 10 पेटी विदेशी शराब बरामद की गई। बरामद शराब में रॉयल चैलेंज, आइकॉनिक व्हाइट, स्टर्लिंग रिजर्व और ओल्ड मोंक जैसे ब्रांड शामिल हैं। कुल 286 बोतलों में 62.985 लीटर शराब जब्त की गई। इसके अलावा मौके से आधी इस्तेमाल की गई शराब की दो बोतलें, पानी की दो बोतलें और छह डिस्पोजेबल गिलास भी बरामद हुए। पुलिस ने जब दुकानदार गणेश महतो से शराब बिक्री से संबंधित लाइसेंस और वैध कागजात मांगे तो वह कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में कमलपुर थाना कांड संख्या 21/2026, दिनांक 10 नवंबर 2026 के तहत बीएनएस की धारा 275/292 एवं उत्पाद अधिनियम 1915 की धारा 47(ए) के तहत मामला दर्ज किया गया है। छापेमारी दल में थाना प्रभारी धनंजय कुमार पासवान और पुलिस अवर निरीक्षक पुरुषोत्तम कुमार राय सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

खासमहल-कारो पहाड़ी पर सीसीएल और सीआईएसएफ का बड़ा एक्शन, पांच अवैध सुरंगे जमींदोज

राष्ट्रीय मुख्यधारा



बोकारो थर्मलः बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र के सीसीएल बोकारो-करगली प्रक्षेत्र के अंतर्गत खासमहल और कारो स्पेशल फेज-दो परियोजना की पहाड़ी पर सक्रिय अवैध कोयला कारोबारियों के खिलाफ बुधवार को सीसीएल बीएंडके एरिया और सीआईएसएफ ने बेहद कड़ा रुख अख्तियार किया। लंबे समय से धड़ल्ले से चल रहे अवैध खनन के खेल पर आखिरकार विभाग की नींद खुली और बुधवार को सीसीएल सुरक्षा बल, सीआईएसएफ के अधिकारियों-जवानों तथा बोकारो थर्मल थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से भारी कार्रवाई करते हुए कारो स्पेशल फेज-दो की पहाड़ी पर स्थित पांच अवैध कोयला खदानों को जेसीबी से डोजरिंग करवाकर पूरी तरह भरवा दिया।

विदित हो कि इसी साल मार्च के महीने में भी इन पांचों अवैध कोयला खदानों को भरवाने का काम किया गया था, लेकिन खनन माफियाओं की दबंग देखिए कि जेसीबी से खदानें बंद किए जाने के कुछ ही दिनों बाद उन्हें फिर से खोदकर अवैध उत्खनन का काला कारोबार दोबारा शुरू कर दिया गया था। खास बात यह है कि खासमहल परियोजना पदाधिकारी के आवास से महज आधा किलोमीटर की दूरी पर ये अवैध सुरंगें संचालित हो रही थीं, जहां माफिया पूरी तरह बेखौफ नजर आ रहे थे। इन सुरंगों की गहराई और दायरा इतना अधिक था कि तस्कर अपनी मोटरसाइकिल लेकर सीधे खदान के अंदर तक चले जाते थे और बोरियों में कोयला लादकर बेधड़क बाहर निकलते थे। बुधवार को जब संयुक्त टीम जेसीबी लेकर डोजरिंग करने मौके पर पहुँची, तो हैरान करने वाली बात यह सामने आई कि एक खदान के मुहाने पर कोयले का चूल्हा जल रहा था और अंदर खाना बनाने के बर्तन व पका हुआ भोजन रखा हुआ था, जिससे साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि शातिर अपराधी वहां किस हद तक सक्रिय थे। इस तरह के खतरनाक अवैध उत्खनन से क्षेत्र में कभी भी किसी बड़े हादसे या चाल धंसने से भीषण जनहानि की आशंका बनी हुई थी।

जीएम के निर्देश पर हुई कार्रवाई, आज भी जारी रहेगा अभियान- सीसीएल बोकारो-करगली के महाप्रबंधक को यह गुप्त सूचना मिली थी कि कारो स्पेशल फेज-दो के पहाड़ी इलाकों में आधा दर्जन से अधिक अवैध खदानें धड़ल्ले से संचालित हो रही हैं। जीएम के कड़े निर्देशों के बाद सीसीएल के सिक्योरिटी इंचार्ज जटलू महतो, सीआईएसएफ के सहायक उपनिरीक्षक मिलन कुमार राय, प्रताप शंकर और भारी संख्या में सुरक्षा बल के जवान मौके पर पहुंचे। वहीं, बोकारो थर्मल थाना के एएसआई कृष्णा उरांव भी पुलिस बल के साथ पूरी मुस्तैदी से डटे रहे। सुरक्षा बलों ने भारी मशक्कत के बाद एक-एक कर सभी पांचों अवैध सुरंगों को जेसीबी के जरिए पूरी तरह जमींदोज करवा दिया। सुरक्षा अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इन खदानों से बड़े पैमाने पर अवैध तरीके से कोयला निकालकर मोटरसाइकिलों के जरिए पेंक नारायणपुर थाना क्षेत्र के ऊपरघाट स्थित विभिन्न कोल डिपो में खपाया जा रहा था। अधिकारियों ने यह भी चेतावनी दी है कि कारो स्पेशल फेज-दो की पांच नंबर और न्यू तीन नंबर खदान को भी गुरुवार को डोजरिंग कर पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा।

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

पारदर्शी कार्यप्रणाली और सत्यनिष्ठा से ही मजबूत होगी औद्योगिक साख : सेल सीवीओ

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) में 17 अगस्त से 16 नवंबर 2026 तक चलाए जा रहे तीन माह के विशेष निवारक सतर्कता अभियान के अंतर्गत पारदर्शिता और नैतिक कार्यसंस्कृति को नई धार देने के लिए बुधवार को बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) में एक उच्चस्तरीय संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। सेल के मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) दिलीप कुमार ने बीएसएल की निविदा एवं क्रय समिति के सदस्यों, संविदा कार्यों से जुड़े पदाधिकारियों, प्लानिंग इंजीनियर्स तथा इंजीनियर इंचार्ज के साथ विस्तृत समूह संवाद किया। बीएसएल के लर्निंग एंड डेवलपमेंट (एल एंड डी) सेंटर स्थित मुख्य सभागार में आयोजित



इस महत्वपूर्ण सत्र में निविदा और खरीद प्रक्रियाओं को त्रुटिहीन व जवाबदेह बनाने पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ बोकारो स्टील प्लांट की अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी द्वारा सभागार में मौजूद सभी अधिकारियों और कर्मियों को कार्यस्थल सुरक्षा की शपथ दिलाने के साथ हुआ। इसके उपरांत सेल के मुख्य सतर्कता अधिकारी दिलीप कुमार ने सभी उपस्थित जनों को सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और नियमों के पूर्ण अनुपालन की शपथ दिलाई। इस अवसर पर बीएसएल के विभिन्न विभागों के अधिशासी निदेशकगण, मुख्य महाप्रबंधकगण एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी प्रमुख रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम में सेल कॉरपोरेट सतर्कता विभाग के मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी के साथ बीएसएल के मुख्य महाप्रबंधक

- **बीएसएल अधिकारियों के साथ किया सीधा संवाद, ली गई शपथ**

(सतर्कता) एवं सहायक मुख्य सतर्कता अधिकारी (एसीवीओ) भी विशेष रूप से शामिल हुए।

संवाद सत्र के दौरान संयंत्र के परिचालन और परियोजनाओं से जुड़ी निविदा प्रक्रिया, क्रय संबंधी कार्यों तथा संविदा प्रबंधन के विभिन्न व्यावहारिक पहलुओं पर बिंदुवार मंथन किया गया। इस मंच के माध्यम से फील्ड में काम करने वाले अभियंताओं और क्रय अधिकारियों को मुख्य सतर्कता अधिकारी के समक्ष सीधे अपने विचार, जमीनी अनुभव, व्यावहारिक कठिनाइयां और रचनात्मक सुझाव साझा करने का खुला अवसर प्राप्त हुआ।

सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य सतर्कता अधिकारी ने स्पष्ट किया कि किसी भी बड़े सार्वजनिक उपक्रम की सफलता उसकी पारदर्शी कार्यप्रणाली पर टिकी होती है। उन्होंने निर्धारित नियमों एवं प्रक्रियाओं के सख्त अनुपालन तथा हर स्तर पर स्पष्ट जवाबदेही तय करने के महत्व पर बल दिया। निवारक सतर्कता (प्रिवेंटिव विजिलेंस) की अवधारणा को सुदृढ़ बनाने तथा दैनिक कामकाज में नैतिकता व सत्यनिष्ठा के उच्चतम मानदंडों को बनाए रखने की आवश्यकता को रेखांकित किया गया। इस पूरे आयोजन का मुख्य ध्येय निविदा, क्रय और संविदा प्रबंधन से जुड़ी व्यवस्थाओं को अधिक पारदर्शी, त्वरित और प्रभावी बनाना तथा संगठन में सतर्कता के प्रति सकारात्मक जागरूकता और नैतिक कार्यसंस्कृति को जड़ से मजबूत करना रहा।

बेकाबू ट्रेलर ने बाइक के उड़ाए परखच्चे, बाल-बाल बची युवक की जान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : जिले के पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-32 (एनएच-32) पर स्थित बेड़ानी मोड़ के समीप बुधवार शाम करीब चार बजे एक तेज रफ्तार व अनियंत्रित ट्रेलर ने सड़क किनारे होटल के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भयावह था कि बाइक ट्रेलर के अगले हिस्से के नीचे जा घुसी और उसके परखच्चे उड़ गए। गनीमत रही कि घटना के वक्त बाइक सवार युवक होटल के भीतर मौजूद था, जिससे एक बड़ा जानलेवा हादसा टल गया और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जयतारा निवासी रामपद बाउरी बुधवार शाम अपनी मोटरसाइकिल (पंजीकरण संख्या जेएच09एएल-8199) को बेड़ानी मोड़ स्थित बनर्जी मिष्ठान्न भंडार के बाहर सड़क किनारे खड़ा कर चाय पीने के लिए होटल के अंदर गए थे। चाय पीकर जैसे ही वह वापस अपनी बाइक की ओर लौटने लगे, ठीक उसी क्षण पुरुलिया की दिशा से आ रहा एक भारी ट्रेलर (पंजीकरण संख्या जेएच02एडी-3832) तेज रफ्तार के कारण चालक के नियंत्रण से बाहर हो गया। ट्रेलर अचानक गलत दिशा में मुड़ते हुए सीधे होटल के बाहर खड़ी बाइक पर चढ़ गया।

टक्कर की तेज आवाज और भयावह दृश्य देखकर मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोग व राहगीर अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इसी बीच मौके पर जुटी भीड़ और अफरा-तफरी का फायदा उठाकर ट्रेलर चालक वाहन छोड़कर फरार होने में सफल रहा। हादसे की सूचना मिलते ही पिंड्राजोरा थाना पुलिस दलबल के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलर और पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी बाइक को अपने कब्जे में लेकर जब्त कर लिया है। पुलिस वाहन के पंजीकरण नंबर के आधार पर ट्रेलर मालिक व फरार चालक की पहचान करने तथा आगे की विधिक कार्रवाई में जुट गई है।

निःशुल्क विद्यालय में सोल्लास मनेगी भगवान बिरसा की जयंती

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो: जन कल्याण सामाजिक संस्था की ओर से नगर के सेक्टर-12ए में संचालित बिरसा मुंडा निःशुल्क विद्यालय परिसर में संस्था के प्रभारियों और शिक्षकों की एक महत्वपूर्ण संयुक्त बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता जोगेंद्र प्रसाद कुशवाहा ने की। बैठक के दौरान संस्था के संस्थापक सह सचिव परशुराम राम ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 15 नवंबर को झारखंड राज्य स्थापना दिवस और भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को बेहद धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस पावन अवसर पर विद्यालय में कई विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसकी तैयारियों को लेकर रूपरेखा तैयार कर ली गई है। बैठक में आगामी आयोजनों को सफल बनाने के लिए शिक्षकों और प्रभारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। इस अवसर पर हरिशंकर प्रसाद सोनी, चंद्रेश्वर ठाकुर, ममता सिंह, गुड़िया देवी, विजय कुमार और अजय कुमार सहित अन्य शिक्षक और गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

अवैध कोयला लदी बाइक ने मेला देखने जा रही महिला को रौंदा, मौत

बोकारो थर्मल: बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र के ईंट भट्टा हरिजन टोला में मंगलवार की रात एक भीषण सड़क हादसे में 52 वर्षीय महिला की जान चली गई, जिससे पूरे इलाके में भारी आक्रोश फैल गया। हरिजन टोला निवासी रेवलाल सिंह अपनी पत्नी फुलमती देवी के साथ कंजकिरो में आयोजित काली पूजा का मेला देखने मंगलवार की रात्रि करीब 11 बजे जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार अवैध कोयला लदी बाइक ने फूलमति देवी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि महिला सड़क पर दूर जा गिरी और उसकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद अनियंत्रित बाइक से सारा अवैध कोयला सड़क पर बिखर गया, लेकिन शातिर बाइक चालक अंधेरे का फायदा उठाते हुए अपनी गाड़ी समेत मौके से फरार होने में सफल रहा।

घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने रात भर मृतका के शव को उसके घर में रखा और बुधवार की सुबह होते ही उचित मुआवजे की मांग को लेकर बोकारो थर्मल-नरकी मुख्य मार्ग को पूरी तरह जाम कर दिया। सड़क जाम की खबर मिलते ही सांसद प्रतिनिधि जितेंद्र यादव, जिला परिषद शहजादी बानो, जिप सदस्य प्रतिनिधि मंजूर आलम, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि सुनील महतो और सुनील टाइगर, पेटरवार की प्रमुख यशोदा देवी सहित कई गणमान्य जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे। जनप्रतिनिधियों ने शोकाकुल परिजनों से घटना की विस्तृत जानकारी ली और स्थानीय प्रशासन से पीड़ित परिवार के लिए सरकारी नियमानुसार उचित मुआवजे की तत्काल मांग की। सड़क जाम रहने के कारण मुख्य मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और लगभग दो घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा।

बेरमो एसडीएम मनोज कुमार और एसडीपीओ रविंद्र कुमार सिंह के निर्देश पर बोकारो थर्मल थाना के इंस्पेक्टर रोहित कुमार सिंह, एएसआई कृष्णा उरांव, दीपक कुमार पासवान और एएसआई रॉकी बाबा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और मृतका के परिजनों से बातचीत कर मामले को शांत कराया। इंस्पेक्टर ने आश्वासन दिया कि सरकार द्वारा घोषित 'हिट एंड रन' मामले में तय मुआवजा राशि चार लाख रुपये की प्रक्रिया जल्द पूरी कर परिजनों को भुगतान कर दिया जाएगा। साथ ही, बेरमो अंचलाधिकारी की ओर से तात्कालिक सहायता के रूप में घोषित 20 हजार रुपये की राशि भी तीन दिनों के भीतर मिल जाएगी। प्रशासन के इस आश्वासन के बाद जाम समाप्त हुआ। मृतका अपने पीछे तीन पुत्रियां और एक भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं।

बोकारो इस्पात नगर की सुरक्षा निजी एजेंसियों को सौंपने की तैयारी

बोकारो। बोकारो इस्पात नगर की सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव की तैयारी है। सेल प्रबंधन नगरीय क्षेत्र की सुरक्षा और संपत्तियों की निगरानी की जिम्मेदारी होमगार्ड के बजाय निजी सुरक्षा एजेंसियों को सौंपने पर विचार कर रहा है। इसका उद्देश्य शहर में बढ़ते अवैध अतिक्रमण पर अंकुश लगाने के साथ सुरक्षा व्यवस्था की लागत नियंत्रित करना है। प्रबंधन के अनुसार, बोकारो इस्पात नगर में आवास, जमीन, बिजली और पानी जैसे संसाधनों पर अवैध कब्जे से कंपनी को राजस्व का नुकसान हो रहा है। फिलहाल सुरक्षा और संपत्तियों की रक्षा के लिए बड़ी संख्या में होमगार्ड जवान तैनात हैं। इनके वेतन पर हर महीने 70 लाख रुपये से अधिक खर्च हो रहे हैं। इसके बावजूद अतिक्रमण की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो पाने को लेकर प्रबंधन नई व्यवस्था की तैयारी कर रहा है। निजी सुरक्षा एजेंसियों के चयन के लिए विभागीय प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इच्छुक एजेंसियों को 19 नवंबर 2026 तक आवेदन जमा करना होगा। हालांकि, नई व्यवस्था लागू होने की समय-सीमा और मौजूदा होमगार्ड जवानों की तैनाती को लेकर आगे की स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है।

छठ को लेकर घाटों की हुई सफाई



डुमरी: लोक आस्था एवं नेक नियम के चार दिवसीय छठ महापर्व को लेकर बुधवार को क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता आशीष जायसवाल टींकू ने इसरी बाजार के प्रमुख छठ घाटों की साफ-सफाई कराई। उन्होंने अरगाघाट बुढ़िया नदी छठ घाट, पम्पू तालाब छठ घाट और पंजाबी टोला के रास्ते की साफ-सफाई कराई। साथ ही जामतारा जमुनिया नदी छठ घाट की भी साफ-सफाई कराने की बात कही। श्री जायसवाल ने कहा कि सनातन संस्कृति में छठ महापर्व की एक अलग ही महत्ता और महिमा है। उन्होंने कहा कि वे अपने सामर्थ्य के अनुसार सामाजिक और धार्मिक कार्यों में हमेशा सहभागिता निभाते हैं। साथ ही समाज के दबे, कुचले, वंचितों और शोषितों के हक व अधिकार के लिए हमेशा संघर्षरत रहते हैं। क्योंकि नर की सेवा ही नारायण की सेवा है।

पेटरवार में श्रद्धा के साथ हुई भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना



पेटरवार। प्रखंड के पेटरवार पंचायत अंतर्गत गुरुजुवा स्थित मंदिर में भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ की गई। इस पावन अवसर पर परिवार के सभी सदस्यों ने एक साथ मिलकर विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की और भगवान चित्रगुप्त महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रद्धालुओं ने भगवान चित्रगुप्त के समक्ष शीश नवाकर परिवार की सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। साथ ही भगवान से प्रार्थना की कि उनका आशीर्वाद सदैव परिवार एवं समाज पर बना रहे।

सड़क हादसे में युवक की मौत, यशोदा देवी ने परिजनों को बंधाया ढांढ़स



राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरी: प्रखंड के मधगोपाली पंचायत के महुआटांड़ निवासी डेगलाल महतो के पुत्र दिलीप कुमार (28) की सड़क दुर्घटना में बुधवार को असामयिक निधन हो गया। सूचना पाकर आजसू विधानसभा प्रभारी यशोदा देवी रेफरल अस्पताल डुमरी पहुंचीं और शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढ़स बंधाया। उन्होंने संबंधित उच्चाधिकारियों से वार्ता कर पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा एवं सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। साथ ही आवश्यक प्रक्रिया पूरी कराते हुए शव का पोस्टमार्टम हेतु गिरिडीह भिजवाने की व्यवस्था कराई।

चित्रगुप्त महापरिवार ने धूमधाम से मनाई चित्रगुप्त पूजा, खिचड़ी भोज में उमड़े समाज के लोग

राष्ट्रीय मुख्यधारा



बोकारो: चित्रगुप्त महापरिवार सेक्टर-1 की ओर से रंगमंच पूजा परिसर, एचएससीएल कॉलोनी जनवृत-1बी तथा चित्रगुप्त मंदिर, जनवृत-6 साई मंदिर परिसर में चित्रगुप्त पूजा धूमधाम और भक्तिभाव के साथ मनाई गई। इस अवसर पर रंगमंच परिसर में विधि-विधान से भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद दोपहर में खिचड़ी भोज का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में धनबाद के सांसद ढुलू महतो, पूर्व सांसद पीएन सिंह, बोकारो विधायक बिरंची नारायण एवं विधायक शामिल हुए। सभी जनप्रतिनिधियों ने भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना कर प्रसाद ग्रहण किया। उन्होंने चित्रगुप्त महापरिवार के सामाजिक कार्यों की प्रशंसा करते हुए समाज में उसके योगदान की सराहना की। शाम 7:30 बजे रंगमंच परिसर में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें महापरिवार के सदस्यों के साथ शहर के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से समां बांधा। कार्यक्रम में अध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा, महासचिव अनल कुमार, अंशुमाली श्रीवास्तव, बीएम बख्शी, सुधीर, तरुण श्रीवास्तव, राहुल, रोहित, संचित, एससी चौधरी, अश्वनी, सुशांत शिशिर, आरके सिन्हा, एके वर्मा एवं मंदिर संयोजक राकेश वर्मा की सक्रिय भागीदारी रही। महिलाओं में शिल्पी बख्शी, गुंजिता सिन्हा, जूही चौधरी, तूलिका, डॉली कोचगवे, प्रिया श्रीवास्तव, ममता श्रीवास्तव और निशा सिन्हा सहित अन्य सदस्यों ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर अध्यक्ष संजय सिन्हा ने समाज के लोगों से जरूरतमंदों की मदद और आपसी सहयोग की अपील की। विशिष्ट अतिथियों में बोकारो स्टील प्लांट के अधिशासी निदेशक (कार्य) अनूप कुमार दत्ता, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एके शरण, वेदांता इलेक्ट्रोस्टील, एचएससीएल तथा प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। आयोजन में सैकड़ों लोगों ने सपरिवार भाग लिया।

गंगा नोतय यमुना कें, हम नोतय छी अपन भाय के...

राष्ट्रीय मुख्यधारा



- **बोकारो में कहीं भाई दूज, भरदुतिया, भाई फोटा तो कहीं गोवर्धन पूजा की रही धूम**
- **बहनों ने भाई की लंबी उम्र, समृद्धि और यश के लिए की पूजा-अर्चना**

बोकारो : रक्षा बंधन की तरह ही भाई बहन के प्रेम का प्रतीक माना जाने वाले त्योहार भाई दूज अलग-अलग स्वरूपों में मनाया गया। बुधवार को बोकारो, चास सहित आसपास के इलाके में इस उत्सव की धूम रही। कहीं भाई दूज (गोधन) मनाया गया, तो मिथिला समाज की बहनों ने भरदुतिया (भ्रातृ द्वितीया) मनाई। वहीं, बंगाली समाज में भाई फोटा के रूप में यह पर्व मनाया गया, तो बिहार-झारखंड के अधिकतर लोगों ने परंपरानुसार गोवर्द्धन पूजा की। सभी का एक ही मकसद रहा बहनों द्वारा अपने भाई की लंबी उम्र, उसकी सुख-समृद्धि और यश-वैभव के लिए भगवान से प्रार्थना करना। बहनों ने विधिवत गोधन कूट भैया दूज पर्व मनाया। सुबह पारंपरिक तरीके से बहनों ने पर्व को मनाते हुए गोबर से यम-यमी बनाया। उस पर रेंगनी का कांटा, गुड़ और चना वगैरह रखकर मूसल से गोधन कूटा। परंपरा के मुताबिक बहनों ने पहले भाइयों को श्राप दिया और इसके बाद रेंगनी का कांटा खुद अपनी जीभ में चुभोया। भाई के दुश्मनों को परास्त करने के टोटके किए। गोधन कूटने के बाद बहनों ने भाइयों की कलाई पर धागा बांध चना के साथ मिठाई का प्रसाद खिलाया एवं भाइयों की लंबी उम्र की कामना की। गोधन को लेकर घरों में सुबह से ही उत्सव का माहौल रहा। महिलाएं पीठा, पूडी एवं खीर बनाने में व्यस्त दिखीं। परंपरागत गीत से शहर एवं गांव का माहौल एक जैसा रहा। 'अंवरा कुटीली भंवरा कुटीला जम के दुआर, कुटीला भइया के दुश्मन आठों पहर दिन रात' गीत गाए।

इधर, मिथिलांचलवासी भाई-बहनों के घर इस पर्व को भरदुतिया के रूप में मनाया गया। मिथिलांचल में भाई दूज को भातृद्वितीया व आम बोलचाल की भाषा में भरदुतिया कहा जाता है। कार्तिक शुक्ल द्वितीया को यह पर्व मनाया जाता है। इस अवसर पर बहनों ने विधि-विधान के साथ अपने भाई की पूजा की। विशेष प्रकार की अल्पना बनाकर उस पर आसन के रुप में पीढ़ा रखकर भाई को बिठाया। फिर भाई के दोनों हाथ (आंजुर) में सिन्दूर, पिठार (चावल का घोल) लगाया हैं और कुम्हरा का फूल, पान का पत्ता, सुपारी, पैसा, अंकुरी जल आदि से पूजा संपन्न की। इसे नोत लेना कहते हैं। इस क्रम में बहन मंत्र भी पढ़ती हैं- गंगा नोतय यमुना कें, गम नोतै भाय कें, जतेटा यमुनाक धार ततेटा हमर भैयाक आयु...। भाई ने अपनी बहन को उपहार भी दिया। इसी प्रकार बंग समुदाय में यह पर्व भाई फोटा के रूप में मनाया गया। भाई-बहन, दोनों ने उपवास रखा। बहनों ने भाई के माथे पर चंदन का तिलक लगाए। शहर में रह रहे नेपाली समाज के लोगों ने भाई-टीका के रूप में यह त्योहार मनाया। बहनों ने भाई की आरती उतारी। इसके बाद दोनों कान पर सरसों का तेल लगाकर माथे पर पांच रंग का टीका लगाया। गले में गेंदा फूल की माला पहनाकर भाई के लिए लंबी उम्र की कामना की। दूर-दराज से भाई अपने बहनों ने घर पहुंचे थे।

बोकारो थर्मल के त्रयोदश मंदिर में धूमधाम से मनी चित्रगुप्त पूजा



राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल: बोकारो थर्मल के स्थानीय त्रयोदश मंदिर परिसर में बुधवार को श्रीश्री चित्रगुप्त महापरिवार के सदस्यों द्वारा अटूट श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ भगवान चित्रगुप्त की पूजा का भव्य आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर मुख्य पुरोहित महेश पंडित द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत रूप से पूजा-अर्चना संपन्न कराई गई, जिसमें समाज के तमाम प्रबुद्ध लोगों ने शामिल होकर भगवान चित्रगुप्त से अपने परिवार की सुख-समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। पूजा-अर्चना के उपरांत उपस्थित सभी श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। इस धार्मिक और सामाजिक अनुष्ठान के दौरान महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष रूप से विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, जिससे पूरे मंदिर परिसर का माहौल बेहद जीवंत और आनंदमय हो गया। आयोजन सफल बनाने में श्रीश्री चित्रगुप्त महापरिवार के सभी सदस्यों ने अपनी सक्रिय सहभागिता निभाई। इस मौके पर देवनील कर्ण, पी.पी. श्रीवास्तव, नवीन श्रीवास्तव, राजीव सिन्हा, रुपेश श्रीवास्तव, प्रभात सिन्हा, मुकुल शर्मा, अविनाश सिन्हा, राजीव श्रीवास्तव, अनिल कर्ण, विनय सिन्हा, रत्नेश सिन्हा, अशोक प्रसाद और सुनील कर्ण सहित बड़ी संख्या में गणमान्य सदस्य मौजूद रहे।

डीवीसी पावर प्लांट में कोयले की जगह रैक में निकले बड़े-बड़े पत्थर



राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल: बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी पावर प्लांट में कोयला आपूर्ति को लेकर एक बड़ी और चौंकाने वाली लापरवाही सामने आई है, जहां सीसीएल के कारो से कोयला लेकर आया एक मालगाड़ी का रैक 16 घंटे बीत जाने के बाद भी पूरी तरह खाली नहीं किया जा सका है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह कोल रैक मंगलवार की रात्रि लगभग तीन बजे बोकारो थर्मल पावर प्लांट पहुंचा था। जब रैक को अनलोड यानी खाली करने की प्रक्रिया शुरू की गई, तो उसमें कोयले के स्थान पर भारी मात्रा में बड़े-बड़े पत्थर और बोल्डर निकले। इस अप्रत्याशित स्थिति के कारण प्लांट की अनलोडिंग व्यवस्था पूरी तरह बाधित हो गई और रैक को तय समय सीमा के भीतर खाली नहीं कराया जा सका। इस गंभीर और संवेदनशील मामले को लेकर जब डीवीसी के जीएम (ओएंडएम) राजेश विश्वास से संपर्क किया गया, तो उन्होंने इस घटना से अनभिज्ञता जताई और कहा कि वे फ्यूल सेक्शन से पूरी जानकारी लेने के बाद ही इस संबंध में कुछ आधिकारिक रूप से स्पष्ट कर सकेंगे।

इस्पातनगरी में श्रद्धा से पूजे गए कलम-दवात के आराध्य भगवान चित्रगुप्त

राष्ट्रीय मुख्यधारा



- **जनप्रतिनिधियों और बीएसएल अधिकारियों ने भी नवाए शीश**

बोकारो : इस्पातनगरी में कलम और दवात के आराध्य देव भगवान श्री चित्रगुप्त की पूजा अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और पारंपरिक गरिमा के साथ संपन्न हुई। चित्रगुप्त महापरिवार सेक्टर-1 के तत्वावधान में एचएससीएल कॉलोनी सेक्टर-1बी स्थित रंगमंच पूजा परिसर तथा सेक्टर-6 साईं मंदिर परिसर स्थित चित्रगुप्त मंदिर में भव्य धार्मिक और सांस्कृतिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। सुबह से ही पूजा पंडालों और मंदिर परिसर में चित्रांश समाज के श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना और हवन संपन्न हुआ।

धार्मिक अनुष्ठान के उपरांत दोपहर में विशाल खिचड़ी महाभोग का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने सपरिवार पंक्तिबद्ध होकर प्रसाद ग्रहण किया। इस पावन अवसर पर धनबाद के सांसद ढुलू महतो, पूर्व सांसद पीएन सिंह, बोकारो विधायक बिरंची नारायण और विधायक श्वेता सिंह विशेष रूप से पूजा पंडाल पहुंचे। सभी जनप्रतिनिधियों ने भगवान चित्रगुप्त की आराधना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने चित्रगुप्त महापरिवार द्वारा किए जा रहे रचनात्मक और सामाजिक सरोकारों की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए समाज के निर्माण में इसके योगदान को अतुलनीय बताया।

संध्या 7:30 बजे रंगमंच परिसर में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आगाज हुआ। इस संगीतमय संध्या में महापरिवार के प्रतिभावान सदस्यों के साथ-साथ शहर के नामचीन कलाकारों ने गीत, संगीत और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों से देर रात तक समां बांधे रखा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समिति के अध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने चित्रांश बंधुओं से एकजुट रहकर समाज के जरूरतमंद वर्गों की मदद करने और परस्पर सहयोग की भावना को मजबूत बनाने का आह्वान किया। आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में बोकारो स्टील प्लांट के अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनूप कुमार दत्ता, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एके शरण, वेदांता इलेक्ट्रोस्टील, एचएससीएल तथा प्रशासनिक सेवा के कई वरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

आयोजन को सफल बनाने में अध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा, महासचिव अनल कुमार, अंशुमाली श्रीवास्तव, बीएम बख्शी, सुधीर, तरुण श्रीवास्तव, राहुल, रोहित, संचित, एससी चौधरी, अश्वनी, सुशांत शिशिर, आरके सिन्हा, एके वर्मा तथा मंदिर संयोजक राकेश वर्मा की सक्रिय भागीदारी रही। वहीं मातृशक्ति की ओर से शिल्पी बख्शी, गुंजिता सिन्हा, जूही चौधरी, तूलिका, डॉली कोचगवे, प्रिया श्रीवास्तव, ममता श्रीवास्तव और निशा सिन्हा सहित अन्य महिला सदस्यों ने व्यवस्था संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संक्षिप्त समाचार

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में धूमधाम से मनी चित्रगुप्त पूजा, 1000 श्रद्धालुओं ने लिया भाग

राज सिन्हा समेत कई गणमान्य अतिथि हुए शामिल, सामूहिक भोज और गजल संध्या का हुआ आयोजन



राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन धनबादः हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित श्री श्री चित्रगुप्त पूजा समिति की ओर से बुधवार को भगवान श्री चित्रगुप्त जी की पूजा पूरे श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर धनबाद विधायक एवं समिति के संरक्षक राज सिन्हा, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, अमितेश सहाय, संजीव रंजन राजा, रुपेश सिन्हा, प्रमोद लाला, संजय बख्शी और रमा सिन्हा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सुबह विधि-विधान के साथ भगवान श्री चित्रगुप्त जी की पूजा-अर्चना एवं लेखनी पूजन किया गया। इसके बाद दोपहर में श्रद्धालुओं के लिए सामूहिक भोज का आयोजन हुआ। समिति से जुड़े करीब 300 चित्रगुप्त परिवारों सहित कुल 800 से 1000 श्रद्धालुओं ने आयोजन में भाग लिया। पूजा का आयोजन समिति के अध्यक्ष एनके करन, कार्यकारी अध्यक्ष राजन सिन्हा, महासचिव मनोज सिन्हा एवं कोषाध्यक्ष राज कुमार वर्मा के नेतृत्व में किया गया। आयोजन में डॉ. नूपुर चंदन, डॉ. नीतू सहाय, अरुण कुमार श्रीवास्तव, सुजीत वर्मा, पवन सिन्हा, राजेश श्रीवास्तव, संजीव रंजन एवं अंकित कुमार सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम में बड़टांड़, जयप्रकाश नगर, झारूडीह, डी. सिंह कॉलोनी, चंद्रशेखर बिहार कॉलोनी, मेमको मोड़, कार्मिक नगर, सरायढेला, पॉलिटेक्निक, वीआईपी कॉलोनी, रांगाटांड़, पुलिस लाइन, तेलीपाड़ा एवं ऑफिसर कॉलोनी सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। शाम को युवा संवाद कार्यक्रम और भव्य गजल संध्या के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। वहीं, रात्रि में चित्रगुप्त महापरिवार के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं के लिए विशेष भोग की व्यवस्था की गई। समिति के संरक्षक मंडल में एसजे लाल, एके मुरारी, अरविंद कुमार सिन्हा, डॉ. विभाष सहाय, राजीव सहाय, बबलू सहाय, भारत भूषण प्रसाद, डॉ. शोभा सिन्हा, किरण बाला, मधु सिन्हा, ममता शेखर एवं एल. प्रसाद शामिल हैं। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि आयोजन का उद्देश्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने के साथ समाज में सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे और एकता की भावना को मजबूत करना है।

कुसुम विहार में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनी चित्रगुप्त पूजा

पूजन, सपरिवार भातृ भोज और आरती में शामिल हुए श्रद्धालु



राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन धनबादः कुसुम विहार (फेज-1 एवं फेज-2), बसंत विहार, कोयला नगर में चित्रगुप्त महापरिवार समिति की ओर से मंगलवार को भगवान श्री चित्रगुप्त की पूजा श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर विधि-विधान के साथ भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना की गई तथा समाज की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई। आयोजन के तहत सुबह 11 बजे पूजा-अर्चना हुई। दोपहर दो बजे सपरिवार भातृ भोज का आयोजन किया गया, जबकि शाम छह बजे से आरती हुई। इस दौरान समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और आपसी भाईचारे, एकता एवं सामाजिक समरसता का संदेश दिया। धनबाद विधायक राज सिन्हा सहित शहर के कई गणमान्य व्यक्ति भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन में समिति के अध्यक्ष डीएन प्रसाद, सचिव प्रदीप सिन्हा, कोषाध्यक्ष नीरज सहाय (बबलू), सह-कोषाध्यक्ष भास्कर सिन्हा, बीएन लाल, पंकज श्रीवास्तव, अनिल कुमार श्रीवास्तव, पीयूष श्रीवास्तव सहित अन्य सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही। आयोजन को सफल बनाने में समिति के सदस्यों ने सहयोग किया।

पुराना रेलवे स्टेशन स्थित नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में धूमधाम से मनी चित्रगुप्त पूजा

विधि-विधान से हुई भगवान चित्रगुप्त की आराधना, समाज के गणमान्य लोगों ने की पूजा-अर्चना



राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन धनबादः पुराना रेलवे स्टेशन धनबाद स्थित श्री श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर के प्रांगण में बुधवार को भगवान श्री चित्रगुप्त की पूजा पूरे श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। सुबह से ही पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया। वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक रीति-रिवाजों के बीच भगवान चित्रगुप्त की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने भगवान के समक्ष माथा टेककर परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। पूजा के दौरान पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल में सराबोर रहा। धार्मिक अनुष्ठान में समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर भगवान चित्रगुप्त के आदर्शों और उनके महत्व पर भी चर्चा की गई। मान्यता के अनुसार भगवान चित्रगुप्त मनुष्य के कर्मों का लेखा-जोखा रखते हैं। उनकी पूजा से लोगों को सद्कर्म करने, सत्य के मार्ग पर चलने और अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से धनबाद के लोकप्रिय विधायक राज सिन्हा, जीटा अध्यक्ष अमितेश सहाय, उपेंद्र वर्मा, बृजेंद्र कुमार, विजय सिन्हा, राजू श्रीवास्तव, चंद्रभूषण प्रसाद सिन्हा, राजेश सिन्हा, सुधांशु सिन्हा, हरे राम श्रीवास्तव, अरविंद सिन्हा, संजय बक्शी, प्रमोद लाला, मोहन श्रीवास्तव, लोकेश सिन्हा, रोशन सिन्हा, रंजना श्रीवास्तव, अर्चना कुमारी, भारती सिन्हा, सरिता सिन्हा, मधु सिन्हा, बिपिन सिन्हा, अमलेश सिन्हा, सुभाष श्रीवास्तव, श्रवण कुमार, प्रभात रंजन श्रीवास्तव, सुधीर सिन्हा, शुभम सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग एवं श्रद्धालु उपस्थित थे। पूजा के आयोजन से क्षेत्र में उत्साह और धार्मिक उल्लास का माहौल बना रहा। लोगों ने एक-दूसरे को चित्रगुप्त पूजा की शुभकामनाएं दीं और सामाजिक एकता, भाईचारे तथा सद्भाव को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

जागृत मंदिर की ओर से 120 छठ व्रतियों के बीच साड़ी वितरित



राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन धनबादः लोकआस्था के महापर्व छठ के अवसर पर जागृत मंदिर, चिरागोड़ा की ओर से बुधवार को मंदिर प्रांगण में 120 छठ व्रतियों के बीच साड़ी का वितरण किया गया। मंदिर समिति के संयोजक कुंभनाथ सिंह के सहयोग से आयोजित इस सेवा कार्यक्रम में व्रतियों को अंगवस्त्र स्वरूप साड़ी प्रदान की गई। इस दौरान समिति के संयोजक कुंभनाथ सिंह, कुणाल सिंह सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। समिति के सदस्यों ने छठ व्रतियों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए उनके सुख-समृद्धि और मंगलमय व्रत की कामना की। समिति ने बताया कि सेवा और सहयोग की यह परंपरा आगे भी जारी रहेगी। इसी क्रम में 15 और 16 नवंबर को छठ व्रतियों के बीच फल एवं आवश्यक पूजन सामग्री का वितरण किया जाएगा। समिति की इस पहल की क्षेत्र में सराहना हो रही है।

डीसीए के नए सत्र की शुरुआत चैंपियंस लीग से, जूनियर वर्ग के तीन टूर्नामेंट होंगे परशुराम सिंह मेमोरियल

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन



धनबादः धनबाद क्रिकेट संघ (डीसीए) के नए क्रिकेट सत्र की शुरुआत चैंपियंस लीग सीनियर टूर्नामेंट से होगी। वहीं, जूनियर वर्ग में अंडर-14, अंडर-16 और अंडर-19 के लिए तीन नए ओपन टूर्नामेंट आयोजित किए जाएंगे। ये टूर्नामेंट दिवंगत अधिवक्ता परशुराम सिंह की स्मृति में 'परशुराम सिंह मेमोरियल' के नाम से जाने जाएंगे। प्रत्येक टूर्नामेंट में 12-12 टीमें हिस्सा लेंगी। रणधीर वर्मा स्टेडियम स्थित डीसीए कार्यालय में मंगलवार को हुई प्रबंध समिति की बैठक में नए सत्र की गतिविधियों और टूर्नामेंटों को लेकर चर्चा की गई। संघ के अध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि पिछले सत्र में वर्षा के कारण चैंपियंस लीग सीनियर टूर्नामेंट का आयोजन नहीं हो सका था। अब महापर्व छठ के बाद इसका आयोजन किया जाएगा। इसके लिए टीमों की घोषणा पहले ही की जा चुकी है। बैठक में सुपर डिवीजन एलीट एवं प्लेट तथा ए डिवीजन की टीमों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पर भी निर्णय लिया गया। इसके लिए 22 नवंबर तक आवेदन स्वीकार किए जाएंगे, जबकि 24 से 30 नवंबर तक खिलाड़ियों का रजिस्ट्रेशन होगा। यह भी स्पष्ट किया गया कि विभिन्न आयु वर्गों के चयन ट्रायल के लिए पहले ही रजिस्ट्रेशन कर चुके खिलाड़ियों को दोबारा शुल्क नहीं देना होगा। राज्य से बाहर के अधिकतम तीन खिलाड़ी एक टीम से रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे, लेकिन उन्हें जिला टीम में चयन का पात्र नहीं माना जाएगा। जूनियर वर्ग के तीनों टूर्नामेंटों के आयोजन को लेकर डीसीए के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को अध्यक्ष मनोज कुमार के नेतृत्व में संघ के वरीय सदस्य, क्रिकेटप्रेमी एवं व्यवसायी राजेश सिंह बम्मी से मुलाकात की। बातचीत के दौरान राजेश सिंह ने टूर्नामेंटों के प्रायोजन पर सहमति जताई और इन्हें अपने दिवंगत पिता अधिवक्ता परशुराम सिंह के नाम पर आयोजित कराने का प्रस्ताव दिया। डीसीए ने इस सहयोग के लिए उनका आभार जताया। इस बीच, अंडर-14 वर्ग के चयन ट्रायल की तिथि भी घोषित कर दी गई है। ट्रायल 21 और 22 नवंबर को टाटा डिगवाडीह स्टेडियम में होगा। इसमें केवल वही बच्चे शामिल हो सकेंगे, जिन्होंने पूर्व में इसके लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। स्कूल टूर्नामेंट कमेटी की बैठक 23 नवंबर को होगी। इसके बाद स्कूल टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ियों के रजिस्ट्रेशन की घोषणा की जाएगी। बैठक में विभिन्न टूर्नामेंटों के लिए प्रायोजकों को जोड़ने पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान नवनियुक्त सहायक सचिव रामजी यादव का पदाधिकारियों ने स्वागत किया। उम्मीद जताई गई कि उनके मनोनयन से मुगमा-निरसा क्षेत्र में क्रिकेट गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। बैठक में डीसीए महासचिव विनय कुमार सिंह, उपाध्यक्ष रविजीत सिंह डांग, शांतनु चौधरी, जावेद खान, कोषाध्यक्ष ललित जगनानी, सहायक कोषाध्यक्ष सुनील कुमार, संयुक्त सचिव बीएच खान, सहायक सचिव रत्नेश कुमार सिंह एवं अभिजीत घोष, कार्यकारिणी सदस्य द्वारिका तिवारी, सुधीर पांडेय, डॉ. राजशेखर सिंह, सुनील कुमार और जितेंद्र कुमार सिंह, शिव शक्ति प्रसाद सहित अन्य उपस्थित थे। विशेष आमंत्रित सदस्यों में जेएससीए कार्यकारिणी सदस्य उत्तम विश्वास एवं अशोक चौरसिया तथा चयनकर्ता मनीष वर्धन, अमीर हाशमी और अभिषेक मोइत्रा शामिल थे।

- **अंडर-14 का ट्रायल 21-22 नवंबर को, टीमों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 22 नवंबर तक**

तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक को मारी टक्कर, युवक की मौत; पत्नी और मासूम गंभीर

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन



निरसा (धनबाद): निरसा थाना क्षेत्र के देबियाना गेट के समीप बुधवार सुबह करीब सात बजे एनएच-19 पर तेज रफ्तार हाइवा की चपेट में आने से बाइक सवार उत्तम कुंभकार (बागसुमा निवासी) की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में उनकी पत्नी और मासूम बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच, धनबाद भेजा गया है। जानकारी के अनुसार, उत्तम कुंभकार अपनी पत्नी और बच्चे के साथ बाइक से मुगमा जा रहे थे। इसी दौरान देबियाना गेट के पास तेज रफ्तार हाइवा ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि हेलमेट पहने होने के बावजूद उत्तम की जान नहीं बच सकी। दुर्घटना में उनका हेलमेट भी पूरी तरह चकनाचूर हो गया। हादसे के बाद हाइवा चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर निरसा पुलिस पहुंची और हाइवा को जब्त कर लिया। पुलिस फरार चालक की तलाश में जुटी है। दुर्घटना के बाद एनएच-19 पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। वहीं, घटना से आक्रोशित स्थानीय लोगों ने भारी वाहनों की तेज रफ्तार और चालकों की लापरवाही पर सवाल उठाए। लोगों ने हाइवा चालकों की उम्र, ड्राइविंग लाइसेंस और वाहनों के दस्तावेजों की विशेष जांच कराने की मांग प्रशासन से की। इस हादसे ने एक परिवार का सहारा छीन लिया है। उत्तम की मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है, जबकि उनकी पत्नी और मासूम बच्चा अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं।

- **हेलमेट पहने होने के बावजूद नहीं बची उत्तम की जान, चालक वाहन छोड़कर फरार**

चित्रगुप्त पूजा समारोहों में शामिल हुए विधायक राज सिन्हा, सुख-समृद्धि की कामना की

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन



धनबादः भगवान श्री चित्रगुप्त महाराज की पूजा के अवसर पर झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित पूजा समारोहों में शामिल होकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उन्होंने भगवान चित्रगुप्त महाराज से क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। विधायक ने नवागढ़, महेशपुर, विनोद नगर, पुराना स्टेशन, मेमको मोड़, कतरास बाजार, बाबूडीह, हाउसिंग कॉलोनी, हीरापुर, सिंदरी एवं जगजीवन नगर सहित विभिन्न स्थानों पर आयोजित पूजा समारोहों में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने पूजा समितियों की ओर से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी सहभागिता की। विभिन्न पूजा समितियों के सदस्यों एवं स्थानीय श्रद्धालुओं ने विधायक का पुष्पगुच्छ भेंटकर और अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर राज सिन्हा ने कहा कि भगवान श्री चित्रगुप्त महाराज सत्य, न्याय, विवेक और कर्म के प्रतीक हैं। उनकी आराधना हमें अपने कर्तव्यों का ईमानदारीपूर्वक निर्वहन करने तथा समाज में सद्भाव, समरसता और नैतिक मूल्यों को बनाए रखने की प्रेरणा देती है। ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करते हैं। उन्होंने सभी पूजा समितियों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी और श्रद्धालुओं के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। मौके पर चित्रांश अमितेश सहाय, राजन सिन्हा, एनके कर्ण, प्रकाश सिन्हा, प्रेम किशोर श्रीवास्तव, पंकज सिन्हा, जीतू सिन्हा, मनीष श्रीवास्तव, जितेंद्र सिन्हा, प्रभाकर सिन्हा, राकेश रौशन सिन्हा, कुमार नमन, आशा ज्योति सिन्हा, रेशम सिन्हा, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति सिन्हा, किशन श्रीवास्तव सहित कई अन्य उपस्थित थे।

सोलर एनर्जी सेक्टर में रोजगार के लिए 80 महिलाओं को मिला प्रशिक्षण प्रमाणपत्र

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन



धनबादः महिलाओं को सोलर एनर्जी सेक्टर में रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने की दिशा में आईआईटी (आईएसएम) धनबाद और रिन्यू की संयुक्त पहल प्रोजेक्ट रिन्यू सूर्या के तहत मंगलवार को करीब 80 महिलाओं को प्रशिक्षण प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। गोल्डन जुबिली लेक्चर थिएटर में आयोजित समारोह में एसएसएलएनटी महिला कॉलेज और गुरु नानक कॉलेज, धनबाद की प्रशिक्षुओं को प्रमाणपत्र दिए गए। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे चरण का पहला प्रमाणपत्र वितरण समारोह था। कार्यक्रम में आईआईटी (आईएसएम) के निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। मौके पर प्रो. रजनी सिंह, डीन (इंटरनेशनल रिलेशंस), प्रो. एजाज अहमद, एसोसिएट डीन (रिसर्च एंड डेवलपमेंट), रिन्यू की प्लेसमेंट अधिकारी अर्चना बाजपेयी तथा इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर प्रो. वेदांथम लक्ष्मी श्रीनिवास मौजूद थीं। प्रशिक्षुओं ने सोलर एनर्जी सेक्टर में ग्रीन जॉब्स के लिए तैयार विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया है। इसमें सोलर पैनल और सोलर पंप की स्थापना, संचालन एवं रखरखाव से संबंधित तकनीकी कौशल सिखाए गए। इसका उद्देश्य महिलाओं को सोलर टेक्नीशियन के रूप में रोजगार के साथ स्वरोजगार और छोटे उद्यम शुरू करने के लिए सक्षम बनाना है। प्रोजेक्ट रिन्यू सूर्या के तहत विशेष रूप से खनन और वंचित क्षेत्रों की महिलाओं की नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। इसके लिए आईआईटी (आईएसएम) परिसर स्थित प्रशिक्षण केंद्र में चयनित महिलाओं को दो महीने का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। इसमें कक्षा आधारित शिक्षा के साथ व्यावहारिक और हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण भी शामिल है, ताकि महिलाएं उद्योग की जरूरतों के अनुरूप तकनीकी दक्षता हासिल कर सकें। यह पहल सूर्यमित्र स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम और स्किल इंडिया मिशन के उद्देश्यों के अनुरूप है। इसके माध्यम से सोलर एनर्जी सेक्टर के लिए कुशल कार्यबल तैयार करने के साथ महिलाओं को रोजगार, स्वरोजगार और उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

- **आईआईटी आईएसएम और रिन्यू की संयुक्त पहल प्रोजेक्ट रिन्यू सूर्या के तहत दिया गया प्रशिक्षण**

ओवरलोड मैजिक वाहन में लगी आग, मची अफरा-तफरी



राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन

झरिया (धनबाद): जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के डिगवाडीह गणेश पूजा मैदान के समीप बुधवार को बिजली के सामान से लदे एक ओवरलोड मैजिक वाहन में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और वाहन से ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं। इससे आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शॉर्ट सर्किट के कारण वाहन में आग लगी। स्थानीय लोगों ने तत्काल अग्निशमन विभाग को सूचना दी। इसके बाद दमकल की गाड़ी और बिजली विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक वाहन का अधिकांश हिस्सा जल चुका था। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। राहत की बात रही कि हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि, इस घटना ने वाहनों में क्षमता से अधिक सामान लादने और सुरक्षा मानकों की अनदेखी को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मधुमेह पर शुरुआती कार्रवाई से बच सकती हैं गंभीर जटिलताएं: डॉ.एनके सिंह

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन



धनबादः विश्व मधुमेह दिवस (14 नवंबर) के अवसर पर डायबिटीज एंड हार्ट रिसर्च सेंटर (DHRC), धनबाद के निदेशक एवं रिसर्च सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ डायबिटीज इन इंडिया (RSSDI) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ.एनके सिंह ने कहा कि मधुमेह से बचाव और नियंत्रण के लिए समय पर पहचान और शुरुआती उपचार जरूरी है। इस वर्ष विश्व मधुमेह दिवस की थीम 'मधुमेह पर प्रारंभिक कार्रवाई' है। बुधवार को आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने आधुनिक चिकित्सा, भारतीय खानपान और जीवनशैली में बदलाव को मधुमेह नियंत्रण का प्रमुख आधार बताया। डॉ.सिंह ने कहा कि विश्व स्तर पर करीब 40 प्रतिशत मधुमेह रोगियों को अपनी बीमारी की जानकारी नहीं होती। टाइप-2 मधुमेह कई वर्षों तक बिना स्पष्ट लक्षणों के रह सकता है। अत्यधिक प्यास लगना, बार-बार पेशाब आना, थकान और धुंधली दृष्टि इसके प्रमुख संकेत हैं। उन्होंने लोगों से बिना लक्षणों का इंतजार किए नियमित ब्लड शुगर जांच कराने की अपील की।

अब शुगर के साथ हृदय और किडनी की सुरक्षा भी जरूरी- उन्होंने बताया कि मधुमेह का आधुनिक उपचार अब केवल ब्लड शुगर नियंत्रित करने तक सीमित नहीं है। GLP-1 और SGLT2 जैसी आधुनिक दवाएं हृदय, किडनी और लिवर को सुरक्षित रखने में भी मददगार हैं। वहीं, निरंतर ग्लूकोज मॉनिटरिंग (CGM) और आधुनिक इंसुलिन तकनीक से मरीजों की बेहतर देखभाल संभव हुई है। उन्होंने स्कूलों और कार्यस्थलों पर लो शुगर की आपात स्थिति से निपटने के लिए ग्लूकोज युक्त प्राथमिक चिकित्सा किट उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया।

महंगे सुपरफूड्स के बजाय अपनाएं भारतीय खानपान- डॉ.सिंह ने RSSDI के एक शोध का हवाला देते हुए कहा कि महंगे आयातित सुपरफूड्स की जगह भारतीय पारंपरिक खाद्य पदार्थ बेहतर और किफायती विकल्प हैं। क्विनोआ की जगह मिलेट्स, बादाम की जगह मूंगफली, चिया सीड्स की जगह अलसी तथा ब्लूबेरी की जगह अमरूद और आंवला को भोजन में शामिल किया जा सकता है। साबुत अनाज, दाल, मेवे, बीज और मौसमी फलों का सेवन मधुमेह नियंत्रण में सहायक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मेथी सहायक आहार है, दवा का विकल्प नहीं। उन्होंने बताया कि उनके मुख्य अन्वेषण में किया गया GENIUS अध्ययन मधुमेह रोगियों में SGLT2 दवाओं और मूत्र मार्ग एवं जननांग संक्रमण से संबंधित भारत का बड़ा वास्तविक-विश्व अध्ययन है, जो मई 2026 में अंतरराष्ट्रीय जर्नल BMC Endocrine Disorders में प्रकाशित हुआ। डॉ.सिंह ने DHRC की ओर से चलाए जा रहे जागरूकता कार्यक्रमों, 'ग्रीन टी विद CME इंडिया' यूट्यूब चैनल और चिकित्सकीय शोध की पहलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 18 से 20 दिसंबर तक ऋषिकेश में WISDOM 2026 सम्मेलन आयोजित होगा।

14 नवंबर को होंगे तीन जागरूकता कार्यक्रम- विश्व मधुमेह दिवस पर 14 नवंबर को सुबह 7:45 बजे सिटी सेंटर से रणधीर वर्मा चौक तक जागरूकता पदयात्रा निकाली जाएगी। सुबह 8:30 बजे गांधी सेवा सदन में हेल्दी ब्रेकफास्ट कार्यक्रम तथा दोपहर दो बजे श्रमिक चौक पर ब्लू बैलून जागरूकता अभियान आयोजित होगा। इन कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, मोटापे से बचाव और समय पर जांच के प्रति जागरूक किया जाएगा। प्रेस वार्ता के अंत में डॉ.लीना सिंह ने लोगों से नियमित ब्लड शुगर जांच कराने, शारीरिक गतिविधियों को दिनचर्या में शामिल करने और चिकित्सकों की सलाह मानने की अपील की। मौके पर रवि श्रीवास्तव, धीरज सिंह, रमेश गांधी, मुकेश झा, राहुल, शिव, मुरारी शर्मा, रितेश, मिहिर झा, संजीव, स्नेहा, बिरसी, श्याम, सोनाली और भगवान दास सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

- **समय पर जांच, आधुनिक उपचार और भारतीय खानपान को बताया मधुमेह नियंत्रण का आधार; 14 नवंबर को निकलेगी जागरूकता पदयात्रा**

संक्षिप्त समाचार

धनबाद-पटना के बीच 12 नवंबर को चलेगी एक ट्रिप अनारक्षित स्पेशल ट्रेन

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन

धनबादः यात्रियों की अतिरिक्त सुविधा और सुगम आवागमन के मद्देनजर रेलवे ने धनबाद से पटना के बीच एक ट्रिप अनारक्षित स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन 12 नवंबर को धनबाद से सुबह 10:30 बजे प्रस्थान करेगी और शाम 4:45 बजे पटना पहुंचेगी। इस दौरान ट्रेन नेहरू स्टेशन चंद्रपुरा जंक्शन (गोमो), पारसनाथ, हजारीबाग रोड, परसाबाद, कोडरमा और पहाड़पुर स्टेशनों पर रुकेगी। निर्धारित समय के अनुसार ट्रेन सुबह 10:56 बजे गोमो पहुंचेगी और 10:58 बजे प्रस्थान करेगी। इसके बाद 11:14 बजे पारसनाथ, 11:37 बजे हजारीबाग रोड, 11:55 बजे परसाबाद, 12:17 बजे कोडरमा और दोपहर 1 बजे पहाड़पुर पहुंचेगी। इन सभी स्टेशनों पर दो-दो मिनट का ठहराव होगा। रेलवे के अनुसार, ट्रेन के परिचालन से धनबाद और पटना के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को सुविधा मिलेगी।

Station	DHN-PNBE	
	Arr.	Dep.
DHN	Tue	10:30
GMO	10:56	10:58
PNME	11:14	11:16
HZD	11:37	11:39
PSB	11:55	11:57
KQR	12:17	12:19
PRP	13:00	13:02
GAYA	14:05	14:10
THA	14:45	14:47
JHD	14:58	15:00
NDU	15:08	15:10
TEA	15:18	15:20
NDW	15:28	15:30
JTDM	15:42	15:44
PPN	15:48	15:50
PNBE	16:45	—

छठ महापर्व को लेकर बुंडू पंचायत के छठ घाटों की साफ-सफाई शुरू



पेटरवार। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर बुंडू पंचायत में तैयारियां तेज हो गई हैं। बुधवार को बुंडू पंचायत के विभिन्न छठ घाटों एवं तालाबों की साफ-सफाई का कार्य पंचायत की मुखिया निहारिका सुकृति के सौजन्य से कराया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य छठ महापर्व के दौरान व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और वे स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण में भगवान सूर्य की उपासना कर सकें। साफ-सफाई अभियान के तहत विभिन्न छठ घाटों एवं तालाबों की सफाई कराई जा रही है। मुखिया निहारिका सुकृति ने समस्त छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अपने नजदीकी छठ घाट पर जाकर पूजा के लिए अपनी जगह सुनिश्चित कर लें, ताकि समय रहते सभी आवश्यक तैयारियां पूरी की जा सकें।

लक्ष्मी पूजा के अवसर पर श्रद्धालुओं के बीच खिचड़ी महाप्रसाद का वितरण



पेटरवार। प्रखंड के बुंडू पंचायत अंतर्गत मठ टोला में लक्ष्मी पूजा के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद स्वरूप खिचड़ी का वितरण किया गया। बुंडू पंचायत की मुखिया निहारिका सुकृति के सौजन्य से आयोजित इस प्रसाद वितरण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और भक्तिभाव के साथ महाप्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं ने माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना कर परिवार एवं समाज की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। आयोजकों की ओर से श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई थी।।मुखिया निहारिका सुकृति ने इस पावन अवसर पर सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली बने रहने की कामना की।

योग से मनुष्य जीवन की कठिनाइयों पर पा सकता है विजय : पवन

रांची। भाईदूज के अवसर पर हरमू रोड स्थित ब्रह्माकुमारी संस्थान में बुधवार को आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि समाजसेवी पवन कुमार ने कहा कि योग और ज्ञान की शक्ति से मनुष्य जीवन की कठिनाइयों पर विजय प्राप्त कर सकता है। योगी आत्माएं सात्विक विचारों और श्रेष्ठ कर्मों के बल पर काल के भय से मुक्त रहती हैं। ज्ञान और योग के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन को सफल बना सकता है। मौके पर संस्थान की केंद्र प्रशासिका निर्मला बहन ने कहा कि मनुष्य नश्वर शरीर नहीं, बल्कि अविनाशी आत्मा है। भृकुटि के मध्य आत्मा का निवास माना गया है। आत्मिक स्वरूप की अनुभूति और परमात्मा से जुड़ाव मनुष्य को श्रेष्ठ कर्मों की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि संसार परिवर्तनशील है और प्रत्येक व्यक्ति को अपने कर्मों का फल भोगना पड़ता है। इसलिए जीवन में पवित्रता, मर्यादा और सद्भाव बनाए रखना आवश्यक है। कार्यक्रम में कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

घुटवाली मैदान में धूमधाम से मना बरदखुट्टा मेला





राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरीः सोहराय बरदखुट्टा मेला समिति मधगोपाली द्वारा बुधवार को घुटवाली मैदान में बरदखुट्टा मेला का आयोजन किया गया। अध्यक्षता कुड़मी विकास मोर्चा के कार्यकारी केंद्रीय अध्यक्ष थानेश्वर महतो ने की, जबकि संचालन निलकंठ महतो व मुकेश महतो ने किया। मेले का उद्घाटन विशिष्ट अतिथि कुड़मी विकास मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष शीतल ओहदार, झामुमो नेता अखिलेश महतो उर्फ राजू, आजसू नेत्री यशोदा देवी, जिप सदस्या सुनीता कुमारी, जेएलकेएम जिलाध्यक्ष अमित महतो, शिक्षाविद धनेश्वर विद्यार्थी व मुखिया जागेश्वर महतो ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। वक्ताओं ने कहा कि कुड़मी समाज की विरासत को संजोकर रखने के लिए अपनी परंपरा, रीति-रिवाज व संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए तत्पर है। सोहराय पर्व आदि काल से मनाया जा रहा है। अच्छी फसल और पशुधन से खेती करते हैं, जो खेती के लिए सहायक है। मेले में झूमर टीमों ने एक से बढ़कर एक कार्यक्रम पेश कर ग्रामीणों को मोह लिया। मधगोपाली पंचायत के सभी गांवों से झूमर टीम ने झूमर, चाचर व सोहराय गीत गाए और नाचकर लोगों को उत्साह से भर दिया। साथ ही सोहराय बरदखुट्टा प्रति वर्ष मनाने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महेश महतो पूर्व मुखिया, मोहन महतो, सत्यनारायण महतो पंसस, बालेश्वर महतो, शंकर महतो, भागीरथ महतो, विकास महतो, दिलीप महतो, डालेश्वर महतो, करमचंद महतो, देवीलाल महतो, सुरेश महतो, राजेंद्र महतो, लीलो महतो, नरेश सिंह, जयलाल साहु, तुलसी सिंह, बनवारी भुइयां, मेघलाल महतो, मेहीलाल महतो आदि उपस्थित थे। इस दौरान प्रमुख उषा देवी, सुरेंद्र कुमार, दुर्योधन महतो, दिनेश महतो, रामचंद्र महतो, काशीनाथ महतो, जितेंद्र महतो, ताराचंद महतो, जगदीश महतो, राजकुमार पांडेय, कामेश्वर महतो, दुर्गा शंकर महतो, तुलसी महतो आदि उपस्थित थे।

ग्रामीणों ने उपायुक्त से मुलाकात कर सड़क निर्माण जल्द शुरू करने का किया मांग



राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोला। प्रखंड क्षेत्र के साडम के युवाओं ने बुधवार को उपायुक्त कार्यालय पहुंच कर डीसी से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा।जिसमे मुख्य मांग सेरेंगातु मोड़ से साड़म होते हुए माचाटांड तक सड़क निर्माण कार्य को शुरू करवाने की मांग शामिल है।ज्ञापन के माध्यम से बताया गया कि उक्त सड़क का शिलान्यास दो वर्ष पूर्व हो चुका है,लेकिन राजनीतिक मदभेद के कारण इस कागजी प्रक्रिया को बीच में ही लटका दिया गया ।,जिसको लेकर युवाओं ने एक महीना पहले ही इस मामले को उपायुक्त को मामले से अवगत करवाया था,जिसमें उपायुक्त ने 15 दिन का अल्टीमेटम दिया था।और इसी कड़ी में आज युवाओं ने आज उपायुक्त से मिलकर मामले पर जानकारी लिया।इस दौरान उपायुक्त ने ग्रामीणों को बताया कि सड़क निर्माण में पहले कुछ चीजें छूट गई थी,जिसे इस योजना में शामिल करना था ।जैसे नाली,छोटे छोटे पुलिया आदि। आगे उन्होंने बताया कि 27 नवंबर तक विभागीय अधिकारियों से बात चल रही है जिसके तहत आगे कार्य शुरू हो उसके लिए पहल कर रहे हैं।आने वाले 27 नवम्बर तक फिर से उस सड़क का शिलान्यास कर निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाएगा। मौके पर युवा समाजसेवी शिवा कुमार मुंडा,रवींद्र कुमार,हरेराम कुमार,महेंद्र कुमार,पतंग कुमार, रंजीत कुमार,लोचन कुमार,मनोज मुंडा,विकास कुमार,नीतीश महतो,तनवीर हुसैन,

बागबेड़ा कॉलोनी में धूमधाम से मनाई गई गोधन पूजा, महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाज से निभाई गोधन कुटाई की रस्म

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जमशेदपुर : जिला परिषद सदस्य डॉ. कविता परमार के सौजन्य से डिस्पेंसरी मैदान में हुआ भव्य आयोजन, भाई-बहन के अटूट प्रेम और लोक संस्कृति की दिखी झलक जमशेदपुर। बागबेड़ा कॉलोनी स्थित डिस्पेंसरी मैदान में गोधन पूजा एवं गोधन कुटाई उत्सव धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। जिला परिषद सदस्य डॉ. कविता परमार के सौजन्य से आयोजित इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में क्षेत्र की सैकड़ों महिलाओं और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार गाय के गोबर से गोधन भगवान की प्रतीकात्मक आकृतियां बनाईं। इसके बाद लोकगीतों के बीच सामूहिक रूप से गोधन कुटाई की रस्म निभाई गई। महिलाओं ने मूसल से गोधन कूटकर अपने भाइयों की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य डॉ. कविता परमार ने कहा कि गोधन पूजा हमारी समृद्ध सनातन परंपरा और लोक संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। यह पर्व भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को मजबूत करने के साथ-साथ पर्यावरण, गोवंश और प्रकृति के संरक्षण का संदेश भी देता है। उन्होंने कहा कि बागबेड़ा की महिलाओं की एकजुटता और उत्साह हमारी सांस्कृतिक एकता की मिसाल है। पूरे आयोजन के दौरान डिस्पेंसरी मैदान भक्तिमय और उत्सवी माहौल से सराबोर रहा। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को गोधन पूजा की शुभकामनाएं दीं।





छठ पूजा की तैयारी को लेकर दिगवार में बैठक, सदस्यों ने लिया सामूहिक सहयोग का संकल्प

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कुजू। रामगढ़ नगर परिषद क्षेत्र के दिगवार के वार्ड संख्या चार स्थित दुर्गा मंदिर प्रांगण में बुधवार को छठ महापर्व को सफल बनाने को लेकर बैठक आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता सांसद प्रतिनिधि मनोज गिरी ने की। संचालन जगदीश महतो तथा धन्यवाद ज्ञापन पंकज कुशवाहा ने किया।

बैठक में लोक आस्था के महापर्व छठ की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान छठ घाट एवं आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई, रोशनी, टेंट, बैनर, आकर्षक सजावट तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर सदस्यों ने अपने विचार रखे। सभी सदस्यों ने आपसी सहयोग और सामूहिक सहभागिता से छठ महापर्व को श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ मनाने का संकल्प लिया। साथ ही उपस्थित सदस्यों ने स्वेच्छा से सहयोग राशि प्रदान कर आयोजन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।मौके पर पूर्व वार्ड पार्षद कुलदीप कुशवाहा, अनुपम गिरी, विजय गिरी, रवि कुशवाहा, संजीव कुशवाहा, अजय कुशवाहा, राहुल गिरी, अमरेश गिरी, प्रमोद गिरी, गौरव मिश्रा, रामजतन अकेला, संजय गिरी, विनोद प्रसाद, पन्नालाल गिरीप्रभाकर कुशवाहा, सुशील कुशवाहा, सोनू गिरी, छोटी गिरी, मनोज कुशवाहा, ललित कुशवाहा, प्रमोद कुशवाहा, उज्ज्वल कुशवाहा, मुकेश कुशवाहा, कमल किशोर कुशवाहा एवं सुनील कुशवाहा सहित कई लोग उपस्थित थे।



- साफ-सफाई, रोशनी, टेंट व सजावट सहित पूजा की व्यवस्थाओं पर हुई चर्चा, श्रद्धा और भक्तिभाव से पर्व मनाने का निर्णय

पैंकी मौजा में प्रस्तावित जिला बस स्टैंड का विरोध, आदिवासी समाज ने की महाआम सभा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कुजू। मांडू प्रखंड अंतर्गत पैंकी मौजा में प्रस्तावित जिला बस स्टैंड निर्माण को लेकर स्थानीय आदिवासी समाज और ग्रामीणों का विरोध तेज हो गया है। इस मुद्दे को लेकर आदिवासी जन परिषद और स्थानीय ग्रामीणों के संयुक्त तत्वावधान में महाआम सभा का आयोजन किया गया। सभा में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष शामिल हुए और प्रस्तावित निर्माण के लिए चिन्हित जमीन को लेकर जिला प्रशासन के फैसले पर नाराजगी जताई।

महाआम सभा में ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि संबंधित जमीन पर पिछले तीन पीढ़ियों से करीब 20 से 25 परिवार निवास करते आ रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार, उनके पास जमीन से संबंधित पुराने हुकुमनामा और ऑफलाइन लगान रसीद जैसे दस्तावेज भी मौजूद हैं। इसके बावजूद परिवारों को जमीन खाली करने का नोटिस दिया गया है। ग्रामीणों ने इसे उनके पुश्तैनी अधिकार और आजीविका पर संकट बताया।

ग्रामीणों का कहना है कि जिस जमीन पर जिला बस स्टैंड बनाने की योजना है, वह उनकी उपजाऊ कृषि भूमि है। इस जमीन पर बुलडोजर चलने से परिवारों के आवास के साथ-साथ खेती और रोजगार का साधन भी प्रभावित होगा। वक्ताओं ने सवाल उठाया कि क्या विकास का अर्थ गरीब आदिवासी परिवारों को उनकी पुश्तैनी जमीन से बेदखल करना है? उन्होंने कहा कि परिवारों ने वर्षों की मेहनत से बंजर जमीन को उपजाऊ बनाया है। यह जमीन उनके जीवन, आजीविका और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ी हुई है।

सभा में ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा कि विकास योजनाओं का वे विरोधी नहीं हैं, लेकिन विकास के नाम पर उनके अधिकारों और अस्तित्व के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ग्रामीणों ने दो टूक शब्दों में कहा, "जान दे देंगे, लेकिन अपनी जमीन नहीं देंगे।" उन्होंने प्रशासन से प्रस्तावित बस स्टैंड निर्माण के फैसले पर पुनर्विचार करने और प्रभावित परिवारों के अधिकारों की रक्षा करने की मांग की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आदिवासी जन परिषद के केंद्रीय अध्यक्ष प्रेमशाही मुंडा उपस्थित थे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर परिषद अध्यक्ष कुसुमलता कुमारी मुंडा शामिल हुईं। इसके अलावा वार्ड पार्षद संदीप साहू, केंद्रीय महासचिव प्रकाश मुंडा, रांची नगर अध्यक्ष शीला उरांव, पूर्व पार्षद चितू महतो, आरती मुंडा, सुकुरमनी देवी, किरण मुंडा, पवन करमाली, चेतलाल मुंडा, अमरदीप मुंडा, हीरालाल मुर्मू, भिखारी पहान, सुनील सिंह मुंडा, जितेंद्र मुंडा और ज्ञानी मुंडा सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

महाआम सभा के माध्यम से आदिवासी समाज और स्थानीय ग्रामीणों ने अपनी पुश्तैनी जमीन एवं पारंपरिक अधिकारों की रक्षा की मांग उठाई। ग्रामीणों का कहना है कि विकास योजनाएं जनहित को ध्यान में रखकर बनाई जानी चाहिए, ताकि आम लोगों को सुविधाएं मिलें, न कि किसी परिवार को अपने घर, जमीन और आजीविका से हाथ धोना पड़े।





भगवान चित्रगुप्त की पूजा धूमधाम से मनाई गई



राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची । कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि पर सिंह मोड , हेसाग , हटिया में चित्रांश परिवार पूजा समिति द्वारा भगवान श्री चित्रगुप्त की पूजा अर्चना की गई. इस अवसर पर राजेंद्र प्रसाद अम्बष्टा , यशवंत शरण अनोज कुमार सहाय , अमरेंद्र मोहन सहाय , वेद प्रकाश श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सभी लोगों के सुख समृद्धि और शांति की कामना की. शाम में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति दी , इसके उपरांत हर वर्ष की भांति सामूहिक भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में अभय मोहन सहाय , ऋषि राज चरण , सुनील श्रीवास्तव. सुशील श्रीवास्तव, प्रशांत कुमार समेत दर्जनों सदस्यों पदाधिकारी एवं उनके परिवार जनों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

सल्फास की गोली खाने से विवाहिता की मौत, परिवार में पसरा मातम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कुजूः कुजू ओपी क्षेत्र के बोंगावार स्थित कोइरी टोला में मंगलवार सुबह पति-पत्नी के बीच हुए विवाद के बाद एक विवाहिता ने सल्फास की गोली खा ली। गंभीर हालत में उसे इलाज के लिए राची रोड स्थित पॉली डॉक अस्पताल में भर्ती कराया गया।लेकिन चिकित्सको ने बेहतर इलाज रांची रेफर कर दिया । जिसके बाद परिजनों ने रांची स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका की पहचान सुषमा देवी (30 वर्ष), पति ओमप्रकाश महतो के रूप में हुई है।बताया जाता है कि मंगलवार सुबह किसी बात को लेकर सुषमा देवी और उसके पति के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद सुषमा ने कथित तौर पर सल्फास की गोली खा ली। उसकी तबीयत बिगड़ने पर परिजन आनन-फानन में उसे अस्पताल ले गए। चिकित्सकों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया।



- पति-पत्नी के बीच विवाद के बाद उठाया आत्मघाती कदम, रांची के निजी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ा

इधर, सूचना मिलने पर पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया। मामले को लेकर मृतका के मायके पक्ष के लोगों ने कुजू ओपी में आवेदन दिया है। पुलिस आवेदन के आधार पर मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। हालांकि, आत्महत्या के पीछे के वास्तविक कारणों का खुलासा पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा।

कलम के सिपाही झूलन अग्रवाल नहीं रहे, निर्भीक पत्रकारिता के एक युग का अंत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोला। निर्भीक पत्रकारिता की बुलंद आवाज और जनसमस्याओं को बेबाकी से उठाने वाले गोला प्रखंड निवासी जी न्यूज के वरिष्ठ पत्रकार झूलन अग्रवाल का निधन बुधवार की सुबह इलाज के दौरान रिम्स रांची में हो गया।उनके निधन से गोला समेत पूरे रामगढ़ जिले में शोक की लहर है। उनके असामयिक निधन की खबर से पत्रकारिता जगत स्तब्ध है। वहीं सामाजिक, राजनीतिक और प्रशासनिक क्षेत्र से जुड़े लोगों में भी गहरा दुख है। उनके अंतिम दर्शन और अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में अधिकारी, जनप्रतिनिधि, पत्रकार, समाजसेवी और विभिन्न संगठनों के लोग पहुंचे। सभी ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। झूलन अग्रवाल का व्यक्तित्व उनकी पत्रकारिता से कहीं व्यापक था। वे सरल स्वभाव, हंसमुख मिजाज और मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे। लोगों से आत्मीय संबंध रखना और सामाजिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना उनकी दिनचर्या का हिस्सा था। वे अपने व्यवहार से हर वर्ग के लोगों के बीच लोकप्रिय थे। उनके अंतिम संस्कार में उमड़ी भीड़ उनके प्रति लोगों के स्नेह, सम्मान और विश्वास की गवाही दे रही थी।



जनता की आवाज को बनाया पत्रकारिता का आधार– पत्रकारिता के क्षेत्र में झूलन अग्रवाल ने अपनी निष्पक्ष, निर्भीक और बेबाक लेखनी से विशिष्ट पहचान बनाई थी। क्षेत्र की जनसमस्याओं, आम लोगों की परेशानियों और जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाना उनकी पत्रकारिता की पहचान थी। वे केवल खबरें लिखने तक सीमित नहीं रहते थे, बल्कि आम लोगों की समस्याओं को जिम्मेदार अधिकारियों और प्रशासन तक पहुंचाने का प्रयास करते थे। उनकी पत्रकारिता में जनसरोकार और सामाजिक जिम्मेदारी की झलक साफ दिखाई देती थी।



पीछे छोड़ गए यादें, खामोश हो गई जनहित की बुलंद आवाज – समय की विडंबना देखिए, जो कल तक अपनी कलम के जरिए दूसरों की आवाज बनते थे, आज उनकी अपनी आवाज हमेशा के लिए खामोश हो गई। उनका अचानक दुनिया से चले जाना पत्रकारिता जगत के लिए ऐसी क्षति है, जिसकी भरपाई आसान नहीं होगी। एक ओर जहां पत्रकारिता ने अपना निर्भीक साथी खोया है, वहीं समाज ने अपना एक मिलनसार और संवेदनशील व्यक्तित्व खो दिया है। उनकी अंतिम विदाई में उमड़ा जनसैलाब इस बात का प्रमाण था कि उन्होंने अपने जीवन में लोगों के दिलों में कितनी गहरी जगह बनाई थी। झूलन अग्रवाल भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी बेबाक पत्रकारिता, सामाजिक योगदान और आत्मीय व्यवहार की यादें हमेशा जीवित रहेंगी। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिवार, परिजनों, मित्रों और पत्रकार साथियों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

- जी न्यूज के वरिष्ठ पत्रकार के निधन से पत्रकारिता जगत मर्माहत, अंतिम विदाई में उमड़ा जनसैलाब
- बेबाक लेखनी, जनसरोकार और आत्मीय व्यवहार को लोगों ने किया याद

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

दिमागी नक्सलवाद' पर प्रहार की जरूरत



पुरषोत्तम लाल खेतान

देश में छत्तीसगढ़ का बस्तर ज़िला नक्सलवाद से बहुत वर्षों तक प्रभावित था। पर अब नक्सलियों ने गोली और बारूद का रास्ता को समर्पण कर शस्त्र गिराकर शांति और सहयोग में आ गये हैं। इसी तरह देश से उग्र नक्सलवाद ख़त्म पर पहुँच गया है। वहीं दिमागी नक्सल सक्रिय हैं। ये देश के कोने कोने में फैले हुए हैं। दिमागी नक्सलवाद देश भर में व्याप्त है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी दीपावली के अवसर पर छत्तीसगढ़ के बस्तर में स्थित करनपुर कोबरा ऑपरेशंस बेस में जवानों के बीच रहे। उन्हें मिठाई खिलाई और उनसे अपने संबोधन से जुड़े। मोदी ने संतोष प्रकट किया कि यहां बस्तर क्षेत्र से उग्र सशस्त्र नक्सलियों का सफ़ाया हो गया है। पर वे दिमागी नक्सलवाद पर चिंताग्रस्त हैं, जो देश में विस्तृत रूप से व्याप्त है। दिमागी नक्सलियों ने कई देश के संगठनों पर कब्ज़ा जमा लिया है। वर्तमान समय में देश के संविधान और लोकतंत्र का विरोध करके लोगों को उत्तेजित कर रहे हैं। ये दिमागी नक्सली कई राजनीतिक दलों और अलग अलग संगठनों में जबरदस्ती और छिपे रूप में घुसकर देश की सुरक्षा और समृद्धि से खिलवाड़ कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि हम लोगों को इन्हें पहचानना होगा। देश और संविधान की सुरक्षा को निश्चित रूप से कायम रखना है। उन्होंने जवानों के साहस और बलिदान की सराहना की। देश का कोई भी ज़िला नक्सलवाद के चपेट से मुक्त है। वर्ष दो हज़ार चौदह के बाद मज़बूत राजनीतिक इच्छाशक्ति ने तस्वीर बदल दी है। इसके पहले भी राजनीतिक सतह पर इच्छाशक्ति काम की है। छत्तीसगढ़ क्षेत्र के मंत्री विमल चरण शुक्ला नक्सलियों के इशारे पर उनसे बातचीत करने गये थे। नक्सलियों ने उन्हें मार डाला था। पर भाजपा सरकार ने केंद्र से सुरक्षा बलों को जरूरी फैसले लेने का अधिकार दिया। उन्हें खुलकर नक्सलियों को जवाब देने की आज़ादी दी। उनके साहस को सहयोग कर बढ़ाया।

नदियों की गाद से बनेंगे राष्ट्रीय राजमार्ग बिहार के विकास को मिलेगी नई गति

विनोद सिंह 'तकियावाला'

'नदी संजीवनी' पहल से बाढ़ नियंत्रण, जलाशयों के पुनर्जीवन और सड़क निर्माण को जोड़ने की ऐतिहासिक पहल

बिहार की नदियों में जमा गाद अब राज्य के लिए केवल बाढ़ और जलजमाव की समस्या नहीं रहेगी,बल्कि विकास का नया संसाधन बनने जा रही है। नदियों और जलाशयों से वैज्ञानिक तरीके से निकाली गई उपयुक्त गाद का उपयोग राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में किया जाएगा। इस उद्देश्य से 3 नवंबर 2026 को नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय और बिहार सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की उपस्थिति में हुई यह पहल 'नदी संजीवनी' के माध्यम से जल प्रबंधन और आधारभूत संरचना के विकास को एक साथ जोड़ती है।

इसका लक्ष्य नदियों की जलवहन क्षमता में सुधार, बाढ़ के जोखिम को कम करने और निर्माण कार्यों के लिए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध उपयुक्त सामग्री का उपयोग करना है।बिहार जैसे बाढ़ प्रभावित राज्य के लिए इस समझौते का विशेष महत्त्व है। राज्य का बड़ा भूभाग गंगा के मैदानी क्षेत्र में स्थित है। गंगा के साथ गंडक, कोसी, बागमती, कमला-बालन, महानंदा, सोन और पुनपुन जैसी नदियाँ बिहार की जीवनरेखा हैं। नेपाल से आने वाली नदियों में वर्षा के मौसम में जलस्तर बढ़ने और उनके साथ बड़ी मात्रा में गाद आने से राज्य के अनेक जिलों में बाढ़ और जलजमाव की स्थिति उत्पन्न होती है। नदियों के तल में लगातार जमा होती गाद जलप्रवाह और जलधारण क्षमता को प्रभावित करती है। बिहार में 50 हजार से अधिक जल निकायों की मौजूदगी इस समस्या के व्यापक स्वरूप को दर्शाती है। ऐसे में वैज्ञानिक तरीके से गाद निकालने और उसका उपयोगी पुनः इस्तेमाल करने की पहल जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है।

इस समझौते की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें गाद को अपशिष्ट के बजाय निर्माण कार्य में उपयोगी संसाधन के रूप में देखा गया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के आकलन के अनुसार,बिहार में निर्माणाधीन 16 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में नदियों से निकाली गई लगभग 243 लाख घन मीटर गाद का उपयोग किया जाएगा। भविष्य की 27 परियोजनाओं के लिए लगभग 835 लाख घन मीटर गाद के उपयोग का प्रस्ताव है। यह सामग्री तकनीकी परीक्षण और निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरी उतरने के बाद ही सड़क निर्माण में इस्तेमाल की जाएगी। इससे सड़क निर्माण के लिए मिट्टी की उपलब्धता बढ़ेगी और प्राकृतिक ऊपरी मिट्टी के अनावश्यक दोहन को सीमित करने में मदद मिलेगी।बिहार में इस समय लगभग 1,561 किलोमीटर लंबाई की 39 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएँ निर्माणाधीन हैं, जिनकी कुल लागत करीब 58,340 करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त लगभग 1,982 किलोमीटर लंबाई की 11 नई परियोजनाएँ प्रस्तावित हैं, जिनकी अनुमानित लागत करीब 75,200 करोड़ रुपये है। इन परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर निर्माण सामग्री की आवश्यकता होगी। नदियों और जलाशयों से वैज्ञानिक तरीके से निकाली गई उपयुक्त गाद इस आवश्यकता को पूरा करने में सहायक हो सकती है। इस व्यवस्था से एक ओर जल निकायों की सफाई और पुनर्जीवन को गति मिलेगी, वहीं दूसरी ओर राजमार्ग निर्माण के लिए स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव होगा।केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी लंबे समय से बिहार में बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए व्यापक जल प्रबंधन, नदियों की ड्रेजिंग, तट संरक्षण और जल ग्रिड की अवधारणा पर जोर देते रहे हैं। पटना में आयोजित बिहार निवेशक सम्मेलन के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग और बिजली ग्रिड की तर्ज पर जल ग्रिड विकसित करने का विचार रखा था। उनका कहना था कि एक नदी बेसिन में उपलब्ध अतिरिक्त पानी को दूसरे बेसिन तक पहुँचाने की व्यवस्था से जल संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने नदियों से गाद निकालकर उसका उपयोग राजमार्ग निर्माण में करने की संभावना भी व्यक्त की थी। अब केंद्र और बिहार सरकार के बीच हुआ यह समझौता उस विचार को संस्थागत रूप देने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के अवसर पर बिहार की गाद प्रबंधन नीति को राज्य के लिए दूरगामी महत्त्व का कदम बताया। उन्होंने कहा कि बिहार में नेपाल से आने वाली सात प्रमुख नदियों के कारण बाढ़ की चुनौती गंभीर बनी रहती है। राज्य सरकार ने इस समस्या से निपटने के लिए व्यापक गाद प्रबंधन नीति तैयार की है, ताकि नदियों में जमा गाद को विकास के संसाधन में बदला जा सके। मुख्यमंत्री ने बांका जिले के ओढ़नी बांध का उदाहरण देते हुए बताया कि गाद निकालने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कराने पर लगभग 350 करोड़ रुपये की आवश्यकता बताई गई थी, जबकि राज्य सरकार की ओर से निविदा आमंत्रित किए जाने पर एक निजी ठेकेदार ने काम करने के बदले सरकार को 60 करोड़ रुपये देने की पेशकश की। इस उदाहरण से स्पष्ट होता है कि वैज्ञानिक और व्यावसायिक दृष्टिकोण अपनाने पर गाद प्रबंधन आर्थिक अवसर भी बन सकता है।मुख्यमंत्री ने गंगा के दोनों किनारों पर बिहार में चार लेन के मार्ग विकसित करने की संभावना पर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने गंगा के जलमार्गों को व्यवस्थित करने और नदी तल से गाद निकालने के माध्यम से बड़े भूभाग को उपयोगी बनाने की संभावना का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री की दृष्टि में नदी प्रबंधन को बाढ़ नियंत्रण तक सीमित रखने के बजाय कृषि, परिवहन, औद्योगिक विकास और रोजगार से जोड़ना आवश्यक है। हालाँकि, इस प्रकार की व्यापक परियोजनाओं को आगे बढ़ाने से पहले विस्तृत तकनीकी, पर्यावरणीय और सामाजिक अध्ययन जरूरी होगा, ताकि नदी के प्राकृतिक प्रवाह और पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।इस पहल की सफलता केवल गाद निकालने की मात्रा से नहीं, बल्कि उसकी वैज्ञानिक प्रक्रिया और पर्यावरणीय सुरक्षा से तय होगी। नदियों और जलाशयों की पहचान, गाद की मात्रा का आकलन, उसकी गुणवत्ता की जाँच और उपयोग की उपयुक्तता निर्धारित करना आवश्यक होगा। सड़क निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री को मंत्रालय तथा भारतीय सड़क कांग्रेस के निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप होना चाहिए। नदी के तटों, तटबंधों, पुलों और आसपास की बस्तियों की सुरक्षा का भी ध्यान रखना होगा। गाद की निकासी, ढुलाई और उपयोग की मात्रा का पारदर्शी रिकॉर्ड तथा नियमित निगरानी इस पूरी व्यवस्था को जवाबदेह बनाएगी। बिहार सरकार की गाद प्रबंधन नीति और केंद्र के साथ हुए इस समझौते का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब क्रियान्वयन में पर्यावरणीय संतुलन और स्थानीय समुदायों के हितों को प्राथमिकता दी जाएगी।बिहार में सड़क अवसंरचना का विस्तार भी इस पहल को विशेष महत्त्व देता है। वर्ष 2014 के बाद राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई और निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2014 के बाद राज्य की प्रमुख नदियों पर 29 नए पुलों के निर्माण की दिशा में भी काम हुआ है। बेहतर सड़क संपर्क से कृषि उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने, औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने, पर्यटन विकसित करने और रोजगार के अवसर सृजित करने में सहायता मिलती है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हाल ही में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से लगभग 49,751 करोड़ रुपये की चार प्रमुख सड़क एवं एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं को शीघ्र मंजूरी देने का अनुरोध किया था। इनमें पटना-पूर्णिया ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे, सरिस्ताबाद-दीदारगंज और अनीसाबाद-दीदारगंज खंडों में एलिवेटेड मार्ग, वाराणसी- रांची-कोलकाता ग्रीनफील्ड राजमार्ग तथा गंडक नदी पर पुल निर्माण जैसी परियोजनाएँ शामिल हैं।

(स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)



"डर केवल एक भ्रम है जो हमारे दिमाग में पैदा होता है, और इसका कोई वास्तविक अस्तित्व नहीं होता।"
- स्वामी विवेकानंद

"भाग्य उनका साथ देता है जो हर परिस्थिति में हिम्मत नहीं हारते।" -वर्जिल



शुभ संवत 2083, शाके 1948, माहः कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि आज (11 नवंबर) दोपहर 03:53 बजे से प्रारंभ होकर कल (12 नवंबर) शाम 06:09 बजे तक रहेगी। सर्वश्रेष्ठ शुभ समय : सुबह 11:43 से दोपहर 12:27 बजे तक। विजय मुहूर्तः दोपहर 01:53 से दोपहर 02:36 बजे तक।

आज जन्म लिए बालक का फल...

इस राशि और नक्षत्र में जन्मे जातक बहुत ही तेज बुद्धि, साहसी, और स्पष्टवादी होते हैं। इनमें नेतृत्व करने की अद्भुत क्षमता होती है । इनकी अनुसंधान, तकनीकी, प्रबंधन, प्रशासनिक कार्यों या चिकित्सा के क्षेत्र में विशेष रुचि और सफलता मिलती है।

मेष राशि : कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। इस राशि के मंत्रियों की विदेशी यात्राएं हो सकती हैं।

वृष राशि : आज दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। कई दिनों से रुका हुआ काम पूरा हो जाएगा।

मिथुन राशिःघरवालों के साथ कहीं बाहर घूमने जाना आपके लिए अच्छा रहेगा।

कर्क राशि : आज आपको उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिलेगा।

सिंह राशिः किसी पुरानी बात को लेकर आप उलझन की स्थिति में आ सकते हैं।

कन्या राशिःआज आपका दिन उत्तम रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन सफलता दिलाने वाला रहेगा।

तुला राशि : इस राशि के लवमेट के लिए आज का दिन बढ़िया है। थोड़ी मेहनत से किसी बड़े धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा।

वृश्चिक राशिःआज किसी बड़ी कंपनी से आपके लिए जॉब का ऑफर आ सकता है।

धनु राशिःआज अपने किसी रुके काम को पूरा करने का सही समय है।

मकर राशिःआज आपको दूसरों का मूड समझने में बहुत हद तक सफलता मिलेगी।

कुंभ राशिःदूसरों के साथ बातचीत या सलाह करने से आपको फायदा होगा।

मीन राशिःआज आप मेहनत, धैर्य और समझदारी से रुके हुए कार्यों को पूरा कर लेंगे।

युवाओं में जीवन से पलायन की खतरनाक प्रवृत्ति

मनोज कुमार अग्रवाल

युवाओं में आत्महत्या (सुसाइड) और जीवन से पलायन करने की बढ़ती प्रवृत्ति आज एक अत्यंत गंभीर और चिंताजनक सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य मुद्दा बन चुकी है। आधुनिक जीवनशैली, अत्यधिक दबाव और सामाजिक बदलावों ने युवाओं को एक ऐसे चौराहे पर खड़ा कर दिया है जहाँ वे कई बार दिशाहीन और असहाय महसूस करने लगते हैं।विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के वैश्विक डेटा के अनुसार, पूरी दुनिया में हर साल लगभग 7,20,000 से अधिक लोग आत्महत्या से अपनी जान गंवाते हैं। दुनिया में हर 40 सेकंड में लगभग एक व्यक्ति आत्महत्या के कारण मर जाता है। 15 से 29 वर्ष के युवाओं के बीच दुनिया भर में मौत का यह चौथा सबसे बड़ा कारण बन चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि हर एक सफल आत्महत्या के पीछे कम से कम 20 या उससे अधिक बार आत्महत्या के प्रयास किए जाते हैं। दुनिया भर में होने वाली कुल आत्महत्याओं का लगभग 73% से 77% हिस्सा निम्न और मध्यम आय वाले देशों में होता है, जिसमें भारत भी शामिल है। भारत सरकार के नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर साल लगभग 1.70 लाख से अधिक लोग आत्महत्या करते हैं।

वर्ष 2024 में भारत में कुल 1,70,746 लोगों ने आत्महत्या की, जबकि 2023 में यह संख्या 1,71,418 थी। भारत में प्रति 1,00,000 आबादी पर आत्महत्या की दर 12.2 है। कुल मामलों में पुरुषों की संख्या लगभग 73.5% है, जिसमें दिहाड़ी मजदूर और छात्र सबसे संवेदनशील समूहों में शामिल हैं। महाराष्ट्र, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश में देश की कुल आत्महत्याओं के करीब एक-तिहाई मामले दर्ज होते हैं।

अब आपको अक्टूबर माह के अंतिम दिन अख़बार की सुरखी बने सुसाइड मामलों की बानगी से अवगत कराते हैं ताकि आप आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं को समझें पुणे से एक खौफनाक घटना सामने आई 30 अक्टूबर को एक महिला ने अपने 6 साल के बेटे के साथ 18वीं मंजिल से छलांग लगाकर जान दे दी. यह घटना एक हाई-प्रोफाइल सोसायटी में फुटेज में महिला अपने बेटे के साथ 18वीं मंजिल पर जाती दिखाई दे रही है पुलिस आत्महत्या के पीछे के कारणों की जांच कर रही है.मामला पुणे के पिंपरी-चिंचवड़ शहर के थेरगांव वाकड इलाके में सिग्नेचर पार्क नाम की एक हाई-प्रोफाइल सोसायटी का है, यहां 33 साल की एकता भांगड ने अपने 6 साल के बेटे माधव भांगड के साथ इमारत की 18वीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली. जानकारी के मुताबिक, एकता भांगड अपने पति मनोज भांगड और बेटे माधव के साथ पिछले कुछ सालों से इस सोसायटी में रह रही थी जानकारी मिलते ही वाकड पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और पंचनामा भरकर आगे की जांच शुरू की. मृतक महिला का परिवार मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला है. वे पिछले दो सालों से इस सोसायटी की सातवीं मंजिल पर रह रहे थे. मृतक महिला का पति मनोज भांगड यरवदा स्थित एक आईटी कंपनी में काम करता है।

मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले से ऐसी हृदयविदारक घटना सामने आई है, जिसने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है. यहां दो सगी बहनों ने अलग-अलग जगहों पर अपने बच्चों के साथ कुएं में कूदकर जान दे दी. पहली घटना में पति की मौत के सदमे से गुजर रही 8 महीने की गर्भवती महिला ने अपने बेटे के साथ जान दी, जबकि कुछ घंटे बाद उसकी बड़ी बहन ने भी अपने तीन बच्चों के साथ कुएं में छलांग लगा दी. इन घटनाओं में दो बहनों और चार मासूम बच्चों समेत कुल 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि गर्भ में पल रहे शिशु की भी जान चली गई।

इसी तरह राजस्थान की राजधानी जयपुर से इस वक्त एक हादसे में पूर्णिमा यूनिवर्सिटी की छठी मंजिल से एक छात्रा कूद गई है. छात्रा के कूदने से यूनिवर्सिटी में हड़कंप मच गया है. प्रशासन ने इलाके को सील कर जांच शुरू कर दी है. इस हादसे के बाद यूनिवर्सिटी को फिलहाल बंद कर दिया है. पूर्णिमा यूनिवर्सिटी से छात्रा से कूदने का एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है. इस वीडियो में छात्रा छत की छठी मंजिल पर बिल्कुल किनारे बैठी नजर आ रही है.पूर्णिमा यूनिवर्सिटी की छठी मंजिल से कूदने वाली छात्रा की पहचान यशस्वी रोहिला के रूप में हुई है. एमबीए सेकंड ईयर की स्टूडेंट है. बताया जाता है कि यशस्वी जयपुर के गुर्जर की थड़ी इलाके के प्रेम नगर की रहने वाली है. शिवदासपुरा थाना की पुलिस मौके पर जांच में जुटी है.

कब तक अभियान और अनुदान के भरोसे होगा जल संरक्षण ?

नीलेश वर्मा

- अब हर नागरिक को लेना होगा 'अपनी जरूरत-अपना जल' का संकल्प

जल संकट अब किसी एक गांव, शहर या प्रदेश की समस्या नहीं रह गया है, देश के अनेक जिले आज तेजी से सूखाग्रस्त घोषित हो रहे हैं। अनियमित मानसून एवं भूजल के लगातार गिरते स्तर से आने वाले समय की बड़ी चुनौती हमारे सामने खड़ी है। बारिश का मौसम अभी समाप्त ही हुआ है और जल का पर्याप्त संचय नहीं कर पाने का परिणाम हमारे सामने है। आज सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर कब तक जल संरक्षण के नाम पर हम अभियान, सरकारी योजनाएं और आर्थिक अनुदान के भरोसे बैठे रहेंगे? क्या जल संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी है? इसलिए अब प्रत्येक नागरिक को अपनी भूमिका निभानी होगी, क्योंकि जल ही जीवन है और यही हमारे कल को निर्धारित करेगा। भारत में विभिन्न राज्यों के अनेक जिलों में सूखे की स्थिति नीचे जानेंगे, जो आगामी ग्रीष्म ऋतु में गंभीर जल संकट का रूप ले सकती है।

हाल के दिनों में महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश सहित देश के कई राज्यों में सूखे के हालात ने इस सवाल को और गंभीर बना दिया है। महाराष्ट्र में सितंबर 2026 में पहले 265 तालुकाओं को सूखाग्रस्त घोषित किया गया, वहीं अक्टूबर में इस सूची का विस्तार करते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 305 तालुकाओं को सूखा प्रभावित क्षेत्र में शामिल करने की जानकारी दी। प्रभावित किसानों को तत्काल राहत देने के लिए 5 हजार रुपये की अग्रिम सहायता के साथ ही भू-राजस्व, फसल ऋण और बिजली बिलों में रियायत जैसे कदम उठाए गए। यह स्थिति बताती है कि सूखे का दायरा कितना व्यापक हो सकता है और उसका असर केवल खेती तक सीमित नहीं रहता, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और आम जनजीवन को भी प्रभावित करता है।

मध्य प्रदेश में भी कम बारिश के कारण कई क्षेत्रों में चिंता की स्थिति बनी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में 27 अक्टूबर को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में कम वर्षा से प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति की समीक्षा की गई। प्रभावित जिलों में सूखे के आकलन के लिए वैज्ञानिक मापदंडों के आधार पर स्थानीय स्तर पर सर्वे कराने और किसानों को राहत देने की दिशा में कार्यवाही पर जोर दिया गया। दूसरी ओर सिंचाई परियोजनाओं को मजबूत करने के लिए 3,378 करोड़ 69 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई। यह स्पष्ट है कि सरकारें संकट के समय राहत और दीर्घकालीन सिंचाई व्यवस्था के लिए प्रयास कर रही हैं, लेकिन केवल राहत और परियोजनाओं से जल संकट का स्थायी समाधान संभव नहीं है। सूखे की स्थिति सामने आने के बाद राहत पैकेज, मुआवजा, टैंकरों से जलापूर्ति और अतिरिक्त बजट की जरूरत पड़ती है। ये सभी कदम संकट के समय आवश्यक हैं। किसानों को राहत मिलनी चाहिए और आम नागरिकों को पेयजल उपलब्ध कराना सरकार का दायित्व है। लेकिन हमें यह भी समझना होगा कि संकट आने के बाद राहत देना और संकट आने ही न देने के लिए पानी सहेजना, दोनों अलग-अलग विषय हैं। यदि हर साल बारिश के बाद पानी बिना एकत्र किये ही बहकर निकलता रहेगा और भूजल का दोहन उसकी भरपाई से अधिक होगा तो देश की निर्भरता सरकारी योजनाओं और अनुदान पर बढ़ती जाएगी।

देश के प्रत्येक नागरिक को जल संरक्षण के लिए अपनी सोच बदलने का समय आ गया है। अब जल संरक्षण को किसी सरकारी अभियान, योजना या अनुदान तक सीमित न रखकर व्यक्तिगत जिम्मेदारी और सामाजिक संकल्प बनाना होगा। प्रत्येक नागरिक को यह समझना होगा कि जितना पानी वह उपयोग करता है, उसके संरक्षण और पुनर्भरण में भी उसकी उतनी ही भागीदारी होनी चाहिए। इसी सोच को 'अपनी जरूरत-अपना जल' के सिद्धांत के रूप में अपनाना होगा।

इसके लिए सबसे पहले वर्षा जल संचयन को घर, निजी एवं सरकारी भवन, स्कूल, कार्यालय और सार्वजनिक संस्थानों की अनिवार्य व्यवस्था बनाने की जरूरत है, जिससे अपनी जरूरतों के अनुसार जल संचय किया जा सके। इसके लिए छतों पर गिरने वाले बारिश के पानी को नालियों में बहाने के बजाय संग्रहित किया जाए या रिचार्ज पिट के माध्यम से जमीन में पहुंचाया जाए। गांवों में पुराने तालाबों, कुओं, बावड़ियों और जल संरचनाओं को पुनर्जीवित किया जाए। खेतों में मेड़बंदी, प्रत्येक छोटी नदी जो अब नाले के रूप में बह रही है, उन पर छोटे चेकडैम, खेत तालाब और जलग्रहण क्षेत्र का विकास करना होगा। शहरों में जल निकासी की व्यवस्था ऐसी हो कि बारिश का पानी केवल बाढ़ और जलभराव का कारण न बनते हुए स्वच्छ भूजल के पुनर्भरण का माध्यम भी बने। भारत में जल संरक्षण की सफलता केवल योजनाएं बनाने से नहीं मिलेगी, बल्कि पानी के उपयोग में अनुशासन भी उतना ही जरूरी है। घरों में अनावश्यक बहते नल बंद करना व मीटर का प्रयोग आवश्यक है। जरूरत के अनुसार पानी का उपयोग करना और जहां संभव हो वहां उपयोग किए गए पानी का पुनः इस्तेमाल करना छोटे कदम जरूर हैं, लेकिन सामूहिक रूप से इनका बड़ा प्रभाव हो सकता है। खेती में भी फसल चयन, सिंचाई की आधुनिक तकनीक और स्थानीय जल उपलब्धता के अनुरूप कृषि पद्धतियां अपना कर किसान भाई सीमित जल का उचित प्रयोग कर सकते हैं। आज कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली तकनीकों और फसलों को प्रोत्साहित करना समय की मांग है, जिसे सरकार व आमजन को संयुक्त रूप से पूरा करना होगा।

जल संरक्षण में सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण है, लेकिन प्रत्येक नागरिक की भागीदारी के बिना कोई भी योजना पूरी तरह सफल नहीं हो सकती। पंचायतों, नगरीय निकायों, सामाजिक संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों को अपने-अपने क्षेत्र में जल बजट तैयार करने की दिशा में काम करना चाहिए। हर गांव और शहर यह आकलन करे कि उसके पास वर्षा के माध्यम से कितना पानी उपलब्ध होता है, कितनी खपत होती है और कितना पानी भूजल के रूप में वापस जमीन में पहुंचाया जा रहा है। जब तक स्थानीय स्तर पर पानी का हिसाब नहीं होगा, तब तक जल प्रबंधन की योजनाएं भी अधूरी रहेंगी। आज आवश्यकता इस बात की नहीं है कि हर साल नए अभियान की घोषणा हो या जल संरक्षण के नाम पर अनुदान की प्रतीक्षा की जाए। आवश्यकता इस बात की है कि पहले से उपलब्ध जल स्रोतों को बचाने, वर्षा जल को रोकने और भूजल स्तर बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास हों। सरकारी सहायता को जनभागीदारी का विकल्प नहीं, बल्कि उसे गति देने का माध्यम बनाया जाए। जल संरक्षण का काम केवल बजट खर्च करने या लक्ष्य पूरा करने तक सीमित न रहे, बल्कि उसका परिणाम जमीन पर दिखाई देना चाहिए। पानी प्रकृति का ऐसा संसाधन है, जिसका कोई वास्तविक विकल्प नहीं है। आज हम जितना जल बचाएंगे, आने वाली पीढ़ियों को उतना ही सुरक्षित भविष्य दे सकेंगे। इसलिए जल संकट को केवल सूखे के समय याद करने के बजाय इसे सालभर की प्राथमिकता बनाना होगा। हर नागरिक, हर परिवार, हर गांव और हर शहर को यह संकल्प लेना होगा कि अपनी जरूरत का पानी बचाने और सहेजने की जिम्मेदारी स्वयं निभाएंगे। अब जल संरक्षण का मूलमंत्र केवल अभियान नहीं, व्यवहार परिवर्तन होना चाहिए, क्योंकि भविष्य में पानी की उपलब्धता इस बात से तय होगी कि आज हमने उसे कितना सहेजा है। 'अपनी जरूरत, अपना जल' केवल नारा नहीं, आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी और जल आत्मनिर्भरता का संकल्प बनना चाहिए।

(- लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

दान की महिमा जीवन को महान बनाने का सबसे पवित्र मार्ग है

कांतिलाल मांडोत

मनुष्य के जीवन की वास्तविक सार्थकता केवल धन कमाने और सुख-सुविधाओं का संग्रह करने में नहीं, बल्कि अपने अर्जित संसाधनों से दूसरों के जीवन में खुशियां लाने में है। भारतीय संस्कृति और धर्म परंपरा में दान को हमेशा सर्वोच्च स्थान दिया गया है। दान केवल धन या वस्तु देने का नाम नहीं, बल्कि करुणा, उदारता, परोपकार और मानवीय संवेदनाओं की अभिव्यक्ति है। एक प्रसिद्ध लोकोक्ति है- भीख में से भीख दे, तीन लोक जीत ले। इसका भाव यही है कि जिसके पास स्वयं बहुत कम है, वह भी अपनी सामर्थ्य के अनुसार किसी जरूरतमंद की सहायता कर सकता है। दान का मूल्य वस्तु की कीमत से नहीं, बल्कि देने वाले की भावना से निर्धारित होता है। संतों और महापुरुषों ने कहा है कि धन की तीन गतियां होती हैं- दान, भोग और नाश। जो धन दूसरों के काम आता है, वही धन सार्थक होता है। जो व्यक्ति न स्वयं उसका सदुपयोग करता है और न किसी जरूरतमंद को देता है, उसका धन अंततः नष्ट हो जाता है। इसलिए जीवन में संचय के साथ सदुपयोग और परोपकार का भाव भी आवश्यक है। अनुभव बताता है कि केवल संग्रह करने से मनुष्य को स्थायी संतोष नहीं मिलता, जबकि दूसरों के साथ बांटने से आत्मिक आनंद और समाज में सम्मान प्राप्त होता है। यही कारण है कि भारतीय चिंतन में कहा गया है कि कमाई अपने हाथों से करो और दान हजार हाथों से करो।

प्रकृति भी हमें देने का संदेश देती है। सूर्य बिना किसी भेदभाव के प्रकाश देता है, वायु सभी को जीवन प्रदान करती है और नदियां अपना जल दूसरों के लिए बहाती हैं। वृक्ष स्वयं धूप और वर्षा सहन करके दूसरों को फल, छाया और प्राणवायु देते हैं। प्रकृति का प्रत्येक तत्व हमें सिखाता है कि जीवन का उद्देश्य केवल लेना नहीं, बल्कि देना भी है। मनुष्य प्रकृति से जीवनभर अनेक उपहार प्राप्त करता है। इसलिए उसके प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का एक मार्ग परोपकार और दान भी है। जैसे किसान खेत में बीज डालता है और कुछ समय बाद वही बीज अनेक गुना होकर लौटता है, वैसे ही निस्वार्थ भाव से किया गया दान भी जीवन में सद्भाव और पुण्य का आधार बनता है। दान करते समय भावना की पवित्रता सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। दान का उद्देश्य किसी पर उपकार जताना, अपना नाम चमकाना अथवा प्रसिद्धि प्राप्त करना नहीं होना चाहिए। वास्तविक दानी वही है जो बिना किसी अपेक्षा के जरूरतमंद की सहायता करे। दान लेने वाले के प्रति सम्मान और विनम्रता का भाव रखना चाहिए। किसी की मजबूरी का प्रदर्शन करना या दान देकर उसका अपमान करना दान की मूल भावना के विपरीत है। सेवा का सच्चा आनंद तभी मिलता है जब देने वाले के मन में अहंकार नहीं, बल्कि करुणा और आत्मीयता हो। दान के अनेक स्वरूप हैं। ज्ञानदान, अभयदान, वस्त्रदान, औषधदान, आवासदान और आहारदान सभी का अपना महत्व है। इनमें आहारदान को विशेष रूप से महादान माना गया है, क्योंकि भोजन जीवन का आधार है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल उसकी भूख मिटाना नहीं, बल्कि उसे जीवन जीने की शक्ति देना है। धन, वस्त्र और अन्य सुविधाएं बाद में भी प्राप्त हो सकती हैं, लेकिन भूख की पीड़ा तत्काल भोजन मांगती है। इसलिए किसी जरूरतमंद को भोजन कराना मानवीय सेवा का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है। गौतम बुद्ध से जुड़ा एक प्रसंग दान की भावना को सुंदर ढंग से समझाता है। एक दिन कुछ बालक खेल रहे थे। बुद्ध वहां से गुजरे तो एक बालक ने उनसे कहा कि बाबा, दान लो। बुद्ध ने अपनी झोली फैला दी और बालक ने उसमें रेत डाल दी। शिष्य ने आश्चर्य से पूछा कि आपने रेत क्यों स्वीकार की? बुद्ध ने समझाया कि रेत का कोई विशेष मूल्य नहीं, लेकिन बालक के मन में दान करने की भावना जागी है।

यदि मैं उसका दान अस्वीकार कर देता तो उसकी उदारता का भाव कमजोर हो सकता था। आज वह रेत दे रहा है, संभव है कि कल अपनी सामर्थ्य के अनुसार भोजन भी दान करे। इस प्रसंग से स्पष्ट होता है कि दान की शुरुआत छोटी भावना से होती है, लेकिन उसका प्रभाव बहुत व्यापक हो सकता है। जैन धर्म में आहारदान का विशेष आध्यात्मिक महत्व है। श्रावक के बारह व्रतों में अतिथि संविभाग व्रत भी शामिल है। इसका आशय है कि

संक्षिप्त समाचार

1322 यात्रियों से 10.39 लाख रुपए जुर्माना वसूला, सोनपुर मंडल में बरौनी समेत कई स्टेशनों और ट्रेनों में चेकिंग

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेलवे के सोनपुर मंडल में 9 नवंबर को बिना टिकट और अनियमित टिकट पर यात्रा करने वालों के खिलाफ विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान कुल 1322 यात्रियों पर कार्रवाई की गई। उनसे जुर्माना और किराए के रूप में 10 लाख 39 हजार 670 रुपए वसूले गए। मंडल रेल प्रबंधक अमित सरन के मार्गदर्शन और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक धीरज कुमार के निर्देशन में यह अभियान चलाया गया। इसमें वाणिज्य विभाग, टिकट जांच कर्मियों और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की टीम शामिल रही। अभियान के तहत सोनपुर, हाजीपुर, बरौनी, बेगूसराय, मानसी, खगड़िया और नवगछिया समेत मंडल के विभिन्न स्टेशनों और ट्रेनों में जांच की गई। बिना टिकट यात्रा करने, टिकट में निर्धारित श्रेणी से अलग श्रेणी में सफर करने और बिना उचित अनुमति यात्रा करने वाले यात्रियों को पकड़ा गया। उनसे नियमानुसार जुर्माना और किराया वसूला गया। रेल प्रशासन ने यात्रियों से वैध टिकट लेकर और टिकट में निर्धारित श्रेणी के अनुसार ही यात्रा करने की अपील की है। बिना टिकट या अनियमित टिकट पर यात्रा करना रेलवे अधिनियम के तहत दंडनीय है। सोनपुर मंडल प्रशासन ने कहा कि रेलवे राजस्व की सुरक्षा और अनियमित यात्रा पर रोक लगाने के लिए इस तरह के टिकट जांच अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

भूमि विवाद में 10 राउंड फायरिंग, 2 घायल, बाइक सवारों ने चलाई गोलियां, तनाव के बाद 3 थानों की पुलिस तैनात



हाजीपुर। वैशाली के मंगलवार की देर रात भूमि विवाद को लेकर बाइक सवार अपराधियों ने ताबड़तोड़ करीब 10 राउंड फायरिंग की। गोलीबारी में दो लोग घायल हो गए, जिन्हें महुआ अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना महुआ थाना क्षेत्र अंतर्गत हरपुर गंगाराम गांव की है। हरपुर गंगाराम निवासी सोनू कुमार ने बताया कि फायरिंग में सुमित्रा देवी और देवेंद्र महतो को गोली लगी है। दोनों घायलों का महुआ अनुमंडल अस्पताल में इलाज चल रहा है। सोनू कुमार ने बताया कि यह सारा मामला भूमि विवाद का है। उन्होंने आरोप लगाया कि मिर्जा नगर से आए बदमाशों ने उनके घर एवं लोगों को निशाना बनाते हुए फायरिंग की। सोनू कुमार ने बताया कि सबसे पहले बदमाशों ने बेजुबान पशु के ऊपर भी हमला कर दिया। इसके बाद घर की ओर फायरिंग शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि लगभग 20 से अधिक की संख्या में बदमाश मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए थे। बदमाशों ने एक के बाद एक करीब 10 राउंड फायरिंग की, जिससे गांव में अफरा-तफरी मच गई। लोग जान बचाने के लिए घरों में छिप गए। घटना की सूचना मिलते ही महुआ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए तीन थानों की पुलिस घटनास्थल पर तैनात की गई है। पुलिस ने गांव में गश्त बढ़ा दी है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। सोनू कुमार ने कहा कि लगभग 20 वर्षों से यह भूमि विवाद का मामला चला आ रहा है। उन्होंने कहा कि हमें अपना हक चाहिए। उन्होंने वरीय पदाधिकारियों से मांग की कि मामले की जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए और हमारे परिवार को इंसाफ मिले। गोलीबारी के बाद गांव में लोग डरे-सहमे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से सुरक्षा की मांग की है। इधर मामले की सूचना मिलने पर पहुंची महुआ पुलिस ने घटनाक्रम की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस ने गांव में शांति बनाए रखने के लिए अतिरिक्त बल तैनात कर दिया है।

'विकसित भारत 2047' के विजन पर हुई चर्चा, डॉ. दिनेश शाहरा ने छात्रों को दिया 'कॉन्शियस लीडरशिप' का मंत्र

पटना। युवाओं में नेतृत्व क्षमता, नैतिक मूल्यों और जीवन के स्पष्ट उद्देश्य की भावना विकसित करने के उद्देश्य से प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी डॉ. दिनेश शाहरा ने गांधीधाम स्थित टोलानी मोटवाने इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज में विशेष इंटरैक्टिव लीडरशिप प्रोग्राम को संबोधित किया। दिनेश शाहरा फाउंडेशन (DSF) की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने विद्यार्थियों को आत्म-जागरूकता, आंतरिक नेतृत्व और माइंडफुलनेस के महत्व से परिचित कराते हुए देश के जिम्मेदार और उद्देश्यपूर्ण भावी नेतृत्वकर्ता बनने के लिए प्रेरित किया। अपनी उद्यमिता की यात्रा और जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए डॉ. शाहरा ने छात्रों से कहा, "सच्चे नेतृत्व की शुरुआत स्वयं का नेतृत्व करने से होती है। लीडरशिप केवल किसी पद, अधिकार या पेशेवर सफलता तक सीमित नहीं है। एक सच्चा लीडर वह है जो अपने नैतिक मूल्यों को समझता है, जिसके पास जीवन का स्पष्ट उद्देश्य है और जो समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रयासरत रहता है।" इंटरैक्टिव सेशन के दौरान छात्रों ने डॉ. शाहरा से सीधे सवाल पूछे और एक जिम्मेदार व जागरूक लीडर बनने के आवश्यक गुणों को समझा। कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेने वाले छात्रों को सर्टिफिकेट भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एक विशेष गाइडेड मेडिटेशन सेशन रहा। इसमें छात्रों को मन की शांति, माइंडफुलनेस और आत्म-जागरूकता का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। डॉ. शाहरा ने बताया कि स्वयं से जुड़ने और अपने मन को शांत रखने से विचारों में स्पष्टता आती है, भावनात्मक संतुलन बना रहता है और विपरीत परिस्थितियों में भी बेहतर निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत @2047' के विजन तथा 'शिक्षित भारत, विकसित भारत' की अवधारणा के अनुरूप रहा। डॉ. शाहरा ने कहा कि आजादी के 100 वर्ष पूरे होने तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए केवल आर्थिक प्रगति और तकनीकी विकास ही काफी नहीं है; इसके लिए जागरूक नागरिकों, नैतिक रूप से मजबूत युवाओं और सक्षम नेतृत्व की आवश्यकता है। दिनेश शाहरा फाउंडेशन देशभर के शैक्षणिक संस्थानों में युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। फाउंडेशन मुख्य रूप से शिक्षा, युवा सशक्तिकरण, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और गौसेवा के क्षेत्रों में समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा है।

अनंत ने खेसारी को दिया बेटी की शादी का न्योता, वीडियो कॉल पर हुई बात, 20 नवंबर से शुरू होगी रस्में

पटना। बिहार के मोकामा विधायक अनंत सिंह अपनी बेटी की शादी को लेकर चर्चा में हैं। शादी की तैयारियों, दामाद को मिलने वाले गिफ्ट से लेकर पहुंचने वाले मेहमानों की बातें हो रही हैं। गेस्ट लिस्ट में भोजपुरी सिंगर-एक्टर खेसारी लाल का भी नाम जुड़ गया है। अनंत सिंह ने खेसारी लाल यादव को बेटी की शादी का न्योता दिया है। दोनों के बीच वीडियो कॉल पर बातचीत हुई। जिसका वीडियो सामने आया है। भोजपुरी एक्टर ने 25 नवंबर को आने की बात कही। बता दें कि, अनंत सिंह की बेटी शादी की रस्में 20 नवंबर से शुरू होंगी। 20 को तिलक होगा, जबकि 25 नवंबर को शादी है। समारोह को खास और भव्य बनाने की तैयारी की जा रही है। शादी में जयपुर थीम पर जयमाला स्टेज तैयार किया जाएगा। इसके लिए विशेष सजावट की योजना बनाई गई है। अनंत सिंह ने खेसारी लाल यादव से वीडियो कॉल पर बातचीत की। खेसारी लाल यादव से अनंत सिंह कहते हैं, हां, 25 के आबो.. इसपर भोजपुरी स्टार हैं, 25 को हमारे घर के सामने लड़की की शादी है तो हम दिन में आकर घूम जाएंगे। जिसके बाद अनंत सिंह ने कहा- हां-हां। अगर 20 को छुट्टी है तो 20 को आबो.. इसपर खेसारी लाल यादव कहते हैं कि दादा, हम एक कार्यक्रम में हैं पटना पहुंच कर आपको कॉल करते हैं। समस्तीपुर में एक कार्यक्रम में है तो हम उसी में पहुंचे हैं। रात में पूर्णिया में हैं। इसपर अनंत सिंह कहते हैं ठीक हैं।

2 महीने से लापता युवक का अब तक कोई सुराग नहीं

परिजन ने दोस्त पर हत्या की आशंका जताई, एसएसपी-डीजीपी से मिलकर की कार्रवाई की मांग

एजेंसी, पटना

बाढ़ अनुमंडल के अथमलगोला थाना क्षेत्र के इंग्लिश गांव के कुंदन कुमार दो महीने से लापता हैं। उनके परिजनों ने दोस्त अंगद कुमार उर्फ सूर्या सोलंकी पर हत्या की आशंका जताई है। उनका शक है कि कुंदन की हत्या कर शव गंगा में बहाया गया हो सकता है। कुंदन के भाई चन्दन कुमार ने एसएसपी, डीजीपी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने जल्द कार्रवाई कर सूर्या को गिरफ्तार करने और कुंदन का पता लगाने की मांग की।

कुंदन के चाचा विनय कुमार के मुताबिक, कुंदन 9 सितंबर 2026 की रात करीब 10 बजे पटना के बहादुरपुर थाना क्षेत्र की न्यू कुंज कॉलोनी से मरीन ड्राइव जाने के बाद लापता हो गए। परिवार ने उनकी तलाश शुरू की। इस दौरान पता चला कि वह दोस्त अंगद कुमार उर्फ सूर्या सोलंकी के साथ थे। सूर्या बाढ़ के बेल्लौर गांव का रहने वाला है और घटना के



समय न्यू कुंज कॉलोनी में रह रहा था। परिजनों ने सूर्या से बात की और उसकी दी जानकारी के आधार पर बहादुरपुर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने जांच शुरू की, लेकिन कुंदन का पता नहीं चला। परिवार को कुंदन के मरीन ड्राइव जाने का सीसीटीवी फुटेज भी मिला।

गलत जानकारी देकर परिजन को गुमराह करने का आरोपः इसके बाद परिजनों ने सूर्या पर कुंदन के अपहरण और हत्या का शक जताते हुए पुलिस को लिखित आवेदन दिया। उनका कहना है कि आवेदन देने के बाद से सूर्या फरार है। परिजनों को शक है कि उसने अपने दो अन्य दोस्तों के साथ मिलकर कुंदन की हत्या की। परिजनों का आरोप है कि सूर्या बार-बार गलत जानकारी देकर उन्हें गुमराह कर रहा था। उनका कहना है कि मरीन ड्राइव साथ जाने के बाद सूर्या के पैर में चोट थी। इससे उन्हें दोनों के बीच झड़प होने का शक हुआ।

परिजनों का कहना है कि दो महीने बाद भी पुलिस ने कार्रवाई नहीं की है और जांच उनके दिए सबूतों और जानकारी तक सीमित है। उन्होंने फरार सूर्या सोलंकी को गिरफ्तार करने और जांच जल्द पूरी करने की मांग की है।

पुलिस दोस्त को खोज रहीः बहादुरपुर थाना अध्यक्ष ने कहा कि लापता युवक की खोजबीन की जा रही है, फरार दोस्त की गिरफ्तारी हेतू छापामारी की जा रही है।

घर पर फायरिंग और तोड़फोड़, 10 दिन पहले लड़की से छेड़छाड़ हुई थी



एजेंसी, पटना

- शिकायत करने पर आरोपियों ने किया हंगामा

पटना जिले के बाढ़ थाना क्षेत्र के ढकवाहाचक गांव में देर रात कुछ लोगों ने एक घर में तोड़फोड़ की। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि आरोपियों ने दो राउंड फायरिंग भी की। जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। परिवार के मुताबिक, तोड़फोड़ करने वाले युवक गांव के ही हैं। 10 दिन पहले उनकी बहन के साथ छेड़छाड़ हुई थी। इस मामले में थाने में लिखित शिकायत दी गई, लेकिन पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। इसके बाद आरोपियों ने देर रात घर के पास हंगामा किया। विरोध करने पर तोड़फोड़ और फायरिंग की।

'पहले भी मारपीट हुई थी': पीड़ित परिवार के सदस्य सोनू कुमार ने कहा कि करीब 10 दिन पहले छठ पर्व के लिए उनकी बहन गाय का गोबर लेने गई थी, तभी उसके साथ छेड़छाड़ की गई। करीब तीन साल पहले दीपावली के दिन आरोपियों ने उनके परिवार के साथ मारपीट की थी।

थाने को मामले की जानकारी नहीं: मामले की सूचना पर डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची। वहीं, इस संबंध में बाढ़ थानाध्यक्ष पूर्णेन्दु कुमार कहना है कि ढकवाहाचक गांव में ऐसी किसी घटना की जानकारी थाने को नहीं है। फिर भी पुलिस अपने स्तर से छानबीन कर रही है।

किराए के मकान में युवक ने सुसाइड किया, फंदे से लटककर दी जान

एजेंसी, पटना

जक्कनपुर थाना क्षेत्र के संजय नगर रोड नंबर-5 स्थित परमिला निवास में बुधवार शाम एक युवक का शव फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान नवादा निवासी मनु कुमार (23 वर्ष) के रूप में हुई है। वह पटना में रहकर रैपिडो चलाता था। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, मनु कुमार अपने चाचा और एक अन्य युवक के साथ पिछले छह महीने से मकान में किराए पर रह रहा था।

खिड़की से अंदर झांककर देखा तो युवक फंदे से लटका दिखाः मकान मालकिन उर्मिला देवी ने बताया कि बुधवार शाम युवक के चाचा बाहर से लौटे तो मनु ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर रखा था। काफी आवाज देने के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला तो उन्होंने इसकी जानकारी मकान मालकिन को दी। इसके बाद मकान मालकिन और अन्य लोगों ने खिड़की से अंदर झांककर देखा तो युवक फंदे से लटका हुआ था। यह देखकर सभी के होश उड़ गए। आनन-फानन



- नवादा का रहने वाला था

में जक्कनपुर थाने की पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस जांच में जुटीः सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी। मृतक के दादा भी घटनास्थल पर पहुंचे। जवान पोते की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। फिलहाल युवक ने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घर में घुसकर ड्राइवर की हत्या, दरवाजा खुलते ही सिर में मारी गोली, मोबाइल लेकर भागे बदमाश

एजेंसी, पटना

पटना में अपराधियों ने घर में घुसकर एक ड्राइवर की गोली मारकर हत्या कर दी। बाइक सवार अपराधियों ने घर में घुसकर सिर में गोली मारी है। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार रात करीब 11:30 बजे दो युवक घर पहुंचे और दरवाजा खुलवाया। जैसे ही दरवाजा खुला, तभी एक युवक ने ड्राइवर के सिर में गोली मार दी। गोली लगते ही वह जमीन पर गिर पड़ा। इसके बाद दोनों अपराधी उसका मोबाइल लेकर मौके से फरार हो गए। घटना जिले के बिहटा थाना क्षेत्र के सिमरी गांव में हुई।

मृतक की पहचान इरफान इमाम उर्फ कल्लू (32) के रूप में हुई है। इरफान पिछले दो साल से सिमरी गांव में किराए के मकान में अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ रह रहा था। हालांकि वारदात के वक्त पत्नी घर में नहीं थी। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग पहुंचे, लेकिन तब तक इरफान की मौत हो चुकी थी।

वारदात के समय पत्नी मायके में थीः घटना के समय इरफान की पत्नी नेहा प्रवीण अपने छोटे बेटे के साथ मायके गई थी। सिर्फ बड़ा बेटा था, जो सो रहा था। घटनास्थल से एक खोखा मिला है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। हत्या की वजह अभी क्लियर नहीं है।



एक महीने पहले भी हुई थी फायरिंगः पत्नीः मृतक की पत्नी नेहा प्रवीण ने बताया कि एक महीने पहले भी मेरे पति पर हवाई फायरिंग हुई थी जब हम लोग भोजपुर जिला से बाइक से घर लौट रहे थे। उस वक्त गोली मेरे कान के बगल से गुजर गई थी। साजिश के तहत मारा गया है।

पुलिस और FSL टीम कर रही जांचः घटना की सूचना मिलने के बाद बिहटा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल को सील कर दिया है। मौके से एक खोखा भी बरामद किया गया है। साक्ष्य जुटाने के लिए FSL टीम को बुलाया गया है। थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि स्थानीय ग्रामीणों से सिमरी गांव में इरफान इमाम उर्फ कल्लू की गोली मारकर हत्या किए जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद

- एक महीने पहले भी हुई थी फायरिंग

पुलिस टीम मौके पर पहुंची। हत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। मृतक की पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि बदमाशों ने इरफान को निशाना क्यों बनाया और एक महीने पहले हुई फायरिंग का इस हत्या से कोई कनेक्शन है या नहीं।

पिता ने दर्ज कराई FIRः मृतक के पिता मो.जफर इमाम ने बिहटा थाना में दो अज्ञात के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है। बहू फोजिया फिरदौस उर्फ नेहा परवीन के बयान पर मामला दर्ज कराया है। पिता ने बताया कि पिछले कई सालों से बेटा किराए पर रहता था। मेरी उससे बातचीत भी नहीं होती था, लेकिन कल गांव के लोगों से जानकारी मिली कि मेरे बेटे की हत्या गोली मारकर हुई है। जब बहू से पूछा तो बताया कि घटना के समय वह अपने मायके में गई थी। मुझे आशंका है की साजिश के तहत मेरे बेटे की गोली मार कर हत्या कराई गई है।

सामाजिक समरसता और पारस्परिक सद्भाव ही समाज की असली ताकतः नीतीश कुमार

एजेंसी, पटना

जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बुधवार को गर्दनीबाग स्थित ठाकुरबाड़ी, रोड नंबर-12 में आयोजित भगवान श्री चित्रगुप्त महाराज की पूजा में शामिल हुए। उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान चित्रगुप्त के प्रति श्रद्धा निवेदित की और प्रदेशवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की।

पूजा-अर्चना के बाद पत्रकारों से बातचीत में नीतीश कुमार ने कहा कि सामाजिक समरसता, आपसी सद्भाव और पारस्परिक सम्मान किसी भी समाज की बुनियादी ताकत हैं। बिहार की पहचान उसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और साझा सामाजिक परंपराओं से रही है। इस विरासत को अक्षुण्ण रखते हुए समाज के सभी वर्गों के बीच प्रेम, विश्वास और भाईचारे को मजबूत करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन हमारी परंपराओं को संरक्षित करने के साथ-साथ सामाजिक एकता को भी सुदृढ़ करते हैं। सामाजिक समरसता के लिए आयोजित प्रीतिभोज जैसी पहलें जाति और वर्ग के भेद से ऊपर उठकर एक साथ बैठने, सहभागिता और आत्मीयता का संदेश देती हैं। समाज



में सद्भाव और सहयोग का वातावरण बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम के दौरान समिति के सदस्यों और अन्य गणमान्य लोगों ने नीतीश कुमार का स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित लोगों से आत्मीय मुलाकात की और उनका कुशलक्षेम जाना। मौके पर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता एवं विधान पार्षद ललन कुमार सर्राफ तथा आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष दीपक कुमार उपस्थित थे।

फतुहा के गोदाम से 435 कार्टन शराब जब्त, 50 लाख रुपए की है शराब

एजेंसी, पटना

पटना के फतुहा थाना क्षेत्र में मुस्तफापुर स्थित भारत पेट्रोल पंप के पास एक गोदाम से पुलिस और उत्पाद विभाग की टीम ने 435 कार्टून विदेशी शराब जब्त की। इसकी अनुमानित कीमत करीब 50 लाख रुपए है। मामले में राजस्थान के चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। स्थानीय कारोबारी की तलाश जारी है। सहायक आयुक्त (उत्पाद) प्रेम प्रकाश के निर्देश पर एक्साइज इंस्पेक्टर अजीत कुमार के नेतृत्व में टीम ने बीती रात करीब 2 बजे छापेमारी की।

प्रेम प्रकाश ने बताया कि मुस्तफापुर में शराब जमा किए जाने की सूचना मिलने के बाद टीम ने गोदाम की रेकी की। सूचना सही मिलने पर घेराबंदी कर कार्रवाई की गई।

पंजाब-हरियाणा से संपर्क कर बिहार में शराब की खेप पहुंचातेः गोदाम से 'फॉर सेल इन चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा' लिखा शराब के 435 कार्टून जब्त किए गए। इनमें करीब 3,830.760 लीटर शराब थी। प्रेम प्रकाश के मुताबिक, जांच में पता चला कि तस्कर पंजाब और हरियाणा से संपर्क कर बिहार में शराब की



खेप पहुंचाते थे। गिरफ्तार लोगों की पहचान राजस्थान के बाड़मेर जिले के सिणधरी थाना क्षेत्र के देवा राम, विशना राम, दमा राम और दिनेश कुमार के रूप में हुई है।

पुलिस ने गोदाम सील कर दिया है। आरोपियों से पूछताछ के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी दल में एक्साइज इंस्पेक्टर अजीत कुमार, एसआई सोनम कुमारी, एएसआई अजीत कुमार, डब्लू कुमार, विनिता कुमारी और सिपाही अभिजीत, राजकुमार, प्रदीप व अनुराधा कुमारी शामिल थे।

छठ पर पटना जंक्शन में यात्री शेड बनेंगे, सुरक्षा में 100 से ज्यादा जवान तैनात होंगे

एजेंसी, पटना

छठ पर बिहार लौटने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ने लगी है। पटना जंक्शन पर भीड़ को देखते हुए रेलवे विशेष यात्री शेड बनाएगा। यहां यात्रियों के लिए बैठने और आराम करने की व्यवस्था होगी। सुरक्षा में 100 से ज्यादा जवान तैनात होंगे। दिल्ली, मुंबई, उत्तर प्रदेश, सूरत और गुजरात समेत देश के अलग-अलग हिस्सों से लोग बिहार लौट रहे हैं। इससे ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ बढ़ रही है। रेलवे ने पटना जंक्शन पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। प्लेटफॉर्म के साथ स्टेशन परिसर में भी शेड बनाए जाएंगे। शेड के फर्श पर कालीन बिछाई जाएगी, ताकि यात्री बैठ और आराम कर सकें। यहां रोशनी के लिए लाइटें, माइकिंग सिस्टम, मोबाइल चार्ज करने के लिए चार्जिंग पॉइंट और LED डिस्प्ले लगाए जाएंगे। अनाउंसमेंट और डिस्प्ले के जरिए यात्रियों को ट्रेनों और दूसरी जरूरी सूचनाओं की जानकारी मिलेगी। उन्हें ट्रेन की जानकारी लेने के लिए बार-बार प्लेटफॉर्म पर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सुरक्षा के लिए RPF की 4 अतिरिक्त कंपनियां तैनात होंगी।

प्राथमिक उपचार के लिए मेडिकल टीम की होगी तैनातीः छठ के दौरान स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ के बीच स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को देखते हुए मेडिकल सुविधा भी उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए विशेष मेडिकल टीम की नियुक्ति की जाएगी। भीड़ के दौरान किसी यात्री की तबीयत खराब होने या किसी तरह की चोट लगने पर उसे प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया जा सकेगा। खासकर बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों और लंबी दूरी से सफर कर पहुंचने वाले यात्रियों को इससे मदद मिलेगी।

RPF की 4 अतिरिक्त कंपनियां संभालेंगी सुरक्षा की कमानः यात्रियों की सुविधा के साथ सुरक्षा व्यवस्था को भी रेलवे ने प्राथमिकता दी है। भीड़ को नियंत्रित करने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने



के लिए RPF की चार अतिरिक्त कंपनियों की तैनाती की जाएगी। पटना जंक्शन के सभी 10 प्लेटफॉर्म पर RPF और GRP के जवान रोजाना क्राउड मैनेजमेंट की जिम्मेदारी संभालेंगे। प्लेटफॉर्म की संख्या और यात्रियों की संभावित भीड़ को देखते हुए 100 से अधिक सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जाएगी। सुरक्षाकर्मियों के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखने के लिए वॉकी-टॉकी का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे किसी प्लेटफॉर्म पर अचानक भीड़ बढ़ने या किसी तरह की समस्या उत्पन्न होने पर तत्काल संबंधित टीम को सूचना दी जा सकेगी।

FOB और सीढ़ियों पर भीड़ रोकने के लिए होगी विशेष व्यवस्थाः छठ के दौरान यात्रियों की सबसे अधिक भीड़ प्लेटफॉर्म, फुट ओवरब्रिज (FOB) और सीढ़ियों पर देखने को मिलती है। ऐसे में इन जगहों पर भीड़ का दबाव कम करना रेलवे के लिए बड़ी चुनौती होगी। इसके लिए रेलवे स्टाफ को लाउड हेलर के साथ तैनात किया जाएगा। कर्मचारी लगातार यात्रियों से फुट ओवरब्रिज और सीढ़ियों पर अनावश्यक रूप से नहीं रुकने तथा व्यवस्थित तरीके से आने-जाने की अपील करेंगे। भीड़ अधिक होने की स्थिति में यात्रियों को कतारबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। इससे प्लेटफॉर्म पर अफरातफरी की स्थिति बनने से रोकी जा सकेगी और यात्रियों की आवाजाही सुचारु बनी रहेगी।

हर साल लाखों प्रवासी छठ पर पहुंचते हैं बिहारः रेलवे अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि छठ के अवसर पर लाखों यात्री दूसरे राज्यों से बिहार पहुंचते हैं। यात्रियों की भारी संख्या को देखते हुए रेलवे की ओर से हर साल विशेष इंतजाम किए जाते हैं। इस बार भी यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्टेशन परिसर में यात्री शेड, बैठने और आराम करने की व्यवस्था के साथ अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण है। इसके लिए RPF की चार अतिरिक्त कंपनियों की नियुक्ति की गई है। पटना जंक्शन के सभी प्लेटफॉर्म पर RPF और GRP के जवान तैनात रहेंगे। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए वॉकी-टॉकी, लाउड हेलर और अन्य व्यवस्थाओं का इस्तेमाल किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

अखिलेश की भाषा राजनीतिक मर्यादा के अनुरूप नहीं: राजेश्वर सिंह

लखनऊ, एजेंसी। सरोजनीनगर से भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के हालिया सोशल मीडिया बयानों पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि अखिलेश की भाषा में बढ़ती कटुता और राजनीतिक विमर्श का गिरता स्तर दुर्भाग्यपूर्ण है। पापी, दशरजीवी और षड्यंत्रकारी जैसे शब्द पूर्व मुख्यमंत्री की गरिमा के अनुरूप नहीं हैं। डॉ. सिंह ने कहा कि किसी कथावाचक से असहमति लोकतांत्रिक अधिकार है लेकिन ब्रज और अवध में प्रवेश प्रतिबंधित करने की मांग करना धमकी की भाषा है। जातीय राजनीति पर उन्होंने कहा कि अधिकारियों की पहचान जाति से नहीं, बल्कि निष्पक्षता और कार्यक्षमता से होनी चाहिए। एसआईआर को लेकर भय फैलाने के बजाय पात्र मतदाताओं के नाम जुड़वाने में सहयोग करना चाहिए। उन्होंने सपा सरकार के कार्यकाल में मुजफ्फरनगर दंगों और जवाहर बाग कांड का जिक्र करते हुए कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। महिला सम्मान और टिकट वितरण को लेकर भी सपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि युवाओं को जातीय समीकरण नहीं, रोजगार, उद्योग और निवेश का रोडमैप चाहिए। प्रदेश का भविष्य कटुता और आरोपों से नहीं, बल्कि विकास और सुशासन से तय होगा।

बीएचयू की जमीन दान में नहीं महामना ने कराया था अधिग्रहण

वाराणसी , एजेंसी। बीएचयू की जमीन दान में मिली या पैसे देकर इसको लेकर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। एक वर्ग की ओर से दावा किया जा रहा है कि बीएचयू को 1300 एकड़ दान में नहीं मिली थी, बल्कि महामना पंडित मदन मोहन मालवीय ने इसका मुआवजा दिया था। दूसरा वर्ग कहा रहा है कि काशीराज से जमीनें दान में ही मिली थीं। वहीं बीएचयू के इतिहासकार और आर्काइव के प्रमुख प्रो. डीके के एक पुराने इंटरव्यू को वायरल कर बताया जा रहा है कि महामना ने छह लाख रुपये चुकाकर कुल 1164 एकड़ जमीन का अधिग्रहण कराया था। करीब 900 घर, सात हजार पेड़ और खेती की जमीनों के साथ कई कुल देवताओं के मंदिर थे। 17 नवंबर 1916 को यूनाइटेड प्रोविंस के सचिव एसपी ओ डॉनेल ने इस संबंध में एक आदेश जारी किया। तत्कालीन कलेक्टर ने भी अधिग्रहण के लिए आठ गांवों का उल्लेख किया। इस काम को बीएचयू के इतिहास विभाग के प्रो. डीके और उनकी टीम ने किया था। सारे दस्तावेज इन्होंने खोजे थे। हालांकि प्रो. सिंह का कहना है कि बीएचयू के आर्काइव में कई दस्तावेजों को सहेजा गया है। इस कार्य को सोशल मीडिया पर दूसरे रूप में परोसा जाना उचित नहीं।

कानपुर सेंट्रल और गोविंदपुरी में रुकेंगी चार स्पेशल ट्रेनें

कानपुर , एजेंसी। त्योहारी सीजन में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे ने कई स्पेशल ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। इनमें चार ट्रेनों का ठहराव कानपुर सेंट्रल और गोविंदपुरी स्टेशन पर दिया गया है। इससे यात्रियों को दिल्ली, पटना, जयपुर, भागलपुर, अहमदाबाद और राजगीर की यात्रा में सहूलियत मिलेगी। रेलवे की ओर से जारी समय-सारिणी के अनुसार नई दिल्ली-पटना वंदे भारत फेस्टिवल स्पेशल 11 नवंबर को नई दिल्ली से सुबह पांच बजे रवाना होगी और सुबह 10 बजे कानपुर सेंट्रल पहुंचेगी। यहां से प्रयागराज होते हुए शाम 6:30 बजे पटना पहुंचेगी। वापसी में 12 नवंबर को पटना से सुबह आठ बजे रवाना होकर दोपहर 3:50 बजे कानपुर सेंट्रल और रात 9:30 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। वहीं राजेंद्र नगर-नई दिल्ली एसी पूजा स्पेशल 11 से 20 नवंबर तक पांच फेरे लगाएगी। इस ट्रेन का गोविंदपुरी स्टेशन पर ठहराव दिया गया है। राजेंद्र नगर से चलकर यह सुबह 6:45 बजे गोविंदपुरी पहुंचेगी जबकि वापसी में नई दिल्ली से चलकर रात 1:55 बजे गोविंदपुरी पहुंचेगी। इसके अलावा जयपुर-भागलपुर स्पेशल 11 नवंबर को रात 10:50 बजे गोविंदपुरी स्टेशन पहुंचेगी। वापसी में 19 नवंबर को शाम 4:05 बजे यहां ठहराव होगा। अहमदाबाद-राजगीर अनारक्षित स्पेशल 10 नवंबर को रात 8:02 बजे गोविंदपुरी पहुंचेगी। वापसी में 12 नवंबर को सुबह 4:18 बजे गोविंदपुरी स्टेशन पर रुकेगी।

पुलिस ने रोका निशुल्क ओपीडी का रास्ता, लौटे मरीज

कानपुर , एजेंसी। दक्षिण में नौबस्ता बाईपास के पास एक साल से अधिक समय से बंद पड़े नवनिर्मित 100 बेड के अस्पताल के बाहर निशुल्क ओपीडी चला रहे डॉ. शशिकांत को मंगलवार को पुलिस ने रोक दिया। डॉक्टर का आरोप है कि पुलिस ने ओपीडी स्थल पर ईंटों से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़ी करा दी जिससे मरीजों को बिना इलाज कराए निराश लौटना पड़ा। डॉ. शशिकांत ने करीब एक सप्ताह पहले अस्पताल के मुख्य गेट के सामने निशुल्क ओपीडी शुरू की थी। उन्होंने कहा किया था कि जब तक अस्पताल चालू नहीं होगा तब तक वह जरूरतमंद मरीजों का मुफ्त स्वास्थ्य परीक्षण करने के साथ चिकित्सा परामर्श देंगे। डॉक्टर के मुताबिक मंगलवार को निर्धारित समय पर ओपीडी संचालित करने पहुंचे तो मुख्य गेट पर ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़ी मिली। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने रास्ता अवरुद्ध कराकर उन्हें मरीज देखने से रोक दिया। डॉ. शशिकांत ने घटना की जांच और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि ट्रैक्टर-ट्रॉली अवैध रूप से खड़ी है तो नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन इससे मरीजों की चिकित्सा सुविधा बाधित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अस्पताल शुरू होने तक गेट के बाहर मुफ्त ओपीडी चलाने की अनुमति देने की मांग की है।

छठ और देव दीपावली की तैयारियों पर पूरा फोकस हो: मेयर

वाराणसी , एजेंसी। डाला छठ और देव दीपावली को लेकर नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मेयर अशोक कुमार तिवारी और नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल की संयुक्त अध्यक्षता में हुई बैठक में शहर के प्रमुख घाटों, कुंडों और तालाबों की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के साथ चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की गई। मेयर ने वर्षा जलभराव, दुर्गापूजा, रामनगर रामलीला, भरत मिलाप और एयर शो के दौरान बेहतर कार्य करने वाले अधिकारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि अब सभी अधिकारियों का पूरा ध्यान डाला छठ और देव दीपावली की तैयारियों पर होना चाहिए।



घाटों और कुंडों के निरीक्षण के निर्देश: मेयर ने सभी जोनल अधिकारियों को अपने-अपने जोन का नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए जिम्मेदारी सौंपी। उन्हें नमो घाट से सामने घाट तक, रामनगर क्षेत्र के घाटों, वरुणा नदी के पक्के घाटों और नगर क्षेत्र के सभी कुंडों व तालाबों का बारीकी से निरीक्षण करने के निर्देश दिए। कहीं भी टूट-फूट, मलबा या गंदगी मिलने पर तत्काल दुरुस्त कराने को कहा। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पर्याप्त संख्या में उच्च गुणवत्ता वाले चेंजिंग रूम बनाने, प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने और दलदल वाले स्थानों पर बालू भरी बोरियां रखने के निर्देश भी दिए, ताकि आवागमन में परेशानी न हो।

नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने अभियंताओं और स्वास्थ्य निरीक्षकों को लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया कि घाटों पर छुट्टा पशु विचरण करते न मिलें। ऐसा पाए जाने पर उन्हें तत्काल पकड़कर जुर्माना लगाया जाए। वहीं, जोनल स्वच्छता अधिकारियों को नाव और पैदल गश्त कर घाटों की सफाई की निगरानी करने को कहा गया।

15 दिसंबर तक सुंदरीकरण कार्य पूरा करने की चेतावनी : मेयर ने स्मार्ट सिटी के मुख्य अभियंता से सोनिया तालाब के सुंदरीकरण कार्य की प्रगति जानी। देरी पर नाराजगी जताते हुए ककरमत्ता तालाब, जेपी मेहता एथलीट प्ले ग्राउंड और पद्म पुरस्कार विजेताओं की गलियों का सुंदरीकरण हर हाल में 15 दिसंबर तक पूरा करने के निर्देश दिए। नगर निगम के मुख्य अभियंता सुरेश चंद्र के अधीन चल रहे गली सुंदरीकरण कार्यों की धीमी गति पर भी नाराजगी जताई और संबंधित ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए।

छठ पूजा पर एक्सप्रेसवे पर यात्रियों के लिए होंगे विशेष इंतजाम, अवकाश रद्द; मुस्तैद रहेगा यूपीडा का स्टाफ



लखनऊ, एजेंसी। छठ पूजा पर उत्तर प्रदेश के एक्सप्रेसवे पर बढ़ने वाले यातायात दबाव को देखते हुए उप्र एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सभी संबंधित एक्सप्रेसवे पर अतिरिक्त संसाधनों के साथ व्यवस्थाओं का पूरी क्षमता से संचालन किया जा रहा है। यातायात सुचारु रखने और यात्रियों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

त्योहारों के दौरान सड़क सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के अवकाश निरस्त कर दिए गए हैं। पूरा स्टाफ यात्रियों की सुरक्षित और सुगम यात्रा के लिए मुस्तैद रहेगा। यूपीडा ने वाहन चालकों से अपील की है कि यातायात बढ़ने से कुछ स्थानों पर प्रतीक्षा करनी पड़ सकती है।

ऐसे में जल्दबाजी न करें, धैर्य बनाए रखें और यातायात नियमों का पालन करते हुए व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। योगी सरकार का संकल्प है कि त्योहारों की खुशियां हर परिवार तक सुरक्षित पहुंचें।

पूर्व मतदाता भर सकेंगे फार्म-6, धारा-31 के तहत नहीं होगी कार्रवाई



लखनऊ, एजेंसी। चुनाव आयोग ने उन पूर्व मतदाताओं को धारा-31 के तहत कानूनी कार्रवाई से राहत देते हुए बिना किसी भय के फार्म-6 जमा कर मतदाता सूची में फिर से नाम जुड़वाने का अवसर दिया है, बशर्ते उनका नाम किसी अन्य विधानसभा क्षेत्र में दर्ज न हो। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी पात्र नागरिकों से अपनी वर्तमान मतदाता सूची की जांच करने और नाम न होने पर तुरंत आवेदन करने की अपील की है।

चुनाव आयोग ने उन पूर्व मतदाताओं को राहत दी है, जिनका नाम वर्तमान सूची में नहीं है। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण से पहले पंजीकृत रहे मतदाता बिना किसी भय के फार्म-6 जमा कर सकेंगे। इसके लिए उनके विरुद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा-31 के तहत कोई कार्रवाई नहीं होगी। यह छूट तभी मिलेगी, जब उनका नाम किसी अन्य विधानसभा क्षेत्र में पंजीकृत न हो और फार्म-6 में घोषणा विधिसम्मत हो।

आयोग ने जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराने को कहा है। साथ ही इसकी जानकारी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को भी देने के लिए कहा गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने प्रदेश के सभी पात्र नागरिकों से अपील की है। वे वर्तमान मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांचें। यदि नाम नहीं है, तो बिना किसी भय या संकोच के फार्म-6 जमा कर आवेदन करें।

सीट बंटवारे से पहले कांग्रेस की बढ़ीं मुश्किलें

आरोप-प्रत्यारोप के जरिये आपस में उलझी पार्टी

लखनऊ, एजेंसी। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 में सीट बंटवारे से पहले कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। प्रदेश प्रभारी के करीबी लोगों पर टिकट के नाम पर रुपये मांगने के आरोप और आंतरिक गुटबाजी ने पार्टी की चुनौतियां बढ़ा दी हैं। प्रदेश प्रभारी ने आरोप लगाने वालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने को कहा है, ताकि मामले की निष्पक्ष जांच हो सके।

दरअसल, कांग्रेस इस बार सपा से गठबंधन में अधिक सीटें हासिल करने की मुहिम में जुटी है। चर्चा है कि पार्टी ने करीब 200 सीटों की सूची सपा को सौंपी है। इसी बीच सोशल मीडिया पर वायरल एक पत्र में प्रदेश प्रभारी के दो करीबी लोगों पर टिकट के नाम पर रुपये लेने के आरोप लगाए गए हैं। इससे अधिक सीटें हासिल करने की कांग्रेस की कोशिशों को झटका लग सकता है।

प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने पत्र में लगाए गए आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों पर आरोप लगाए गए हैं, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए, ताकि पुलिस जांच में सच्चाई सामने आ सके। जिस यूपीआई नंबर पर रुपये लेने का आरोप है, वह फर्जी है। उन्होंने कहा कि पार्टी शीर्ष नेतृत्व के एजेंडे के तहत प्रदेश में अभियान चला रही है, जो कुछ लोगों को पसंद नहीं आ रहा है। वह हर आरोप की जांच के लिए तैयार हैं।



2022 में दो सीटें जीतीं, चार पर रही दूसरे स्थान पर : 2017 में सपा से गठबंधन के तहत कांग्रेस ने 114 सीटों पर चुनाव लड़ा और सात पर जीत दर्ज की थी। 2022 में पार्टी ने अकेले 399 सीटों पर प्रत्याशी उतारे, लेकिन रामपुर खास से आराधना मिश्रा मोना और फरेंदा से वीरेंद्र चौधरी ही जीत सके। खेरागढ़, मथुरा, किदवईनगर और जगदीशपुर में पार्टी दूसरे स्थान पर रही। वहीं, 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा से गठबंधन के तहत मिली 17 सीटों में से कांग्रेस ने छह पर जीत दर्ज की। इनमें सीतापुर, अमेठी, रायबरेली, प्रयागराज, बाराबंकी और सहारनपुर शामिल हैं।

दिसंबर में शुरू होगा 100 बेड का अस्पताल : सांसद

कानपुर , एजेंसी। शहर की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए लंबे समय से बंद पड़े नवनिर्मित 100 बेड के अस्पताल को दिसंबर में शुरू कराने का आश्वासन मिला है। सांसद रमेश अवस्थी ने मंगलवार को लखनऊ में उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक और स्वास्थ्य विभाग के सचिव से मुलाकात कर अस्पताल का संचालन शुरू कराने की मांग उठाई। सांसद ने बताया कि उप मुख्यमंत्री ने दिसंबर में अस्पताल शुरू कराने का भरोसा दिया है। उन्होंने कहा कि कानपुर जैसे बड़े औद्योगिक महानगर में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना जरूरी है। अस्पताल तैयार होने के बावजूद लंबे समय से बंद होने से क्षेत्रीय लोगों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। अस्पताल शुरू होने से हजारों मरीजों को इलाज की सुविधा मिलेगी। साथ ही हैलट, उर्सला समेत अन्य सरकारी अस्पतालों पर मरीजों का दबाव भी कम होगा।

घर की रसोई से सजी अन्नकूट की झांकी

151 क्विंटल व्यंजनों का लगा महाभोग

वाराणसी , एजेंसी। अन्नकूट पर दुर्गाकुंड स्थित धर्मसंघ के श्रीमणि मंदिर में सोमवार को सामाजिक समरसता और सहभागिता का अनुष्ठान हुआ। गृहस्थ श्रद्धालुओं ने अपने घरों की रसोई में तैयार विविध नैवेद्य को इष्टदेव को अर्पित कर सुख, समृद्धि और धन-धान्य की कामना की। इस अनूठी परंपरा में तीन हजार से ज्यादा भक्तों ने सहभागिता की। सुबह छह बजे से ही मंदिर परिसर में थालियों में सजे पकवान लाने का सिलसिला शुरू हुआ, जो शाम तक अनवरत चलता रहा।

धर्मसंघ के महामंत्री पं. जगजीतन पांडेय ने बताया कि महोत्सव में काशी की जनता के साथ कई प्रबुद्ध व विशिष्ट जनों ने श्रद्धापूर्वक घर में बने नैवेद्य की थाली ठाकुर जी को समर्पित की। इनमें पद्मभूषण प्रो. वशिष्ठ त्रिपाठी, पद्मभूषण प्रो. देवी प्रसाद द्विवेदी, पद्मश्री पं. शिवनाथ मिश्र, पद्मश्री डॉ. केके त्रिपाठी और पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय शामिल हैं। इनके अलावा नगर के कई जनप्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, अधिवक्ताओं ने भी देव दर्शन कर नैवेद्य अर्पित किया।

धर्मसंघ पीठाधीश्वर स्वामी शंकरदेव चैतन्य ब्रह्मचारी महाराज के पावन सानिध्य में मंदिर की ओर से 151 क्विंटल प्रसाद का महाभोग लगाया गया। इस दौरान 151 प्रकार के व्यंजनों से सजी दिव्य झांकी श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र रही। भोग में पारंपरिक व्यंजनों के साथ-साथ मोटा अनाज से बने लड्डुओं को भी विशेष स्थान दिया गया।



मुख्य मंडप में लड्डुओं से विशेष रूप से तैयार किया गया शिवालय दर्शनीय रहा। मंदिर के श्रीराम दरबार, माता अन्नपूर्णेश्वरी, नर्मदेश्वर शिवलिंग, द्वादश स्फटिक शिवलिंग, गणपति, मां दुर्गा, राधा-कृष्ण, मेहंदीपुर बालाजी सहित स्वामी करपात्री महाराज और स्वामी लक्ष्मण चैतन्य ब्रह्मचारी महाराज के देव विग्रहों के समक्ष नयनाभिराम झांकी सजाई गई। संध्या बेला में पं. जगजीतन पांडेय के आचार्यत्व में देव विग्रहों की महाआरती हुई। इस दौरान गुरुकुल के बटुकों द्वारा किए गए वैदिक स्वस्तिवाचन और मां अन्नपूर्णेश्वरी की स्तुति से पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा।

उत्तराखंड महोत्सव का आगाज, 14 दिनों तक सजेगा लोककला और संस्कृति का मंच



लखनऊ, एजेंसी। उत्तराखंड की संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक सरोकारों को समर्पित 14 दिवसीय उत्तराखंड महोत्सव का सोमवार को गोमती तट स्थित पं. गोविंद बल्लभ पंत पर्वतीय सांस्कृतिक उपवन में शुभारंभ हुआ। पूजा-अर्चना के साथ शुरू हुए महोत्सव के पहले दिन उत्तराखंड राज्य के 26 साल के सफर और उसमें आए बदलावों पर वाद-विवाद प्रतियोगिता हुई। इसमें 11 टीमों ने हिस्सा लिया।

प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने राज्य की दशा और दिशा पर पक्ष-विपक्ष में विचार रखे। पक्ष में महेंद्र सिंह गैलाकोटी प्रथम, फकीरा सिंह चौहान द्वितीय और कैलाश सिंह तृतीय रहे। विपक्ष में कर्णिका तिवारी प्रथम, धन सिंह मेहता द्वितीय और प्रियंका बिष्ट तृतीय स्थान पर रहीं।

निर्णायक मंडल में डॉ. चंद्र मोहन नौटियाल, संजय काला और ललित सिंह पोखरियाल शामिल रहे। महापरिषद अध्यक्ष हरीश चंद्र पंत, महासचिव भरत सिंह बिष्ट और संयोजक दीवान सिंह अधिकारी ने विजेताओं को प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया।

महोत्सव में मंगलवार को हुई लाइव खानपान प्रतियोगिता में 12 महिलाओं ने उत्तराखंडी व्यंजन तैयार किए। प्रेमा त्रिपाठी ने पहला और सरोज खुल्बे ने दूसरा स्थान हासिल किया। निर्णायक मंडल में होटल प्रबंधन और पाक कला क्षेत्र से जुड़े भगवती पंत, हयात सिंह रावत व हर्षवर्धन जोशी सहित अन्य सदस्य शामिल रहे।

पटाखों के शौक पर खर्च हुए 25 करोड़

लखनऊ, एजेंसी। दिवाली की रात राजधानी में आतिशबाजी के शौक पर लोगों ने करीब 25 करोड़ रुपये खर्च कर दिए। फुलझड़ी, अनार और चकरी से लेकर स्काई शॉट और मल्टी शॉट तक की खूब बिक्री हुई। महंगाई के बावजूद पिछले साल के मुकाबले पटाखा कारोबार में करीब पांच करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। आतिशबाजी का शोर भले ही थम गया हो लेकिन कारोबारियों के चेहरों पर अच्छी बिक्री की खुशी नजर आई। इस बार परंपरागत पटाखों के साथ नए डिजाइन और रंगीन रोशनी वाले आइटम भी ग्राहकों की पसंद बने। बच्चों ने फुलझड़ी और अनार खरीदे तो युवाओं में आसमान को रंगीन करने वाले स्काई शॉट और मल्टी शॉट का क्रेज रहा। लायन, ट्री और डक अनार जैसे नए आइटम की भी मांग रही।

कारोबारियों के मुताबिक, चार नवंबर तक करीब 12 करोड़ रुपये के पटाखे बिक चुके थे। धनतेरस तक बिक्री 18 करोड़ रुपये के पार पहुंच गई। इसके बाद छोटी दिवाली और मुख्य दिवाली पर भी जमकर खरीदारी हुई। इस बार शहर में 60 स्थानों पर 1201 पटाखा दुकानें लगाई गई थीं, जबकि पिछले साल 56 स्थानों पर 1018 दुकानें थीं।

पटाखा कारोबारी मनीष कश्यप ने बताया कि रंगीन रोशनी और आसमान में दूर तक प्रभाव दिखाने वाले पटाखों की मांग अधिक रही। लोगों ने 500 रुपये से लेकर 50 हजार रुपये तक के पटाखे खरीदे। राम नरेश कश्यप के अनुसार, बच्चों से लेकर युवाओं तक ने अपनी पसंद और बजट के मुताबिक आतिशबाजी के सामान की खरीदारी की। वहीं, संतोष सोनकर ने बताया कि दिवाली की शाम दुकानों पर सबसे अधिक भीड़ रही और देर रात तक बिक्री जारी रही।

एआई इंसान की जगह नहीं ले सकता, इसे सहायक बनाएं, विकल्प नहीं : प्रो. गोमेज

गूगल सर्च और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भी एआई के कारण तेजी से बदल रहे हैं

अलीगढ़ , एजेंसी। एआई के दौर में सबसे बड़ी चुनौती सिर्फ तकनीक को अपनाना नहीं, बल्कि अपनी बौद्धिक क्षमता और मानवीय निर्णय लेने की शक्ति को बचाए रखना है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शोध, मीडिया और कंटेंट निर्माण में मददगार हो सकता है, लेकिन इंसान की जगह नहीं ले सकता।

यह कहना है अमेरिका की शिकागो स्टेट यूनिवर्सिटी के फुलब्राइट विशेषज्ञ प्रो. एमेरिटस गेब्रियल कार्लोस गोमेज का। उन्होंने कहा कि डिजिटल सर्विलांस, डेटा प्राइवेसी, गलत सूचनाओं और सिंथेटिक मीडिया का बढ़ता खतरा भी गंभीर चिंता का विषय है। एएमयू के जनसंचार विभाग में आए प्रो. गोमेज ने बातचीत में एआई के बढ़ते प्रभाव, रोजगार की बदलती तस्वीर और अकादमिक शोध में इसकी विश्वसनीयता पर विस्तार से बात की।

प्रो. गोमेज ने कहा कि आज मीडिया में कंटेंट तैयार करने, सोशल लिसनिंग, मीडिया मॉनिटरिंग और ऑनलाइन संवाद के लिए एआई का इस्तेमाल बढ़ रहा है। गूगल सर्च और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भी एआई के कारण तेजी से बदल रहे हैं। तकनीक जितनी सुविधाजनक हो रही है, उतनी ही उससे जुड़ी चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। एआई सर्विलांस, डेटा प्राइवेसी, गलत सूचनाओं और सिंथेटिक मीडिया का खतरा चिंताजनक है। तकनीक पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता रोजगार के अवसरों को प्रभावित कर सकती है।



इसलिए विद्यार्थियों को अपनी बौद्धिक क्षमता विकसित करने और एआई का जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने की जरूरत है।

प्रो. गोमेज ने कहा कि डिजिटल सर्विलांस और डेटा प्राइवेसी गंभीर मुद्दे हैं। एआई और डेटा एनालिटिक्स के जरिये लोगों की ऑनलाइन गतिविधियों का विश्लेषण किया जा सकता है। ऐसे में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपनी गतिविधियों और निजी जानकारियों को लेकर सतर्क रहना जरूरी है।

प्रो. गोमेज ने कहा कि कार्यस्थलों में बदलाव, रोजगार में प्रतिस्पर्धा और कामकाज का स्वचालन एआई से जुड़ी प्रमुख चिंताएं हैं। लाइब्रेरी से लेकर मीडिया संस्थानों तक कई क्षेत्रों में काम करने के तरीके बदल रहे हैं। ऐसे में लोगों को नई तकनीक और कौशल के अनुरूप खुद को तैयार करना होगा। तकनीक से दूरी बनाने के बजाय उसे समझना और उसके साथ काम करना जरूरी है।

प्रो. गोमेज ने कहा कि एल्गोरिदमिक ह्यूमन-आउट-ऑफ-द-लूप मॉडल यानी सिंथेटिक मीडिया फीडबैक लूप में तीन चरण शामिल हैं। पहला, मशीनों से कंटेंट तैयार होना; दूसरा, एल्गोरिदम के जरिये उसका प्रसार और तीसरा, उसके इस्तेमाल से फीडबैक तैयार होना। शोधार्थियों को तथ्यों और संदर्भों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि करनी चाहिए। एआई शोध में सहायक हो सकता है, लेकिन मानवीय निर्णय क्षमता की जगह नहीं ले सकता।

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

नौसेना के युद्धपोत बेतवा की मरम्मत 500 करोड़ रुपये से होगी

एजेंसी, नई दिल्ली



▪ रखरखाव मजबूत करने के लिए रक्षा मंत्रालय ने कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के साथ किया करार

पिछले एक दशक में कई दुर्घटनाओं का शिकार हुए भारतीय नौसेना के पोत आईएनएस बेतवा की मरम्मत कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में कराई जाएगी। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में 498.58 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। ब्रह्मपुत्र श्रेणी के इस युद्धपोत की प्रणोदन प्रणाली में व्यापक बदलाव किया जाएगा। मरम्मत के बाद आधुनिक हथियार प्रणाली के माध्यम से पोत की युद्धक क्षमता बढ़ेगी।

इस परियोजना से जहाजों की मरम्मत एवं रखरखाव से जुड़े स्वदेशी औद्योगिक तंत्र की क्षमताएं और सुदृढ़ होंगी। विशेष रूप से इससे जटिल प्रणोदन प्रणाली में बदलाव तथा नौसैनिक प्लेटफॉर्म के आधुनिकीकरण के क्षेत्र में देश की तकनीकी और औद्योगिक क्षमताओं को बढ़ावा मिलेगा। इस परियोजना में 50 से अधिक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की भागीदारी होने की उम्मीद है। साथ ही भारतीय जहाज निर्माण उद्योग और उससे जुड़े सहायक क्षेत्रों में रोजगार के पर्याप्त अवसर सृजित होंगे।

यह परियोजना सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' के विजन को नई गति प्रदान करेगी तथा देश की स्वदेशी नौसैनिक पोत मरम्मत एवं रखरखाव क्षमताओं को और मजबूत करेगी। इजराइल-लेबनान संघर्ष शुरू होने के समय 2006 में बेतवा युद्धपोत टास्क फोर्स 54 का हिस्सा था, जो भूमध्य सागर से लौट रहा था। ऑपरेशन सुकून के एक हिस्से के रूप में बेतवा ने लेबनान से साइप्रस तक भारतीय नागरिकों को निकालने में भाग लिया। उसके बाद यह जहाज कई बार दुर्घटनाओं का शिकार हुआ। ब्रह्मपुत्र श्रेणी का यह युद्धपोत 4 जनवरी, 2014 को पानी के नीचे एक अज्ञात वस्तु से टकरा गया और सोनार गुंबद में दरार आ गई, जिससे संवेदनशील उपकरणों में समुद्र का खारा पानी प्रवेश कर गया था। इसके बाद 5 दिसंबर, 2016 को बेतवा मुंबई में नौसेना डॉकयार्ड में क्रूजर ग्रेविंग डॉक के अंदर रिफिट मरम्मत के दौरान रिफ्लोटिंग और अनडॉकिंग करते समय सपोर्ट ब्लॉक से फिसल गया और अपने बंदरगाह की तरफ गिर गया, जिससे 2 नाविकों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। जहाज का मुख्य मस्तूल भी क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके बाद 22 फरवरी, 2017 को जहाज को सीधा करके फिर से पानी में उतारा गया। बेतवा को अमेरिकी सैल्वेज कंपनी ने बिना किसी बाहरी लिफ्टिंग मैकेनिज्म का इस्तेमाल किए सिस्टमैटिक तरीके से उसके कम्पार्टमेंट में पानी भरकर और पंप करके सीधा किया। तीन नेवी ऑफिसर्स का कोर्ट मार्शल किया गया और उन्हें लापरवाही का दोषी पाया गया। इसके बाद 10 जनवरी, 2021 को जहाज पर एक 22 साल के नाविक की गोली लगने से मौत हो गई, कथित तौर पर यह सुसाइड था। इस जहाज ने मई, 2021 में साइक्लोन 'तौकते' के बाद सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन में हिस्सा लिया था।

तमिलनाडु के तिरुप्पुर में मादक पदार्थों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई, 13 तस्कर गिरफ्तार

तिरुप्पुर। तमिलनाडु के तिरुप्पुर जिले में मादक पदार्थों की बिक्री और सेवन पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान आरोपितों के कब्जे से गांजा, गांजा चॉकलेट और गुटखा उत्पाद बरामद किए गए। अभियान के तहत पुलिस की 46 टीमों ने व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और लॉज सहित करीब 92 स्थानों पर सघन जांच की। तिरुप्पुर की पुलिस अधीक्षक सृष्टि सिंह ने बुधवार को जिला पुलिस कार्यालय में पत्रकारों को बताया कि आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने, मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री पर रोक लगाने तथा आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए यह विशेष अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि जिले में मादक पदार्थों से जुड़े अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। अब तक ऐसे करीब 143 अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। इसके अलावा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 129 के तहत निवारक बांड आदेश भी प्राप्त किए गए हैं।

दिल्ली एनएसयूआई नेता छात्राओं को एनआरआई पुरुषों के पास भेजने के आरोपों में घिरा

एजेंसी, नई दिल्ली



▪ अभाविप की एनआईए से जांच कराने की मांग

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन कॉलेज के एनएसयूआई उपाध्यक्ष अनस खान पर छात्राओं को पैसे और अन्य सुविधाओं का प्रलोभन देकर एनआरआई पुरुषों के साथ भेजने से संबंधित कथित संदेश सामने आने के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से जांच कराने की मांग की है। अभाविप का आरोप है कि एनआरआई प्रायोजित कार्यक्रम के नाम पर छात्राओं से संपर्क स्थापित किया जा रहा था और उनकी शारीरिक बनावट के आधार पर चयन की बातें भी संदेशों में सामने आई हैं। इस मामले में कॉलेज प्रशासन अनस खान को निलंबित कर चुका है।

अभाविप ने कहा कि छात्राओं को आर्थिक प्रलोभन देकर इस तरह की गतिविधियों में शामिल करने का मामला संभावित मानव तस्करी और देह व्यापार जैसे संगठित अपराधों से जुड़े नेटवर्क की आशंका पैदा करता है। संगठन ने मांग की है कि पूरे प्रकरण की व्यापक जांच कराई जाए, ताकि एनआरआई संपर्कों, आर्थिक लेन-देन और संभावित अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की भूमिका का पता लगाया जा सके।

अभाविप ने यह भी दावा किया कि पिछले माह एनएसयूआई से जुड़े व्यक्तियों द्वारा एक कार्यक्रम के लिए लड़कों को ले जाने से संबंधित इसी तरह की चैट सामने आई थी। संगठन ने लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्या एनएसयूआई के कार्यक्रमों के पीछे आर्थिक प्रलोभन और संदिग्ध नेटवर्क काम कर रहे हैं। अभाविप ने वर्ष 2018 में एनएसयूआई के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष फिरोज खान पर संगठन की एक महिला पदाधिकारी की ओर से लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों का भी उल्लेख किया। अभाविप ने इन घटनाओं को कांग्रेस और उसके छात्र संगठन के महिला सुरक्षा संबंधी दावों से जोड़कर सवाल उठाए।

अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि महिला अधिकारों और समानता की बात करने वाली कांग्रेस को अपने छात्र संगठन में महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले में एनएसयूआई की ओर से संबंधित पदाधिकारी को हटाए जाने के दावे के साथ पूर्व दिनांकित पत्र जारी किया गया है, जबकि संबंधित व्यक्ति के सोशल मीडिया स्टेटस में व्यक्तिगत कारणों से स्वयं इस्तीफा देने की बात कही गई है।

संक्षिप्त समाचार

ईरान शांति वार्ता: रुबियो ने तेहरान की मांगों को बताया अस्वीकार्य और हास्यास्पद

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि ईरान के साथ शांति वार्ता ठीक नहीं चल रही है, उन्होंने तेहरान की मांगों को पूरी तरह अस्वीकार्य, आपत्तिजनक और हास्यास्पद बताया। फ्लोरिडा में जी-7 विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए फ्रांस रवाना होने से पहले रुबियो ने कहा कि हम किसी बड़ी सफलता के कगार पर नहीं हैं। उन्होंने जोर दिया कि राष्ट्रपति हमेशा समस्याओं का कूटनीतिक समाधान चाहते हैं, लेकिन दुर्भाग्य से, कभी-कभी ऐसा संभव नहीं होता, क्योंकि ईरान की मांगें वास्तव में व्यावहारिक नहीं थीं। उनकी ये टिप्पणियां राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दिए गए बयान के कुछ घंटों बाद आईं, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि यदि दोनों पक्ष वार्ता में प्रगति करते हैं, तब अमेरिका द्वारा ईरान पर हमला करने की बहुत कम संभावना है। कतर और पाकिस्तान की मध्यस्थता में यह वार्ता 3 नवंबर को अमेरिकी चुनाव से पहले शुरू हुई थी। हालांकि, 6 नवंबर को केशम द्वीप पर अमेरिका द्वारा किए गए हमलों के बाद यह ठप हो गई, जिसके बारे में वाशिंगटन ने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया। इन हमलों से एक दिन पहले, 5 नवंबर को खबर आई थी कि ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर एक प्रस्ताव भेजा है, लेकिन यह प्रस्ताव अमेरिका द्वारा तेहरान की सात माँगें मानने पर निर्भर करता है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कड़े शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि ईरान की माँगें पूरी नहीं की गईं, तब तनाव और बढ़ सकता है।



पोप लियो की प्रार्थना सभा में दिखा आस्था का जनसैलाब

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनसआयर्स में पोप लियो की प्रार्थना सभा में श्रद्धालुओं खासा जमावड़ा नजर आया। सभा में करीब 25 लाख लोगों के शामिल होने का दावा किया गया है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु एक रात पहले से ही आयोजन स्थल और आसपास की सड़कों पर पहुंच गए थे। सुबह होते-होते पूरा क्षेत्र लोगों से भर गया और हर तरफ धार्मिक उत्साह का माहौल नजर आया। यह पहला अवसर नहीं है जब इतने श्रद्धालु प्रार्थना में पहुंचे थे, इससे पहले जून में भी पोप के स्पेन दौरे पर करीब 12 लाख लोग एकत्र हुए थे। यहां बताते चलें कि 71 वर्षीय पोप लियो इन दिनों दक्षिण अमेरिका के 12 दिवसीय दौरे पर हैं। इसी दौरान प्रार्थना सभा में शामिल होने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। कई श्रद्धालु रातभर सड़कों पर रहे और सुबह सभा शुरू होने का इंतजार करते रहे। सुरक्षा और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन की ओर से व्यापक इंतजाम किए गए थे। सभा के दौरान पोप लियो ने श्रद्धालुओं के साथ प्रार्थना की और शांति, एकता तथा मानवता का संदेश दिया। उनके संबोधन को सुनने के लिए लोग दूर-दूर तक जमा रहे। विशाल मैदान और आसपास के रास्तों पर श्रद्धालुओं की मौजूदगी के कारण पूरा क्षेत्र धार्मिक आयोजन के रंग में नजर आया।



तालाब किनारे बने एक मकान का हिस्सा ढहने से दो मासूम बच्चियों की मौत



वाराणसी। वाराणसी के बच्छांव पश्चिमपुरा में देर रात एक दुखद हादसा हुआ, जहां तालाब किनारे बने एक मकान का हिस्सा अचानक ढहने से दो मासूम बच्चियों की मौत हो गई। इस घटना में बच्चियों के माता-पिता भी घायल हुए। अहीउद्दीन उर्फ कल्लू के मकान में हुए हादसे के समय परिवार के सदस्य गहरी नींद में सो रहे थे। मकान की दीवार ढहते ही 6 वर्षीय आफिया और 4 वर्षीय फलक मलबे और पानी में दब गईं। तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और परिवार के सदस्य तुरंत मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी बल के साथ मौके पर पहुंचे। एसडीआरएफ की टीम की मदद से काफी मशक्कत के बाद दोनों बच्चियों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घायल माता-पिता को प्राथमिक उपचार दिलाया। पुलिस ने दोनों शवों को अंत्यपरीक्षण के लिए भेज दिया है। लोगों ने बताया कि मकान तालाब के बेहद करीब होने के कारण उसका एक हिस्सा अचानक धंस गया था, जिसके चलते यह भयावह दुर्घटना हुई।

चंडीगढ़ जा रही बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई, 3 की मौत

एजेंसी, अमृतसर



सीएम मान ने हादसे पर जताया दुख, घायलों का मुफ्त इलाज के दिए निर्देश

पंजाब के संगरूर में बुधवार सुबह चंडीगढ़ जा रही पीआरटीसी की एक बस ओवरब्रिज के पास बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराई और फिर सड़क किनारे खेतों में उतरकर एक पेड़ से टकरा गई। इस भीषण दुर्घटना में तीन यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चौबीस घायल हुए हैं। बस में बैठे यात्रियों को संभलने तक का मौका नहीं मिला, और हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। घायलों में से पंद्रह को पटियाला के अस्पताल रेफर किया है, जबकि बाकी यात्रियों का इलाज संगरूर अस्पताल में चल रहा है।

हादसे की खबर मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। बचाव अभियान शुरू किया गया और बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालने के लिए पुलिस के साथ राहगीरों ने भी मदद की। घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं और हादसे की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जानकारी में बस की तेज रफ्तार को दुर्घटना की एक संभावित वजह माना जा रहा है।

पंजाब के सीएम भगवंत मान ने दर्दनाक हादसे पर गहरा दुख जताया है। मुख्यमंत्री ने प्रशासन को सभी घायलों का मुफ्त इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना जताते हुए ईश्वर से उन्हें इस दुख को सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की, साथ ही घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की।

भारत विकास की नई ऊंचाइयों पर, विपक्ष की राजनीति गिर रही नए निम्न स्तर पर : भाजपा

एजेंसी, नई दिल्ली



भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की टिप्पणी पर तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि एक तरफ भारत विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ विपक्ष की राजनीति लगातार नए निम्न स्तर पर जाती दिखाई दे रही है। बुधवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि राहुल गांधी ने भारतीय अर्थव्यवस्था को 'शो कॉल्ड डेड इकोनॉमी' (कथित मृत अर्थव्यवस्था) कहा था, लेकिन इसी अर्थव्यवस्था ने धनतेरस के दिन सोने-चांदी की खरीदारी के मामले में अपनी ताकत दिखाई। उन्होंने दावा किया कि धनतेरस पर भारत में एक दिन में जितनी सोने-चांदी की खरीदारी हुई, उतनी खरीदारी पूरा यूरोप तीन महीने में करता है।

उन्होंने कहा कि यह भारत की आर्थिक क्षमता का प्रमाण है। साथ ही यह भी दर्शाता है कि विपक्ष के नेताओं के मन में भारत की परंपराओं, धर्म और संस्कृति के प्रति कितनी अवमानना और नकारात्मकता भरी हुई है। भारत लगातार प्रगति कर रहा है, लेकिन विपक्ष देश की उपलब्धियों को स्वीकार करने के बजाय निराधार टिप्पणियां करने में लगा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के दिवाली को 'खुशियों की ईद' बताने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह काफी आश्चर्यजनक है, क्योंकि खरगे जिस कर्नाटक राज्य से आते हैं, वहां कन्नड़ भाषा में त्योहार के लिए 'उत्सव' या 'हब्बा' शब्द का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में 'ईद' शब्द कहां से आ गया?

उन्होंने कहा कि यह घटना दर्शाती है कि भारतीय धर्म और संस्कृति का अपमान किस हद तक किया जा सकता है। विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस का आचरण इसी मानसिकता को प्रतिबिंबित करता है। डॉ. त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेता भारतीय परंपराओं और सांस्कृतिक पहचान के प्रति सम्मान दिखाने के बजाय ऐसी टिप्पणियां कर रहे हैं, जिनसे विवाद पैदा हो रहा है। समाजवादी पार्टी की ओर से 12 दिसंबर को अयोध्या में शक्ति प्रदर्शन करने की घोषणा पर भी प्रतिक्रिया देते हुए डॉ सुधांशु ने कहा कि समाजवादी पार्टी इसे अपना शक्ति प्रदर्शन बता रही है, लेकिन वास्तव में यह भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा और भारतीय समाज की एकता की ताकत का प्रदर्शन है।

उन्होंने कहा कि विपक्षी दल आज जिस तरह अयोध्या जाने की बात कर रहे हैं, उसके पीछे परिस्थितियों का दबाव है। उनके पास इसके अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने दावा किया कि भारतीय समाज की एकता की ताकत अब दिखाई देने लगी है। डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि यदि आगामी चुनाव में भारतीय समाज इसी तरह और अधिक एकजुटता दिखाता है, तो जो लोग आज श्रीरामलला विराजमान का आशीर्वाद लेने पहुंचे हैं और जिन्हें उन्होंने 'चुनावी हिंदू' करार दिया, वे अगले चुनाव तक स्वयं 'जय श्रीराम' का उद्घोष करते नजर आएंगे।

छठ पर घर जाने वाले यात्रियों के लिए रेलवे ने बढ़ाई विशेष ट्रेनों की संख्या

एजेंसी, नई दिल्ली



छठ महापर्व पर घर जाने वाले यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे ने दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर व्यापक इंतजाम किए हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष रेलगाड़ियों का संचालन बढ़ाया गया है। बुधवार को दिल्ली क्षेत्र से कुल 31 विशेष रेलगाड़ियां चलाई जाएंगी, जबकि गुरुवार को 29 विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त यात्रियों की भीड़ और मांग के अनुसार अल्प सूचना पर अनारक्षित विशेष रेलगाड़ियां भी चलाई जाएंगी।

उत्तर रेलवे के अनुसार, बुधवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से 10, आनंद विहार टर्मिनल से आठ, शकूरबस्ती से सात, हजरत निजामुद्दीन से चार, दिल्ली जंक्शन से एक और रोहतक से एक विशेष रेलगाड़ी रवाना होगी। इसी तरह, 12 नवंबर को दिल्ली क्षेत्र से चलने वाली 29 विशेष रेलगाड़ियों में नई दिल्ली से सात, आनंद विहार टर्मिनल से सात, शकूरबस्ती से पांच, हजरत निजामुद्दीन से पांच, दिल्ली जंक्शन से तीन, रोहतक से एक और दिल्ली सराय रोहिल्ला से एक रेलगाड़ी शामिल है।

रेलवे ने बताया कि मंगलवार, 10 नवंबर को भी प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ की निगरानी के बाद पहले से निर्धारित 27 विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त अल्प सूचना पर तीन अनारक्षित विशेष रेलगाड़ियां चलाई गईं। उत्तर रेलवे के अधिकारी बुधवार को भी दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की आवाजाही और भीड़ की लगातार निगरानी कर रहे हैं। जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त विशेष रेलगाड़ियां चलाने की व्यवस्था की जाएगी।

निशा भगत के परिजनों से मिलीं राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष, न्याय का दिलाया भरोसा

एजेंसी, गुमला



▪ सीबीआई जांच की अनुशंसा से सरकार की जिम्मेदारी खत्म नहीं होती

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर बुधवार को गुमला पहुंचीं। यहां उन्होंने सामाजिक कार्यकर्ता स्वर्गीय निशा भगत के परिजनों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली और परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा और उत्पीड़न की घटनाएं गंभीर चिंता का विषय हैं। ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करना जरूरी है। मुलाकात के दौरान विजया राहटकर ने झारखंड में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती उत्पीड़न की घटनाओं पर चिंता जताई। उन्होंने निशा भगत मामले में राज्य सरकार की ओर से सीबीआई जांच की अनुशंसा का स्वागत किया, लेकिन स्पष्ट किया कि केवल जांच की अनुशंसा कर देना सरकार की जिम्मेदारी पूरी होने के लिए पर्याप्त नहीं है। महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए पुलिस तथा प्रशासन को भी प्रभावी और सख्त कदम उठाने होंगे। आयोग की अध्यक्ष ने बताया कि उन्होंने पहले ही राज्य की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदाशा मिश्रा से इस मामले की जानकारी ली थी और गंभीरता से कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा कि रांची पहुंचने के बाद पुलिस और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करेंगी। इस दौरान महिलाओं से जुड़े मामलों में अब तक की गई कार्रवाई, जांच की स्थिति और प्रशासनिक व्यवस्था की समीक्षा की जाएगी। विजया राहटकर ने संकेत दिया कि महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए और पीड़ित परिवारों को समय पर न्याय मिलना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए।

13 से 21 नवंबर तक उत्तराखंड में एलएसी के करीब भारतीय वायुसेना करेगी अभ्यास

एजेंसी, नई दिल्ली



भारतीय वायुसेना 13 से 21 नवंबर तक उत्तराखंड में एलएसी के करीब एक सप्ताह का उच्च-तीव्रता वाला अभ्यास करने जा रही है। इस अभ्यास में अग्रिम मोर्चे के लड़ाकू विमान हिस्सा लेंगे और इसका उद्देश्य दुश्मन के किसी भी दुस्साहस का जवाब देने की तैयारियों को परखना है। हिमालय की गोद में होने वाला यह अभ्यास भारतीय वायुसेना की युद्ध क्षमता, सटीक हमले की रणनीति और दुर्गम हिमालयी इलाकों में ऑपरेशन करने की ताकत का परीक्षण करेगा। इस दौरान हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध लगाते हुए नोटाम जारी किया गया है, जिससे सामान्य नागरिक उड़ानों के रूट भी प्रभावित हो सकते हैं। यह हाई-इंटेंसिटी वाला हवाई अभ्यास बीवीआर युद्ध रणनीति, ऊंचाई वाले इलाकों में विमानों के प्रदर्शन और तेजी से सैन्य बलों की तैनाती की क्षमता को परखेगा। जानकारों के मुताबिक इस अभ्यास का साफ संदेश है कि भारत अपनी सीमाओं पर कड़ी नजर रखने वालों के लिए हर स्थिति से निपटने को तैयार है। आमतौर पर भारत के पूर्वी और उत्तरी सेक्टर सैन्य अभियानों को लेकर चर्चा में रहते हैं, हालांकि मध्य हिमालय में स्थित मध्य सेक्टर में भी पिछले कुछ सालों में सैन्य बुनियादी ढांचे, अग्रिम हवाई अड्डों और निगरानी नेटवर्क का लगातार विस्तार हुआ है। एक सप्ताह तक चलने वाले इस अभ्यास में फ्रंटलाइन लड़ाकू विमान शामिल होंगे। इसका मकसद ऑपरेशनल फुर्ती और हिमालय के कठिन इलाकों में ऊंचे स्थानों पर इंजन के प्रदर्शन को परखना है। सेंट्रल उत्तराखंड के ऊपर हवाई अभ्यास से एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड पर सामरिक अभियानों की क्षमता जांचने का भी मौका मिलेगा।

कृषि को आधुनिक, लाभकारी और रोजगारपरक बनाने के लिए प्रयासरत है मध्य प्रदेश सरकार : मोहन यादव

एजेंसी, भोपाल



▪ मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिल्ली में राज्य सरकार के कृषि क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों का किया उल्लेख-किसानों की आय बढ़ाने, खेती की लागत घटाने और कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन देने पर जोर

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कृषि क्षेत्र को अधिक लाभकारी, आधुनिक और रोजगारपरक बनाने के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। किसानों की आय बढ़ाने, कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि और खेती की लागत कम करने के उद्देश्य से आधुनिक तकनीक, निवेश, नवाचार और उन्नत कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में एक निजी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया चैनल की ओर से आयोजित भारत कृषि सम्मेलन (एग्रीकल्चरल कॉन्क्लेव) के एक सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का विशेष जोर प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने, फसल विविधीकरण, जल संरक्षण और सिंचाई सुविधाओं के विस्तार पर है।

उन्होंने बताया कि किसानों को परंपरागत खेती के साथ नई तकनीकों और लाभकारी कृषि गतिविधियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषि क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने और कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सिंगल विंडो क्लीयरेंस व्यवस्था को प्रभावी बनाया जा रहा है। इसके माध्यम से निवेशकों को विभिन्न विभागों की आवश्यक अनुमतियां एक ही व्यवस्था के तहत उपलब्ध कराने का प्रयास है।

कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों में निवेश के साथ रोजगार के नए अवसर सृजित करना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार कर अधिक से अधिक कृषि भूमि को सिंचित क्षेत्र के दायरे में लाने का प्रयास किया जा रहा है। किसानों को समय पर पानी उपलब्ध कराने के साथ कृषि अधोसंरचना को भी मजबूत किया जा रहा है। इससे कृषि उत्पादन बढ़ने और किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार होने की उम्मीद है।

डॉ. मोहन यादव ने बताया कि सरकार महिला किसानों, युवाओं और प्रगतिशील किसानों को कृषि क्षेत्र में आगे बढ़ाने पर भी विशेष ध्यान दे रही है। कृषि को केवल परंपरागत व्यवसाय तक सीमित न रखकर आधुनिक तकनीक, उद्यमिता और रोजगार से जोड़ने की दिशा में पहल की जा रही है। किसानों को उन्नत कृषि तकनीक, बेहतर बीज, आधुनिक उपकरणों और फसल प्रबंधन की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ फसल विविधीकरण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इससे उन्हें बाजार की मांग के अनुरूप उत्पादन करने और बेहतर मूल्य प्राप्त करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य कृषि उत्पादन बढ़ाने के साथ किसानों की आय और जीवन स्तर में सुधार करना है।

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

आईपीएल 2027 : हार्दिक पांड्या पंजाब किंग्स में शामिल, अर्शदीप मुंबई इंडियंस से जुड़े

एजेंसी, नई दिल्ली



टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 से पहले खिलाड़ियों के बड़े ट्रेड के तहत मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या पंजाब किंग्स में शामिल होंगे, जबकि भारत के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज अर्शदीप सिंह मुंबई इंडियंस का हिस्सा बनेंगे। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच यह बड़ा खिलाड़ी ट्रेड पूरा हो गया है। हार्दिक पांड्या के इस फैसले के साथ मुंबई इंडियंस के साथ उनका दूसरा कार्यकाल समाप्त हो जाएगा। वह इस फ्रेंचाइजी के साथ चार बार आईपीएल खिताब जीत चुके हैं। हार्दिक पहली बार 2015 में मुंबई इंडियंस से जुड़े थे। इसके बाद उन्होंने खुद को लीग के सबसे प्रभावशाली ऑलराउंडरों में स्थापित किया। मुंबई की खिताबी जीत में उन्होंने 2015, 2017, 2019 और 2020 में अहम योगदान दिया। मुंबई के साथ सात सत्र बिताने के बाद हार्दिक आईपीएल 2022 से पहले गुजरात टाइटंस में चले गए थे। वहां उन्होंने कप्तान के रूप में पहले ही सत्र में टीम को खिताब दिलाया। गुजरात की टीम 2023 में भी फाइनल तक पहुंची। इसके बाद हार्दिक 2024 में मुंबई इंडियंस में लौटे और टीम की कप्तानी संभाली। हार्दिक ने अब तक 162 आईपीएल मैचों में 146.28 के स्ट्राइक रेट से 2,955 रन बनाए हैं और 82 विकेट भी हासिल किए हैं। उनका यह प्रदर्शन उन्हें एक अनुभवी और मैच जिताने वाले खिलाड़ी के रूप में स्थापित करता है। वहीं, अर्शदीप सिंह आठ सत्र तक पंजाब किंग्स के साथ रहने के बाद मुंबई इंडियंस से जुड़ेंगे। उन्होंने 2019 में पंजाब की ओर से ही आईपीएल में पदार्पण किया था और धीरे-धीरे प्रतियोगिता के प्रमुख बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों में अपनी जगह बनाई। अर्शदीप ने 96 आईपीएल मैचों में 111 विकेट लिए हैं और वह पंजाब किंग्स के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। नई गेंद से शुरुआती विकेट निकालने और पारी के अंतिम ओवरों में दबाव के बीच गेंदबाजी करने की उनकी क्षमता पंजाब के लिए बेहद उपयोगी रही है। अर्शदीप ने आईपीएल 2025 में 21 विकेट लिए थे, जबकि 2026 के सत्र में उनके नाम 14 विकेट रहे। उनकी बाएं हाथ की तेज गेंदबाजी और पारी के अलग-अलग चरणों में प्रभावी प्रदर्शन करने की क्षमता मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती देगी। इस ट्रेड के तहत हार्दिक पांड्या 18 करोड़ रुपये की फीस पर पंजाब किंग्स से जुड़ेंगे। मुंबई इंडियंस में उनकी मौजूदा फीस 16.35 करोड़ रुपये थी। वहीं, अर्शदीप सिंह अपनी मौजूदा 18 करोड़ रुपये की फीस पर ही मुंबई इंडियंस का हिस्सा बनेंगे।

डब्ल्यूटीए फाइनल्स : लिंडा नोस्कोवा ने कोको गॉफ को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी, इंडियन वेल्स



विंबलडन चैंपियन लिंडा नोस्कोवा ने मंगलवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए कोको गॉफ को सीधे सेटों में हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली। वहीं, जेसिका पेगुला ने यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक को हराकर अंतिम चार में पहुंचने की अपनी उम्मीदें कायम रखीं। चेक गणराज्य की आठवीं वरीयता प्राप्त नोस्कोवा ने ग्रुप-1 के मुकाबले में गॉफ को 6-3, 6-3 से शिकस्त दी। उन्होंने गॉफ की कमजोर सर्विस का फायदा उठाते हुए पहले सेट में चार बार उनकी सर्विस तोड़ी और 6-3 से सेट अपने नाम किया।

दूसरे सेट की शुरुआत में भी नोस्कोवा ने निर्णायक ब्रेक हासिल किया। इसके बाद उन्होंने मैच में अपना नौवां ऐस लगाते हुए मुकाबला समाप्त किया और सेमीफाइनल का टिकट पक्का कर लिया। जीत के बाद नोस्कोवा ने कहा, "मैं बहुत खुश हूं। इस प्रतियोगिता में हर जीत महत्वपूर्ण है। कोको एक बड़ी प्रतिद्वंद्वी हैं, इसलिए मुझे आज हर तरह की चुनौती के लिए तैयार रहना था।" उन्होंने कहा, "कोको के खिलाफ आखिरी अंक तक खेलना होता है, क्योंकि वह अपनी सर्विस और संघर्ष करने की क्षमता से किसी भी समय वापसी कर सकती हैं। मुझे लगा कि मैंने उन पर दबाव बनाने के लिए शानदार खेल दिखाया।" नोस्कोवा ने रविवार को अपने शुरुआती ग्रुप मुकाबले में यूक्रेन की कोस्त्युक को भी हराया था।

दूसरी ओर, अमेरिका की जेसिका पेगुला ने उतार-चढ़ाव से भरे मुकाबले में कोस्त्युक को 6-2, 7-5 से हराया। इस हार के साथ कोस्त्युक टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। अब ग्रुप-1 से सेमीफाइनल में पहुंचने वाले अंतिम खिलाड़ी के लिए कोको गॉफ और पेगुला के बीच मुकाबला होगा। पेगुला को अपने शुरुआती मुकाबले में रविवार को गॉफ के हाथों हार मिली थी। लेकिन मंगलवार को उन्होंने शानदार वापसी करते हुए कोस्त्युक को मात दी। जीत के बाद पेगुला ने कहा, "मुझे लगता है कि मैं अच्छा खेल रही हूं। कोको के खिलाफ मेरा मुकाबला काफी उच्च स्तर का था और आज का मैच भी शानदार रहा।" कोस्त्युक की खेल शैली को चुनौतीपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा, "उनके खिलाफ खेलना काफी मुश्किल है, क्योंकि आप नहीं जानते कि अगले पल क्या होने वाला है।

मप्र के भोपाल में 19 नवंबर से होगा एशियन महिला हॉकी का महासंग्राम, मंत्री सारंग ने लोगो और ट्रॉफी का किया अनावरण

एजेंसी, भोपाल



मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में 19 से 28 नवंबर तक पहली बार एशियन वूमेंस हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी भोपाल-2026 का आयोजन होगा, जिसमें भारत, जापान, चीन, मलेशिया, कोरिया और थाईलैंड की छह शीर्ष टीमें हिस्सा लेंगी। प्रदेश के सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बुधवार को टीटी नगर स्टेडियम, भोपाल में ट्रॉफी के आधिकारिक लोगो और ट्रॉफी अनावरण के साथ ट्रॉफी टूर का शुभारंभ किया। मंत्री सारंग ने इस अवसर पर कहा कि मध्यप्रदेश के लिए यह गौरव और प्रतिष्ठा का विषय है कि प्रदेश की राजधानी भोपाल पहली बार इस प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय महिला हॉकी प्रतियोगिता की मेजबानी करने जा रही है। एशियन हॉकी फेडरेशन एवं हॉकी इंडिया के सहयोग से मध्यप्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा 19 से 28 नवंबर 2026 तक अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, बरखेड़ा नाथू, भोपाल में प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। लगभग पांच हजार दर्शकों की क्षमता वाले अत्याधुनिक हॉकी स्टेडियम में दर्शकों के लिए एंट्री फ्री रहेगी। वर्ल्ड रैंकिंग की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के आयोजन की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया की गरिमामयी उपस्थिति में प्रतियोगिता का शुभारंभ एवं अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के प्रथम चरण का लोकार्पण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में एशिया की 6 शीर्ष महिला हॉकी टीमें भारत, जापान, चीन, मलेशिया, कोरिया और थाईलैंड की लगभग 150 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगी। मंत्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेल अधोसंरचना के विकास, खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में अभूतपूर्व प्रयास किए गए हैं।

बाली में शुरू हुई आईसीसी बोर्ड और समिति की बैठकें, क्रिकेट के भविष्य पर होगी चर्चा

एजेंसी, बाली



अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बोर्ड और समितियों की बैठकें बुधवार से इंडोनेशिया के बाली में शुरू हो गईं। 11 से 15 नवंबर तक चलने वाले इन बैठकों के कार्यक्रम में दुनिया भर से आईसीसी बोर्ड और समिति के प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। वर्ष 2026 की ये अंतिम बैठकें आईसीसी और आईबीसी बोर्ड की बैठकों के साथ संपन्न होंगी। इन बैठकों में क्रिकेट के भविष्य, प्रतियोगिताओं, प्रारूपों, व्यावसायिक स्थिरता और खेल के वैश्विक विस्तार से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। आईसीसी की रणनीति के अनुरूप दुनिया भर में क्रिकेट के प्रशंसकों की संख्या बढ़ाने और खेल की लोकप्रियता को व्यापक बनाने के लिए सदस्य देशों के साथ विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक में फ्रेंचाइजी लीग समीक्षा समूह और प्रशासनिक व्यवस्था समीक्षा समिति की पहली सिफारिशों पर भी चर्चा होगी। इन दोनों समितियों का गठन जुलाई 2026 में आईसीसी के वार्षिक सम्मेलन के दौरान किया गया था।

फ्रेंचाइजी लीग समीक्षा समूह का उद्देश्य मौजूदा आईसीसी मान्यता और नियमन व्यवस्था को बेहतर बनाने के उपायों पर विचार करना है। इसके तहत फ्रेंचाइजी लीग की बढ़ती संख्या से पैदा हो रही नई चुनौतियों के बीच क्रिकेट के पारिस्थितिकी तंत्र को अधिक सुरक्षित और मजबूत बनाने पर ध्यान दिया जाएगा। वहीं, प्रशासनिक व्यवस्था समीक्षा समिति आईसीसी के प्रशासनिक ढांचे की विस्तृत समीक्षा के बाद अपनी शुरुआती सिफारिशें पेश करेगी। बैठकों में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के 2027-29 और 2029-31 चक्र के मुकाबलों का प्रस्ताव रखा जाएगा। इसके अलावा 2028 से 2035 तक होने वाले आईसीसी के सभी प्रमुख पुरुष आयोजनों के आयोजन की समय-सीमा को मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। कई क्वालीफाइंग प्रतियोगिताओं पर भी विचार किया जाएगा। आईसीसी विकास समिति ने इन आयोजनों के लिए क्वालीफिकेशन की ऐसी रूपरेखा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे हर चरण में मुकाबलों की प्रतिस्पर्धात्मकता और महत्ता बढ़े। इसका विशेष लाभ उभरते हुए क्रिकेट देशों को मिलने की उम्मीद है। अफगानिस्तान की शरणार्थी महिला क्रिकेटरों के लिए गठित कार्यबल भी विकास पथ कार्यक्रम के अगले चरणों से जुड़े प्रस्ताव आईसीसी बोर्ड के सामने रखेगा। इसके साथ ही आईसीसी की निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) मान्यता कार्यक्रम पर भी मुख्य कार्यकारी समिति और आईसीसी बोर्ड में विचार किया जाएगा।

बंगाल के कोच ने शमी के टेस्ट से संन्यास के लिए अगरकर को जिम्मेदार बताया

जिद्दी और घमंडी व्यक्ति बताया

एजेंसी, कोलकाता



बंगाल रणजी क्रिकेट टीम के कोच लक्ष्मी रतन शुक्ला ने भारतीय टीम के पूर्व मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर पर जमकर निशाना साधा है। बंगाल के इस कोच ने कहा है कि अगरकर के कारण ही मोहम्मद शमी को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर मजबूर होना पड़ा है। शुक्ला ने कहा कि अगरकर बेहद जिद्दी और घमंडी व्यक्ति हैं। उन्होंने शमी ही नहीं सूर्यकुमार यादव को भी टी20 क्रिकेट से बाहर किया। इसके अलावा अविराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों को भी किनारे किया। शुक्ला ने कहा, भारत के लिए टेस्ट खेलते हुए शमी कभी विवादों में नहीं फंसे। उन्होंने किसी से कभी कुछ भी बुरा नहीं कहा। हम सब चाहते थे कि वे टेस्ट क्रिकेट खेलने के बाद रिटायर हों, अगरकर जैसे लोगों को ये पसंद नहीं आया। उन्होंने साथ ही कहा अगरकर एक जिद्दी और घमंडी व्यक्ति हैं। उन्होंने टी-20 विश्व कप जीतने के बाद सूर्यकुमार को अवसर नहीं दिया। साथ ही विराट और रोहित तक को टेस्ट से हटा दिया। वह सही व्यक्ति नहीं थे। शुक्ला ने यह भी आरोप लगाया कि अगरकर का नाम इतिहास में हमेशा रहेगा, क्योंकि खेलते समय उन्होंने बहुत रन दिए, फिर भी लंबे समय तक खेल गए, और चयनकर्ता बनने के बाद भी उन्होंने अपना दिमागी खेल दिखाया। शुक्ला से पहले शमी के बचपन के कोच बदरुद्दीन सिद्दीकी ने भी इस तेज गेंदबाज की मानसिक स्थिति का खुलासा किया। सिद्दीकी ने बताया, वह पिछले एक साल से काफी परेशान थे। टीम में मौका नहीं मिलने के कारण उनकी निराशा लगातार बढ़ रही थी। उन्होंने पुष्टि की कि शमी के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का फैसला काफी समय से उनके मन में चल रहा था। सिद्दीकी ने बताया कि उन्होंने और परिवार के अन्य सदस्यों ने शमी को जल्दबाजी न करने की सलाह दी थी, लेकिन जब उन्हें लगा कि न्यूजीलैंड सीरीज के बाद टेस्ट टीम में वापसी की कोई उम्मीद नहीं बची है, तो उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी।

सचिन तेंदुलकर के 26 ऐतिहासिक बल्ले अब मुंबई क्रिकेट संग्रहालय में होंगे प्रदर्शित

'बैटोग्राफी' के जरिये दिखेगा मास्टर ब्लास्टर का क्रिकेट सफर, 16 नवंबर को होगा अनावरण

एजेंसी, मुंबई



भारतीय क्रिकेट की विरासत को सहेजने और खेल के इतिहास को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर अपने करियर के कुछ सबसे खास बल्ले और यादगार वस्तुएं मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) को भेंट करेंगे। इनमें वे बल्ले भी शामिल हैं, जिनसे उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के 100 शतक लगाए थे। इन सभी वस्तुओं को एमसीए के शरद पवार क्रिकेट संग्रहालय में प्रदर्शित किया जाएगा। इस विशेष संग्रह का अनावरण 16 नवंबर 2026 को एक समारोह में होगा। यह तारीख सचिन तेंदुलकर के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के 13 वर्ष पूरे होने का भी प्रतीक है। उन्होंने 16 नवंबर 2013 को अपने घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना 200वां टेस्ट मैच खेलकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था। इस अवसर पर संग्रहालय में पहली बार अपनी तरह की एक विशेष प्रदर्शनी 'बैटोग्राफी' शुरू की जाएगी। इसमें तेंदुलकर के करियर के 26 बल्लों के साथ उनसे जुड़ी कई महत्वपूर्ण यादगार वस्तुएं प्रदर्शित होंगी। 'बैटोग्राफी' नाम जीवनी की अवधारणा से प्रेरित है। इसके माध्यम से मास्टर ब्लास्टर के क्रिकेट सफर को उन बल्लों की कहानी के जरिये प्रस्तुत किया जाएगा, जो उनके करियर के ऐतिहासिक और यादगार पलों के साक्षी रहे हैं। प्रत्येक बल्ला उनके शानदार करियर के एक खास अध्याय को दर्शाएगा। इससे क्रिकेट प्रेमियों को उनके रिकॉर्ड और उपलब्धियों के पीछे की कहानी को करीब से जानने का अवसर मिलेगा। इस पहल पर मुंबई क्रिकेट संघ के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा, "सचिन तेंदुलकर का भारतीय और विश्व क्रिकेट में योगदान उनके बनाए रिकॉर्ड से कहीं अधिक है। उनका सफर करोड़ों क्रिकेट प्रशंसकों की यादों में रचा-बसा है और ये बल्ले उस सफर की सबसे व्यक्तिगत धरोहरों में शामिल हैं। 'बैटोग्राफी' के माध्यम से हम एमसीए संग्रहालय में एक अनूठा आयाम जोड़ रहे हैं। इससे आगंतुक उन उपलब्धियों के पीछे की कहानी को उन्हीं साधनों के जरिये अनुभव कर सकेंगे, जिनसे वे उपलब्धियां हासिल की गईं। हम सचिन के आभारी हैं कि उन्होंने अपनी इन बेशकीमती धरोहरों को एमसीए के साथ साझा करने का निर्णय लिया। इससे यह असाधारण विरासत आने वाली पीढ़ियों के क्रिकेट प्रेमियों के लिए भी सुलभ बनी रहेगी।" बल्लों के अलावा सचिन के करियर के महत्वपूर्ण अवसरों और उपलब्धियों से जुड़ी कई अन्य यादगार वस्तुएं भी प्रदर्शनी का हिस्सा होंगी। इनमें हेलमेट, जर्सी, नोट्स सहित अन्य संग्रहणीय वस्तुएं शामिल हैं। संग्रहालय में इसके लिए एक विशेष स्थान तैयार किया गया है, जो तेंदुलकर के असाधारण क्रिकेट सफर को समर्पित होगा। इस प्रदर्शनी के जरिये प्रशंसक उनके करियर के ऐतिहासिक पलों, उपलब्धियों और यादों को फिर से करीब से देख सकेंगे।

अंडर-19 एशिया कप में आज होंगे सेमीफाइनल मुकाबले



एजेंसी, मस्कत

ओमान में जारी अंडर-19 एशिया कप के सेमीफाइनल मुकाबले गुरुवार को शुरु हो रहे हैं। इससे पहले सेमीफाइनल मुकाबले गुरुवार, 12 नवंबर को खेले जाएंगे। भारत और पाकिस्तान की अंडर-19 टीमें पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। ऐसे में इस बार भी इन दोनो के बीच , 14 नवंबर को खिताबी मुकाबला होने की संभावना है। भारत, पाकिस्तान के अलावा दो अन्य टीमें अफगानिस्तान और बांग्लादेश भी सेमीफाइनल में पहुंची है। इसमें ग्रुप ए में पाकिस्तान ने अपने सभी तीनों मुकाबले जीतकर नंबर एक स्थान हासिल किया है। वहीं इसी ग्रुप में भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ हार के बाद बचे हुए दोनों मैच जीतकर शानदार वापसी की और अंक तालिका में दूसरे स्थान पर रहते हुए अंतिम चार में प्रवेश किया। वहीं दूसरी ओर ग्रुप बी में अफगानिस्तान की टीम अपने तीनों मैच जीतकर शीर्ष पर है। वहीं बांग्लादेश की टीम तीन में से दो मुकाबले जीतकर दूसरे स्थान पर है। इससे लंका और मलेशिया की टीमें रेस से बाहर हो गईं। गुरुवार, 12 नवंबर को पहला सेमीफाइनल मुकाबला भारत और ग्रुप बी की टीम अफगानिस्तान के बीच खेला जाएगा, जबकि दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच होगा। इन दोनों मुकाबलों में जीत दर्ज करने वाली टीमें शनिवार, 14 नवंबर को होने वाले खिताबी मुकाबले में एक-दूसरे के खिलाफ मैदान पर उतरेंगी।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम घोषित, रविंद्र, डफी, कॉनवे और ब्लंडेल की वापसी

एजेंसी, वेलिंगटन



भारत के खिलाफ 19 नवंबर से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए न्यूजीलैंड ने अपनी टीम घोषित कर दी है। टीम में जैकब डफी, रचिन रविंद्र, डेवोन कॉनवे और टॉम ब्लंडेल की वापसी हुई है। रविंद्र, कॉनवे, और ब्लंडेल चोट और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण भारत के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में नहीं खेल पाए थे। रचिन रविंद्र को भारत के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से पहले एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान दाएं कंधे में चोट लग गई थी। उनका कंधा अपनी जगह से खिसक गया था, जिसके कारण वह वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से बाहर रहे। वहीं, डेवोन कॉनवे शुरुआती वनडे से पहले लगी चोट के बाद उससे उबर रहे थे, जबकि टॉम ब्लंडेल जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव से परेशान थे। इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड को 2-1 से टेस्ट सीरीज हराने वाली न्यूजीलैंड टीम से बेन सीयर्स, जैक फॉल्क्स और विल ओ'रूर्क को बाहर रखा गया है। सीयर्स टखने और फॉल्क्स कूल्हे की चोट से जूझ रहे हैं, जबकि ओ'रूर्क वापसी की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। केन विलियमसन भी टीम का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पिछली सीरीज के बीच में ही संन्यास ले लिया था। टॉम लैथम की कप्तानी वाली टीम में जैकब डफी की भी वापसी हुई है। भारत के खिलाफ यह टेस्ट सीरीज न्यूजीलैंड के नए बल्लेबाजी कोच बीएल वॉटलिंग के कार्यकाल की भी शुरुआत होगी। वह 16 नवंबर से अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, "यह सीरीज ब्लैककैप्स के लिए टेस्ट क्रिकेट के एक रोमांचक घरेलू सत्र की शुरुआत है। टीम लगभग वही है, जिसने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड में मुकाबला किया था। ऐसे में दोबारा एक साथ खेलने और घरेलू मैदान पर उस सफलता को दोहराने की कोशिश करना अच्छा रहेगा।"

उन्होंने कहा, "मार्च तक कुल 10 टेस्ट मैच खेले जाने हैं, इसलिए टेस्ट क्रिकेट के प्रशंसकों के लिए मुकाबलों की कोई कमी नहीं होगी। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के महत्वपूर्ण अंक दांव पर होंगे, लेकिन हमारा ध्यान भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने पर रहेगा।"

आर्यवीर सबसे अधिक रन बनाने वाले युवा क्रिकेटरों के क्लब में शामिल

एजेंसी, मस्कट



भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग ने ओमान में जारी अंडर-19 एशिया कप 2026 में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ 168 गेंदों पर 160 रन की आक्रामक पारी खेलकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। इस यादगार पारी के साथ ही आर्यवीर ने देश के उन शीर्ष युवा बल्लेबाजों के क्लब में पहुंच गये हैं। जिन्होंने एकदिवसीय अंडर-19 क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाये हैं।

आर्यवीर अपनी इस 160 रनों की पारी के साथ ही युवा एकदिवसीय क्रिकेटरों के साथ शामिल हो गये हैं। इस श्रेणी में सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर अंबाती रायुडू का है। रायुडू ने साल 2002 में इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 177 रन बनाए थे। हाल ही में 2026 अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड के खिलाफ 175 रन बनाकर बनाये थे। इसके अलाव राज बावा के नाम नाबाद 162 रनों की पारी दर्ज है। आर्यवीर ने 160 रन बनाकर शुभमन गिल और मयंक अग्रवाल के युवा एकदिवसीय क्रिकेट रिकार्ड की बराबरी की है। सहवाग के बेटे होने के नाते, आर्यवीर पर हमेशा उम्मीदों का दबाव रहा है, लेकिन उन्होंने अपनी इस शानदार बल्लेबाजी से साबित कर दिया है कि वह अपनी अलग पहचान बनाने और अपने दम पर इतिहास रचने की क्षमता रखते हैं।

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक



कैसे बनते हैं डॉक्टर

डॉक्टर बनना निस्संदेह सबसे अधिक मांग वाले प्रोफेशन में से एक है। डॉक्टरों की मांग न केवल भारत में, बल्कि दुनिया भर में है। यह पेशा न केवल आर्थिक रूप से फायदेमंद है, बल्कि डॉक्टरों की तरफ से समाज में दिए गए योगदान के कारण महान माना जाता है। भारत में एमबीबीएस की डिग्री अक्सर पेशे से संबंधित होती है, लेकिन एक मेडिकल प्रैक्टिशनर बनने के लिए इस कोर्स को करने के अलावा और भी बहुत कुछ जरूरी है.....

भारत में वर्तमान में क्या है डॉक्टरों की स्थिति

भारत में सरकारी और निजी दोनों संस्थान/विश्वविद्यालय हैं, जो एमबीबीएस कराते हैं। देश में इस समय एमबीबीएस की सीटों की कुल संख्या 1,07000 से कुछ अधिक है। वहीं, इन सीटों पर प्रवेश के लिए लगभग हर वर्ष 20 लाख छात्र NEET UG परीक्षा देते हैं। हालांकि, सिर्फ 5 प्रतिशत अभ्यर्थियों को ही क्वालिफाई किया जाता है।

क्या है एडमिशन का नियम

नीट यूजी परीक्षा पास करने के बाद अभ्यर्थियों मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (एमसीसी) की आधिकारिक वेबसाइट या संबंधित राज्य की अथॉरिटी की तरफ से आयोजित होने वाली काउंसलिंग में भाग लेना होता है। क्योंकि राज्य कोटे की सीटों पर राज्य अथॉरिटी की तरफ से एडमिशन दिया जाता है। जबकि केंद्र कोटे की सीटों पर एमसीसी की तरफ से काउंसलिंग आयोजित की जाती है। एमबीबीएस भारत में 5.5 वर्ष का है, जिसमें 4.5 वर्ष का पाठ्यक्रम और एक वर्ष की इंटर्नशिप शामिल है।

एम्स जैसे संस्थानों में पीजी के लिए देना होता है ये एग्जाम

एम्स दिल्ली जैसे भारत के कुछ पुराने कॉलेजों में प्रवेश पाने के लिए INICET (राष्ट्रीय महत्व संस्थान सामान्य प्रवेश परीक्षा) आयोजित करता है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली पीजी पाठ्यक्रमों जैसे मास्टर ऑफ सर्जरी (एमएस), डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (एमडी), मास्टर ऑफ डेंटल सर्जरी (एमडीएस), डॉक्टरेट ऑफ मेडिसिन (डीएम) में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है। हर वर्ष करीब 2 लाख छात्र NEET PG और INICET देते हैं। सफल होने वाले छात्रों को 60,000 PG सीटों पर प्रवेश दिया जाता है। वहीं, पीजी के बाद सर्जरी आदि में स्पेशलाइजेशन के लिए स्टूडेंट्स नीट एसएस आदि का एग्जाम दे सकते हैं।

सैलरी

MBBS, एमडी और सुपरस्पेशियलिटी के डॉक्टरों को लाखों रुपये की सैलरी दी जाती है। हालांकि, प्रैक्टिस के लिए उन्हें FMGE का एग्जाम देना होता है। क्योंकि प्रैक्टिस के लिए इस परीक्षा को पास करना जरूरी होता है।



एयर ट्रैफ़िक कंट्रोलर के रूप में चुनें करियर

यदि आप आसमानी ट्रैफ़िक को सुरक्षित रखने में रुचि रखते हैं और हवाई यातायात की गति पर नज़र रखने का चुनौतीपूर्ण कार्य करना चाहते हैं, तो एयर ट्रैफ़िक कंट्रोलर या एटीसी के रूप में करियर विकल्प चुन सकते हैं। एयर ट्रैफ़िक कंट्रोलर या एटीसी टकराव को रोकने के लिए और यातायात की भीड़ से उत्पन्न होने वाली देरी को कम करने के लिए स्थापित प्रक्रियाओं और नीतियों के अनुसार हवाई अड्डे के आसपास और भीतर हवाई यातायात को नियंत्रित करते हैं।

एक हवाई यातायात नियंत्रक हवाई यातायात के सुरक्षित, व्यवस्थित और कुशल आवागमन के लिए और हवाई अड्डों के आसपास के क्षेत्र में जिम्मेदार होता है। नियंत्रकों के लिए सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, लेकिन वे विमानों को भी आसानी से निर्देशित करते हैं ताकि देरी को कम किया जा सके, नामित हवाई अड्डों के माध्यम से हवाई अड्डे के यातायात को विनियमित किया जा सके और हवाई अड्डे के आगमन और प्रस्थान को विनियमित किया जा सके।

बहुत व्यस्त हवाई अड्डों में, हवा नियंत्रकों और जमीन नियंत्रकों के बीच काम विभाजित है। लैंडिंग के दौरान एयर नियंत्रक विमान का मार्गदर्शन करते हैं, जबकि ग्राउंड कंट्रोलर रनवे पर विमानों का प्रबंधन करते हैं, पार्किंग स्टैंड और होल्डिंग क्षेत्रों से विमानों को टैक्सी के रूप में निर्देश जारी करते हैं।

वायु यातायात नियंत्रकों की भूमिका

- आने और प्रस्थान करने वाले विमानों से रेडियो कॉल करना।
- लैंडिंग और टेक-ऑफ निर्देश और सूचना जारी करना।
- टेलीफोन या अंतर-फोन का उपयोग करके, हवाई यातायात नियंत्रण केंद्र से आने वाली उड़ानों के नियंत्रण को स्वीकार करने के लिए उड़ानों को स्थानांतरित करने पर नियंत्रण रखना।
- हवाईअड्डे के आपातकालीन कर्मचारियों और अन्य नामित कर्मियों को अलर्ट करते रहना, जब हवाई जहाज को उड़ान में कठिनाई होती है।
- एयर ट्रैफ़िक कंट्रोलर या एटीसी रेडियो का संचालन करता है और हवाईअड्डे के आसपास के क्षेत्र में काम करने वाले विमानों को नियंत्रित करने के लिए रडार की निगरानी करता है।

वायु यातायात नियंत्रकों के कौशल

संचार कौशल - जब पायलट निर्देशों के लिए नियंत्रण टॉवर से संपर्क करते हैं, तो हवाई यातायात नियंत्रकों को उनके अनुरोधों को ध्यान से सुनना चाहिए और स्पष्ट रूप से बोलकर जवाब देना चाहिए।

एकाग्रता कौशल और सतर्कता - वायु यातायात नियंत्रकों के लिए एकाग्रता कौशल और सतर्कता हर समय काम आती है। उन्हें अपने कार्य में एकाग्रता रखनी चाहिए।

निर्णय लेने का कौशल - नियंत्रकों को शीघ्र निर्णय लेना चाहिए। कई बार आपातकालीन स्थिति में उन्हें निर्णय लेने में देरी नहीं करनी चाहिए।

मल्टीटास्किंग स्किल्स - कंट्रोलर को कई फ्लाइट्स की क्रियाओं को समन्वित करने में सक्षम होना चाहिए। उन्हें एक साथ कई कामों को करना आना चाहिए।

समस्या-समाधान कौशल - नियंत्रकों को जटिल परिस्थितियों को समझने और महत्वपूर्ण जानकारी की समीक्षा करने और पायलटों को एक उचित समाधान प्रदान करने में सक्षम होना चाहिए।

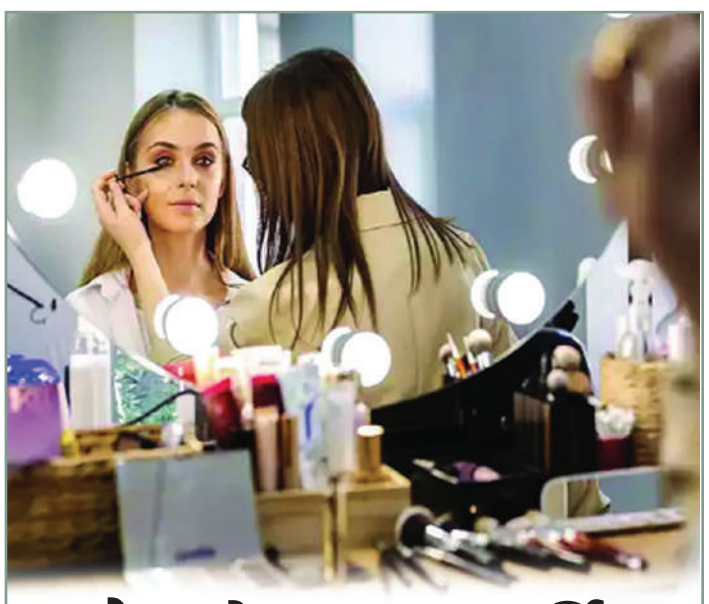
कार्य सारिणी

अधिकांश हवाई यातायात नियंत्रक पूरे समय काम करते हैं, और कुछ को अतिरिक्त घंटे काम करना चाहिए। क्योंकि अधिकांश नियंत्रण टॉवर और मार्ग केंद्र घड़ी के चारों ओर संचालित होते हैं, नियंत्रक दिन, शाम और रात के बीच पारियों को घुमाते हैं। कंट्रोलर सप्ताहांत और छुट्टी की पाली में भी काम करते हैं।

एयर ट्रैफ़िक कंट्रोलर या एटीसी की करियर संभावनाएं

एयर ट्रैफ़िक कंट्रोलर या एटीसी एयरपोर्ट कंट्रोल ऑपरेटर, कंट्रोल टॉवर रेडियो ऑपरेटर, फ्लाइट कंट्रोल टॉवर ऑपरेटर, एयर ट्रैफिक कंट्रोल स्पेशलिस्ट (एटीसीएस), एयर ट्रैफिक कंट्रोलर, सर्टिफाइड प्रोफेशनल कंट्रोलर (सीपीसी), एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (एनरूट ऑपशन), एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (टॉवर ऑपशन) आदि रुपों में काम कर सकते हैं।





बतौर मेकअप आर्टिस्ट बनाएं अपना भविष्य

अगर आप भी खुद को और दूसरों को खूबसूरत बनाने में रूचि रखते हैं तो बतौर मेकअप आर्टिस्ट अपना भविष्य देख सकते हैं।

आज के समय में हर कोई सुंदर दिखना चाहता है, चाहे वह महिला हो या फिर पुरूष। सुंदरता बढ़ाने के लिए लोग मेकअप पर निर्भर हैं। घर से बाहर शायद ही कोई महिला बिना मेकअप के निकलती है। मेकअप के इस दौर को सबसे ज्यादा बढ़ावा दिया है, टेलीविजन, फिल्म और फैशन इंडस्ट्री ने। इनके कारण पहले जहां सिर्फ महिलाएं ही मेकअप करती नजर आती थी, वहीं अब पुरूष भी इनसे पीछे नहीं हैं। इन सभी को खूबसूरत बनाने का काम करते हैं मेकअप आर्टिस्ट। मेकअप आर्टिस्ट ही वह व्यक्ति होता है जो किसी भी आर्टिस्ट को उसके किरदार में ढालने में एक अहम भूमिका निभाता है।

मेकअप आर्टिस्ट का कार्य

किसी भी चेहरे को सुंदर बनाना मेकअप आर्टिस्ट का मुख्य कार्य होता है। मेकअप आर्टिस्ट यह पता लगाता है कि किसी के चेहरे के अनुसार उस पर कैसा मेकअप सूट करेगा, वो व्यक्ति कैसे सुंदर लगेगा। ये सारा काम मेकअप आर्टिस्ट का होता है। फिल्मों और टीवी सीरियल में आपने देखा होगा कि कैसे एक सामान्य सी दिखने वाली लड़की बहुत सुंदर दिखने लगती है। ये सब मेकअप आर्टिस्ट का ही कमाल होता है। लड़कियों की तरह ही लड़कों का भी मेकअप होता है, जिससे वह ज्यादा स्मार्ट दिखें।

किस तरह का करें कोर्स

मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए बुहत ज्यादा पढ़ाई की जरूरत नहीं पड़ती है, लेकिन इस क्षेत्र में महरत हासिल करने के लिए कोर्स की जरूरत पड़ती है, क्योंकि मेकअप किसी व्यक्ति की स्किन से जुड़ा मामला है, आपने कोई प्रॉडक्ट उस व्यक्ति पर लगाया और वो खराब हुआ तो उसकी स्किन हमेशा के लिए खराब हो सकती है। ऐसे में आपको मेकअप आर्टिस्ट से जुड़ा कोर्स जरूर करना चाहिए। जिसमे आप मेकअप और कॉस्मेटिक प्रॉडक्ट से जुड़ी बारीकियों को समझ सके। इसके लिए सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स शामिल हैं। इसमें दाखिला आप 12वीं के बाद ले सकते हैं। इन कोर्स में उम्र की कोई सीमा नहीं होती है।

इन स्किल्स की जरूरत

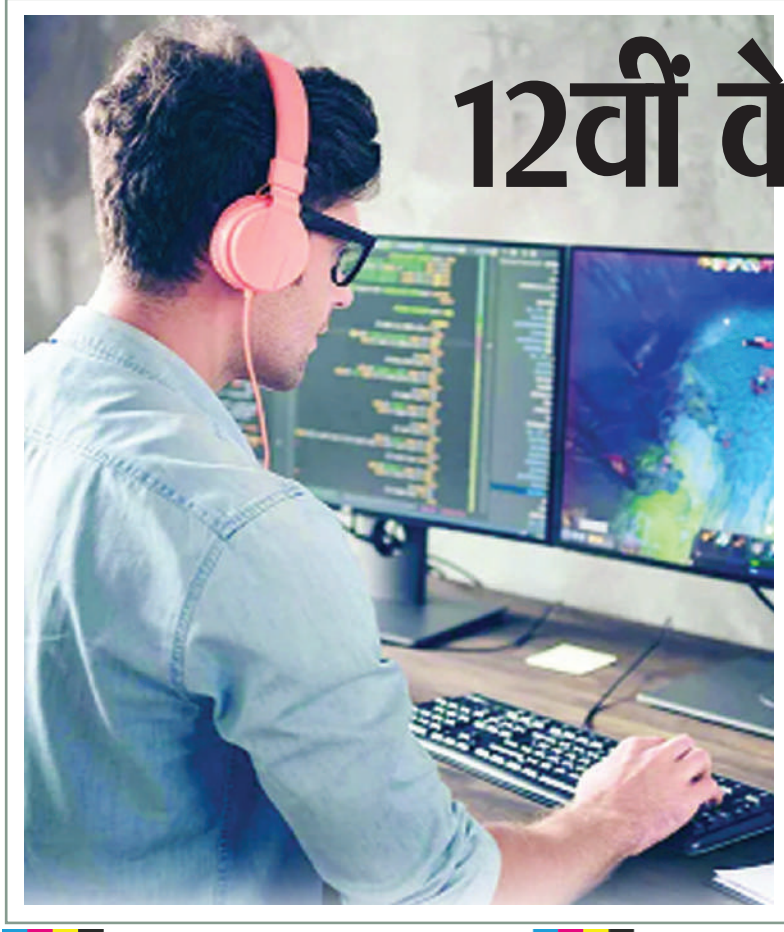
मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए आपका क्रिएटिव माइंड होना बेहद आवश्यक है, जिससे आप अपने क्लाइंट की पर्सनैलिटी के अनुरूप मेकअप कर पाएं। हर चेहरा एक जैसा नहीं होता। इतना ही नहीं, जो व्यक्ति क्लाइंट की डिमांड और मौके के हिसाब से परफेक्ट मेकअप कर पाने में सक्षम होता है, उसे इस क्षेत्र में सफल होने से कोई नहीं रोक सकता। साथ ही एक मेकअप आर्टिस्ट को हर स्टाइल और गेटअप के बारे में भी जानकारी होनी चाहिए। इसके लिए आपको लेटेस्ट मेकअप ट्रेंड के बारे में हमेशा रिसर्च करती रहनी चाहिए।

करियर कहां बनाए

आप इस फील्ड में कई जगह करियर बना सकते हैं। अगर आप अपने काम में एक्सपर्ट हैं तो फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में काम कर प्रतिमाह लाखों रुपए कमा सकते हैं। बड़े- बड़े एक्टर्स को पर्सनल मेकअप आर्टिस्ट की तलाश होती है। इसके अलावा आप टीवी चैनल, प्रॉडक्शन हाउस, फैशन इंडस्ट्री में नौकरी की तलाश कर सकते हैं। यहां भी मेकअप आर्टिस्ट की काफी ज्यादा जरूरत होती है। अगर आप किसी के अधीन नौकरी नहीं करना चाहते हैं तो आप खुद भी मेकअप का काम शुरू कर सकते हैं।

कितनी होगी सैलरी

मेकअप आर्टिस्ट की सैलरी आपके कार्य, कार्य स्थल और अनुभव पर निर्भर करता है। अगर आप फिल्मों, टीवी धारावाहिकों और अन्य स्थानों में कार्य कर रहे हैं तो प्रतिमाह लाखों रूपए कमा सकते हैं, वहीं अपना रोजगार शुरू करके भी अच्छा पैसा कमा सकते हैं।



12वीं के बाद करें गेम डिजाइनिंग का कोर्स

अगर आप भी 12वीं के बाद किसी ऐसे कोर्स की तलाश में हैं, जहां पर आपके कॅरियर ग्रोथ के साथ अच्छा पैसा कमा सकें। तो बता दें कि आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक बेहतरीन कॅरियर आप्शन के बारे में बताने जा रहे हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गेमिंग इंडस्ट्री के बारे में जरूरी जानकारी देने जा रहे हैं। बता दें कि इस फील्ड में आने के बाद आपको किस तरह का कॅरियर ग्रोथ मिलेगा। इस फील्ड में आने के लिए क्या क्वालिफिकेशन चाहिए होती है, इन सारे सवालों के जवाब आपको इस आर्टिकल में मिलेंगे। ऐसे में अगर आप भी 12वीं के बाद किसी बेहतरीन फील्ड की तलाश में हैं, तो गेमिंग फील्ड आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है।

वर्तमान समय की बात करें तो देश में गेमिंग इंडस्ट्री में 50,000 से ज्यादा लोग फुल टाइम वर्क कर रहे हैं। जिसमें से 30 फीसदी लोग प्रोग्रामर और डेवलपर के तौर पर काम कर रहे हैं। वहीं इस फील्ड में डायरेक्ट और इनडायरेक्ट तौर पर लाखों की संख्या में जॉब्स पैदा होने की संभावनाएं हैं।

गेम डिजाइनर गेम के कैरेक्टर्स, गेम के लेवल के अलावा तमाम बारीकियों को ध्यान में रखकर उसे इंट्रेस्टिंग बनाने पर फोकस करते हैं। वहीं गेम राइटर डायग्राम आदि बनाकर उसके अलग-अलग वर्जन को तैयार करते हैं। गेम डिजाइनर को टेक्निकल नॉलेज होने के साथ ही सोच में क्रिएटिविटी भी होनी चाहिए। गेम तैयार करने के लिए उसकी डिजाइन, डेवलपर्स, आर्टिस्ट्स और अन्य प्रोफेशनल की टीम एक साथ वर्क करती है।

क्वालिफिकेशन

- छात्र ने साइंस स्ट्रीम से 12वीं पास किया हो।
- कंप्यूटर और सॉफ्टवेयर की नॉलेज होना जरूरी होता है।
- गेम डिजाइनर बनने के लिए आपकी इंग्लिश भाषा पर अच्छी पकड़ होनी जरूरी है।
- इस फील्ड में आप गेम डिजाइनिंग, गेम डेवलपिंग, आर्ट, एनिमेशन, कंप्यूटर साइंस, कंप्यूटर ग्राफिक्स, इलस्ट्रेशन या मार्केटिंग में बैचलर डिग्री या पेशेवर सर्टिफिकेशन कोर्स कर सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

- गेमिंग फील्ड में कॅरियर बनाने वाले स्टूडेंट्स के पास कैरेक्टर डिजाइन, एनिमेशन, कांसेप्ट आर्ट और विजुअल इफेक्ट की जानकारी होनी चाहिए।
- इस फील्ड में 2 डी गेम डेवलपर्स, 3 डी गेम डेवलपर्स और जावा आदि में अपार संभावनाएं हैं।
- इस फील्ड में डिजाइनिंग के साथ 2डी सॉफ्टवेयर और 3डी मॉड्यूलिंग की नॉलेज होना बहुत जरूरी है।
- ऑडियो इंजीनियर के लिए युवाओं के पास साउंड इंजीनियरिंग और अन्य लैंग्वेज की जानकारी होना बेहद जरूरी है।

जॉब प्रोफाइल

इस फील्ड में युवा एनिमेटर, क्यूएक टेस्टर, ऑडियो इंजीनियर, गेम डिजाइनर, गेम डेवलपर, सॉफ्टवेयर इंजीनियर और प्रोड्यूसर, मैनेजर्स, कास्टर्स, ईस्पोर्ट्स प्रोफेशनल्स, स्ट्रीमर्स, इंफ्यूएंसर्स के तौर पर अपना कॅरियर बना सकते हैं।

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक

दुर्गा घोटे से साई पल्लवी तक

पिछले 100 साल के मनोरंजन के इतिहास में ये 9 एक्ट्रेस बनीं हैं सीता

बॉलीवुड में 100 साल में रामायण माइथोलॉजी पर कई फिल्में और सीरियल्स बने हैं. इस दौरान 9 एक्ट्रेस रही हैं जिन्हें दर्शकों ने मां सीता के रोल में देखा है. रणबीर की रामायण में साई पल्लवी सीता बनी हैं.

सिनेमा जगत की शुरुआत से ही रामायण जैसे महाकाव्य पर फिल्में बननी शुरू हो गई थीं. फिर जब छोटे पर्दे की शुरुआत हुई तो उसमें भी रामायण पर कई सारे सीरियल्स बनाए गए. यहां तक फादर ऑफ इंडियन सिनेमा के तौर पर मशहूर दादा साहेब फाल्के की दूसरी फिल्म लंका दहन भी रामायण पर बनी थी. लेकिन इस फिल्म में एक हीरो ने ही मां सीता का रोल प्ले किया था. वहीं किसी भी फिल्म में पहली बार सीता का रोल दिग्गज एक्ट्रेस दुर्गा घोटे ने प्ले किया था. वहीं हाल ही में आई रामायण में ये किरदार साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी ने प्ले किया है.

वक्त के साथ-साथ मां सीता के किरदार को पर्दे पर दिखाने का अंदाज भी बदला है. हालिया रिलीज रामायण में सीता को सीधा-सादा दिखाने के साथ ही उन्हें महाज्ञानी और एक वॉरियर की तरह पेश किया गया है. ये उस दौर के परिवेश के हिसाब से रिलेटेबल भी लगता है. हालांकि इसे लेकर बहस भी छिड़ी है. जहां कुछ लोग मां सीता के इस रोल से संतुष्ट नजर नहीं आ रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ जो लोग इसे डिफेंड कर रहे हैं. वे रामायण के 300 संस्करण और अलग-अलग स्थानों पर इसके अलग-अलग प्रचलन और मान्यताओं का हवाला दे रहे हैं. हालांकि बहस के इतर इसे लेकर कोई विवाद देखने को नहीं मिल रहा है. बता रहे हैं कि भारतीय सिनेमा के 100 साल के इतिहास में किन एक्ट्रेस ने बड़े और छोटे पर्दे पर मां सीता का रोल प्ले किया है.



दुर्गा घोटे

बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस दुर्गा घोटे ने साल 1934 में आई फिल्म सीता में मां सीता का रोल प्ले किया था. इसे मां सीता के जीवन पर केंद्रित कर के ही बनाया गया था. इसका निर्देशन देबकी कुमार बोस ने किया था. फिल्म में पृथ्वीराज कपूर भगवान राम के रोल में नजर आए थे. वहीं दूसरी तरफ लव के रोल में त्रिलोक कपूर नजर आए थे. इसके अलावा फिल्म में मुख्तार बेगम और गुल हामिद भी थे.

शोभना सामंत

साल 1943 में आई फिल्म राम राज्य में शोभना सामंत ने मां सीता का रोल प्ले किया था. इसमें प्रेम अदिब ने भगवान राम का रोल निभाया था. वहीं ऋषि वालमीकि के रोल में बद्री प्रसाद नजर आए थे. फिल्म का निर्देशन और निर्माण विजय भट्ट ने किया था वहीं इसका संगीत शंकरराव व्यास ने दिया था. फिल्म में अरुणा राय, बीना राय और कन्हैयालाल का भी रोल था.

अनीता गुहा

साल 1961 में बाबूभाई मिस्त्री ने एक फिल्म बनाई थी जिसका नाम संपूर्ण रामायण था. 3 घंटे 3 मिनट की इस फिल्म में वसंद देसाई और भारत व्यास ने म्यूजिक दिया था. फिल्म में महीपाल ने भगवान राम का रोल किया था वहीं अनीता गुहा मां सीता के रोल में नजर आई थीं. फिल्म में ललिता पवार, अचला सचदेव और हेलेन भी थीं.

जया प्रदा

साल 1976 में रामायण माइथोलॉजी पर एक फिल्म आई थी जिसका नाम सीता कल्याणम था. ये फिल्म हिंदी, तेलुगू और मलयालम जैसी 3 भाषाओं में रिलीज की गई थी. फिल्म में रवि कुमार ने भगवान राम और भगवान विष्णु का रोल प्ले किया था. वहीं इसमें बॉलीवुड एक्ट्रेस जया प्रदा ने मां सीता और मां लक्ष्मी का किरदार निभाया था.

दीपिका चिखलिया

साल 1987 में आई रामानंद सागर की रामायण को अभी तक के इतिहास की सबसे पॉपुलर रामायण माना जाता है. इसे बड़े पर्दे पर नहीं बल्कि सीरियल के फॉर्म में दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया गया था जिसके 78 एपिसोड्स आए थे. इसमें दीपिका चिखलिया ने मां सीता का रोल प्ले किया था और उनके इस किरदार को आज भी मां सीता के तौर पर सबसे ऑथेंटिक और रिलेटेबल माना जाता है.

देबीना बनर्जी

टीवी की दुनिया में इसके बाद रामायण पर खूब काम हुआ. लेकिन रामानंद सागर की रामायण के अलावा 2008 में आए रामायण सीरियल को ही सक्सेस मिली और पसंद किया गया. इसमें टीवी एक्ट्रेस देबीना बनर्जी ने मां सीता का रोल निभाया था और फैंस को भी उनका लुक पसंद आया था. इसमें गुरमीत चौधरी ने भगवान राम का रोल प्ले किया था.

नयनतारा

साल 2011 में साउथ की फिल्म राम राज्यम रिलीज की गई थी. इस फिल्म का निर्देशन बापू ने किया था. फिल्म का संगीत इल्लयाराजा ने दिया था. 2 घंटे 26 मिनट की ये फिल्म हिंदी, तेलुगू और मलयालम में रिलीज की गई थी. इसमें नंदमुरी बालकृष्णन ने भगवान राम का रोल प्ले किया था. वहीं फिल्म में एकानीनी नागेश्वर राव ने वाल्मीकि का रोल निभाया था.

कृति सेनन

साल 2023 में आई आदिपुरुष फिल्म 100 साल के इतिहास में रामायण पर बनी सबसे विवादित फिल्म साबित हुई थी. फिल्म रिलीज के पहले तो हाइप बंटोरने में सफल रही थी और 500 करोड़ के भारी-भरकम बजट में भी बनकर तैयार हुई थी. प्रभास ने इस फिल्म में भगवान राम का रोल किया था और मां सीता के रोल में कृति सेनन नजर आई थीं. लेकिन ये फिल्म फैंस के बीच इंपैक्ट क्रिएट करने में असफल रही थी और फ्लॉप साबित हुई थी. डायलॉग्स, सीन्स और इतिहास के साथ छेड़छाड़ करने की वजह से इस फिल्म का खूब विरोध हुआ था.

साई पल्लवी



अब 2026 में 4000 करोड़ में बनी रामायण फिल्म में रणबीर कपूर ने भगवान राम का रोल प्ले किया है और साई पल्लवी इसमें मां सीता के किरदार में नजर आई हैं. फिल्म अब तक के इतिहास की सबसे बड़ी मूवी मानी जा रही है. इस फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी ने किया है और नमित मल्होत्रा ने इसका निर्माण किया है. फिल्म ने महज 6 दिनों में ही 823 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. इस फिल्म के बॉक्स ऑफिस पर सभी की नजरें हैं. ऐसा माना जा रहा है कि इसका पहला पार्ट दंगल के ऑल टाइम कलेक्शन का रिकॉर्ड तोड़ देगा. इसका दूसरा पार्ट 2028 में आएगा.

सलमान की फिल्म का ट्रेलर रिलीज

एक्शन अवतार में नजर आए अभिनेता; चित्रांगदा के अंदाज ने चौंकाया



सलमान ने अपने शरीर को फौजी के तौर-तरीकों और सहनशक्ति के हिसाब से ढालने के लिए कड़ी मेहनत की है। फिल्म में सलमान खान, चित्रांगदा सिंह, अनूप बिक्रम शाही, मुकेश ऋषि और अंकुर भाटिया जैसे कलाकार हैं। सलमान खान की अपकमिंग फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इससे पहले मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया है। ट्रेलर में सलमान खान एक्शन अवतार में नजर आए हैं। फिल्म के ट्रेलर ने फैंस के उत्साह को और बढ़ा दिया है।

ट्रेलर में क्या है खास?

लगभग साढ़े चार मिनट के ट्रेलर की शुरुआत चाइनीज सैनिकों को दिखाने से होती है। वह आपस में भारतीय सेना के बारे में बात करते हैं। इसके बाद ट्रेलर में भारतीय और चाइनीज सैनिकों को लड़ते हुए दिखाया जाता है। ट्रेलर में आगे दिखाया जाता है कि कैसे सैनिक अपने परिवार से विदा लेकर बॉर्डर पर जाते हैं। ट्रेलर में आगे दिखाया गया है कि भारत और चीन के बीच तनाव की स्थिति है। दोनों देशों के सैनिकों के बीच भी तनातनी का माहौल बनता है। इसके बाद सलमान खान कहते हैं कि हमारी तरफ से एक भी गोली नहीं चलेगी। इसके बाद भारत और चीन के सैनिकों में जबरदस्त टकराव होता है. ट्रेलर में सलमान खान एक्शन जबरदस्त अवतार में नजर आए हैं। चित्रांगदा सिंह ने सलमान खान की पत्नी का रोल निभाया है। वह अभिनेता के साथ रोमांस करती हुई नजर आई हैं। झड़प के दौरान वह सलमान खान से लगातार जुड़ी रहती हैं। ट्रेलर के आखिर में दोनों देशों के सैनिकों को एक दूसरे का अभिवादन करते हुए दिखाया गया है।



रणवीर सिंह के नाना का निधनः

96 की उम्र में दिवाली वाले दिन छूटा साथ, कभी 'रॉकी' बनकर किया था डांस

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह के नाना डॉ. राम हींगोरानी का 96 साल की उम्र में निधन हो गया है। उन्होंने दिवाली वाले दिन यानी 8 नवंबर को आखिरी सांस ली। परिवार इस समय शोक में है। रणवीर की कजिन सौम्या हींगोरानी ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट शेयर कर उनके निधन की जानकारी दी। हालांकि, रणवीर सिंह ने अभी तक नाना के निधन पर सोशल मीडिया पर कोई पोस्ट शेयर नहीं की है। अब इस बीच एक्टर का पुराना वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह अपने नाना के साथ अपने खास रिश्ते के बारे में बात करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो से साफ पता चलता है कि रणवीर अपने नाना को कितना प्यार करते थे।

सौम्या ने शेयर किया इमोशनल पोस्ट

सौम्या हींगोरानी ने मंगलवार रात कई तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। इसके साथ उन्होंने एक भावुक नोट भी लिखा। सौम्या ने बताया कि उनके दादू ने 96 साल की शानदार जिंदगी जी और दिवाली के शुभ मौके पर दुनिया को अलविदा कह दिया।

जब 'ताल' के लिए सुभाष घई ने एआर रहमान को किया था अप्रोच

शेयर किया दिलचस्प किस्सा

फिल्म निर्माता और निर्देशक सुभाष घई ने संगीतकार ए. आर. रहमान के भारतीय संगीत उद्योग में योगदान को याद किया और बताया कि कैसे उन्होंने 'लगान' और 'रंग दे बसंती' जैसी फिल्मों से बॉलीवुड की संगीत संस्कृति को बदल दिया।

निर्देशक सुभाष घई ने इंस्टाग्राम पर ए. आर. रहमान के साथ तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने ए. आर. रहमान की असाधारण संगीत प्रतिभा और किसी भी संस्कृति या शैली के अनुसार खुद को ढाल लेने की क्षमता की खूब सराहना की। सुभाष घई ने लिखा, 'हमारे ब्रह्मांड से मिली एक वरदान जैसी प्रतिभा। ए. आर. रहमान क्यों? ' उन्होंने याद किया कि कैसे उन्होंने पहली बार अपनी 1999 की फिल्म 'ताल' के लिए उनसे संपर्क किया था। अपनी शुरुआती हिचकिचाहट को याद करते हुए उन्होंने लिखा, 'मैं सच में बहुत घबराया हुआ था, जब मैंने ए.आर. रहमान को अपनी फिल्म 'ताल' के लिए गाना ऑफर किया था, क्योंकि उस समय संगीतकार हिंदी के गानों या हिंदी फिल्मों से ज्यादा वाकिफ नहीं थे।

हालांकि, जब ए. आर. रहमान ने मुझे बताया कि वह फिल्म 'हीरो' के लिए बांसुरी बजाते थे, तो मेरी थोड़ी चिंता दूर हुई। ' सुभाष घई के अनुसार, ए. आर. रहमान ने 'लगान' और 'रंग दे बसंती' जैसी फिल्मों के माध्यम से बॉलीवुड की संगीत संस्कृति को पूरी तरह से बदल दिया था। उन्होंने लिखा, 'आप जानते हैं, 'ताल' आज तक। उन्होंने 'लगान', 'रंग दे बसंती' और 'रॉकस्टार' से बॉलीवुड में संगीत की संस्कृति को बदल दिया। उन्होंने हिंदी गाने 'जय हो' के लिए ऑस्कर जीता।



वो किसी भी देश और किसी भी संस्कृति की किसी भी आवाज को सीखकर उसे संगीत में बदल सकते हैं। सुभाष घई ने लिखा, 'वो हर तरह की फिल्म और हर जगह के हर निर्देशक को जवाब देते हैं, तो ए. आर. रहमान एक वरदान हैं और संगीत प्रेमियों को हैरान करते रहेंगे और लंबे समय तक जिएंगे। उनकी प्रतिभा और खुशी के लिए मेरी सारी शुभकामनाएं हमेशा। '

अनुष्का सेन वायरल पोस्टः

इतना खूबसूरत दिखना अपराध है



अभिनेत्री 'बालवीर', 'झांसी की रानी' और 'फियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी 11' के लिए जानी जाती हैं। अनुष्का ने 'एम आई नेक्स्ट' में हनी नाम की 14 साल की एक लड़की का दमदार किरदार निभाया था। 24 साल की अभिनेत्री अनुष्का सेन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वह अपने फैंस को अपनी जिंदगी से जुड़ी हर अपडेट देती रहती हैं। कई बार अभिनेत्री विदेश में अपने टूर की और अपने माता-पिता के साथ तस्वीरें साझा करती हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी नई तस्वीरें शेयर की हैं।

अनुष्का की पोस्ट में क्या है?

अनुष्का सेन ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें देखा जा सकता है कि उन्होंने सूरज की रोशनी में खूबसूरत पोज दिए हैं। अभिनेत्री ने ब्लैक स्कर्ट और क्रॉप टॉप पहना है। अभिनेत्री ने ऊपर से मरून दुपट्टा डाला है। उन्होंने अपने लुक को ब्लैक सनग्लासेस से पूरा किया है।

यूजर्स को पसंद आई तस्वीरें

अभिनेत्री अनुष्का सेन ने अपनी तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, 'जब सूरज मेरे चेहरे को चूमता है।' अभिनेत्री की पोस्ट को कई यूजर्स ने लाइक किया है और कई फैंस ने कमेंट किए हैं। एक यूजर ने लिखा 'अन्नू के लिए लाल रंग।' एक और यूजर ने लिखा 'चमकता हुआ खूबसूरत चेहरा।' एक और यूजर ने मजाक में लिखा 'कोई पुलिस को बुलाओ। इतना खूबसूरत दिखना अपराध है।'

'आंसू आ गए'

केरल में ओट्टनथुल्लल देखकर मंत्रमुग्ध हुईं सोना

गायिका सोना मोहपात्रा ने दीपावली का पावन पर्व केरल में सेलिब्रेट किया। मंगलवार को उन्होंने वहां की पारंपरिक कला ओट्टनथुल्लल के बारे में बताते हुए कहा कि उसे देखकर वह मंत्रमुग्ध हो गईं। ओट्टनथुल्लल केरल का एक प्रसिद्ध पारंपरिक एकल नृत्य और काव्य-वाचन कला रूप है, जिसकी शुरुआत 18वीं शताब्दी में प्रसिद्ध मलयालम कवि कुंचन नंबियार ने की थी। सोना ने इंस्टाग्राम पर केरल यात्रा और इस शानदार प्रदर्शन को देखने की कई तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें उन्होंने इसे संगीत, थिएटर, नृत्य, कविता, कॉमेडी और कहानी कहने का एक अद्भुत संगम बताया।





सोना मोहपात्रा ने अपना अनुभव शेयर करते हुए लिखा, 'केरल में हमारी शानदार दीपावली की छुट्टियों की एक छोटी-सी झलक। परिवार, त्योहार, खाना, बैकवाटर और भी बहुत कुछ, लेकिन इस यात्रा का सबसे बड़ा हाईलाइट ओट्टनथुल्लल का यह असाधारण प्रदर्शन है। दो कलाकार, एक मृदंगम, संगीत, थिएटर, नृत्य, कविता, कॉमेडी और कहानी कहने की पूरी दुनिया। इसे देखकर मैं मंत्रमुग्ध हो गई और आखिर में आंसू आ गए। ' उन्होंने आगे कहानी के बारे में बताते हुए लिखा, 'कहानी? द्रौपदी भीम को खुशबूदार कल्याणसौगंधिकम फूल की खोज में भेजती हैं। सुनने में आसान लगता है? लेकिन इस अद्भुत कलाकार ने पलक झपकते ही एक किरदार से दूसरे किरदार में बदलकर, केरल की लोक और शास्त्रीय संगीत परंपराओं से लिए गए बेहद मुश्किल गीतों को गाकर, अद्भुत शारीरिक ऊर्जा के साथ नृत्य करके, भाव, आवाज, मूड और व्यक्तित्व को हैरान कर देने वाली आसानी से बदलकर सबको चौंका दिया। सांस पर कंट्रोल! एक गायिका के तौर पर, मैं विश्वास ही नहीं कर पा रही थी कि मैं क्या देख रही हूं। ' उन्होंने मृदंगम वादक को वन-मैन ऑर्केस्ट्रा बताते हुए लिखा, 'नाटकीय प्रभावों, लयबद्ध बातचीत, ठहराव और संगीत की शरारतों से भरा पूरा साउंडस्केप बनाते हुए, साथ ही कोरस की भूमिका भी निभा रहे थे। दो लोग सिर्फ अपनी कला की महारत से दर्शकों को बांधे हुए थे।' सोना ने आगे कहा, 'और फिर थी कॉमेडी! तेज, सहज, बेहद समझदारी भरी।

दर्शकों में से अनजान लोगों को चुनना, सबको कहानी में शामिल करना, हमें खुद पर हंसाना, बिना किसी सस्ते अपमान या मजाक के। ' सोना ने आगे लिखा, 'और फिर थी कॉमेडी! तेज, सहज, बेहद समझदारी भरी। दर्शकों में से अनजान लोगों को चुनना, सबको कहानी में शामिल करना, हमें खुद पर हंसाना, बिना किसी सस्ते अपमान या मजाक के। मैं इस शानदार कलाकार का विजिटिंग कार्ड भी अपनी पोस्ट में शेयर कर रही हूं। अगर आप कोई फेस्टिवल, कॉन्सर्ट, प्राइवेट कार्यक्रम, शादी का जश्न या किसी भी मौके के लिए कुछ सच में खास ढूंढ रहे हैं, तो कृपया इस अद्भुत प्रस्तुति को बुलाने पर विचार करें। '